RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Dispatch Date - 02 August, 2017

अंक–2 (मासिक) वर्ष–13 अगस्त 2017 मूल्य 20/–

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

71वें स्वतंत्रता दिवस पर शुभकामनाएं

15 August

हम प्रतिबद्ध हैं जग शुद्धि के लिए

श्री माहेश्वरी मेलापक

श्री माहेश्वरी टाईम्स की पहल पर पर्यावरण के लिये हुए संकल्पित

वैवाहिक डायरेक्ट्री
श्री माहेश्वरी मेलापक 2017 (द्वितीय)
बॉयोडाटा का प्रकाशन प्रारंभ

अ. भा. माहेश्वरी युवा संगठन ने लिया 1 लाख पौधारोपण का संकल्प

RR ELECTRIC

REDEFINING COMFORT AND CONVENIENCE.

Lighting & Appliances

Switches & Fans

RR GLOBAL
RAM RATNA GROUP

R R KABEL LTD. Regd. Office : Ram Ratna House, Oasis Complex, P. B. Marg, Worli, Mumbai - 400 013.
T : +91 - 22 - 2494 9009 / 2492 4144 • **F** : +91 - 22 - 2491 2586 • **E** : executive.rrel@rrglobal.in
Corp. Office : 305/A, Windsor Plaza, R. C. Dutt Road, Alkapuri, Vadodara - 390 007.
T : +91 - 265 - 2321 891 / 2 / 3 • **F** : +91 - 265 - 2321 894

www.rrelectric.in • www.rrglobal.in

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-2 अगस्त, 2017 वर्ष-13

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)

अतिथि सम्पादक
नवल डागा, जयपुर (राज.)

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

- श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
- सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
- PNB A/c. No. : 0459002100043471
  IFSC- PUNB0045900
- ICICI A/c. No. : 030005001198
  IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

श्री माहेश्वरी टाईम्स ने पूर्ण किये स्नेह के 13 वर्ष

श्री माहेश्वरी टाईम्स सभी स्नेही पाठकों के स्नेह व सहयोग से 13 वर्ष पूर्ण कर चुकी है। शुरूआत तो अत्यंत लघु रूप में हुई थी, लेकिन सभी के स्नेह जो सम्बल दिया उसने इस अल्प अवधि में इसे 3.5 लाख से अधिक पाठकों की चहेती बनाकर देश की शीर्ष सामाजिक पत्रिका में शामिल होने का गौरव प्रदान कर दिया। श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं और मार्गदर्शकों का उनके स्नेह व सहयोग के लिये आभार व्यक्त करता है।

– सम्पादक

समय रहते आत्म अवलोकन करें

विचार क्रांति

लोक हमारे कामकाज पर टिप्पणी करें, सुझाव दें और विश्लेषण करें यह स्वाभाविक होता है हमें सहजता से स्वीकार भी करना चाहिए, लेकिन सबसे अच्छा विश्लेषण है अपना आंतरिक विश्लेषण। तारीफ हो या आलोचना, फौरन भीतर उतरें और स्वयं का मूल्यांकन शुरू कर दें। सबसे सही परिणाम भीतर ही मिलेगा।

राजा दशरथ ने जब राम को राजा बनाने की घोषणा की थी तो भरे दरबार में उनकी प्रशंसा हुई थी। उसी समय रामकथा में एक दृश्य आता है। सावधानी से देखें तो हमारे साथ आए दिन ऐसा घटता है। चारों ओर से उनकी जय-जयकार होती देख वे भरी राजसभा में दर्पण देखते हैं और अपना मुकुट ठीक करते हैं। ''राय सुभाय मुकुर कर लीन्हा, बदन बिलोकी मुकुट सम कीन्हा।'' सामान्यतः दर्पण एकांत में देखा जाता है, किंतु दशरथ सबके सामने देख रहे थे। घटना प्रतीकात्मक है। मुकुट राजसत्ता का प्रतीक है।

शासक का कर्त्तव्य है कि वह ध्यान रखें कि सत्ता संयमित रहे, उसमें समत्व रहे। सत्ता का सहज स्वभाव है कि वह खिसकती है क्योंकि फिसलना, टेढ़ा होना उसका स्वभाव है। दशरथ का मुकुट तिरछा हुआ, उन्होंने ठीक कर लिया और दर्पण में यह देखा कि क्या मैं सचमुच इस प्रशंसा के योग्य हूं।

जब कभी हमारी प्रशंसा हो तो हम भी अपने मन के दर्पण में स्वयं की छवि को निहारें गड़बड़ हो तो ठीक करें। दूसरा उदाहरण रावण का था। अंगद के मुक्के से उसका मुकुट गिर गया था फिर भी उसने उसे ठीक नहीं किया। यही फर्क है दशरथ और दशानन में। समय रहते अपनी सत्ता को सीधा कर लें और अपने दोष का निवारण कर लिया जाए।

निष्कर्ष - सबसे अच्छा विश्लेषण है अपना आंतरिक या आत्म विश्लेषण, तारीफ हो या आलोचना, भीतर उतरें और स्वयं का मूल्यांकन शुरू कर दें। सही परिणाम ही मिलेगा। जब कभी आपकी प्रशंसा हो तो अपने मन के दर्पण में स्वयं की छवि को निहारे और गड़बड़ हो तो ठीक कर लें।

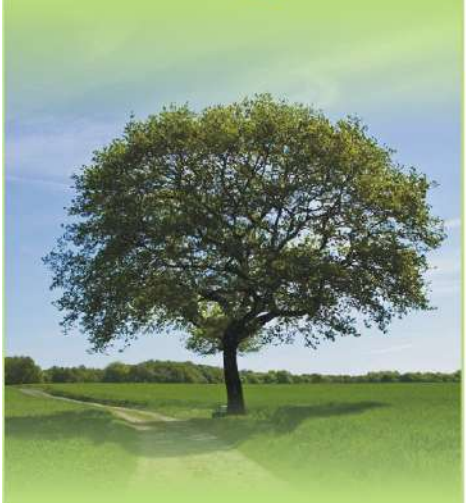

सर्वे भवन्तु सुखिनः

यह भावना प्रकृति को व्यक्त कर सकती है, जिसके मन में सदैव देने की उत्कंठा विद्यमान रहती है। प्रकृति के किसी भी भाग, आयाम को हम देखें तो पाएंगे वह हमें कुछ देने को आतुर ही है, वह भी तब जब हमने उसे कुछ दिया नहीं। बिना किसी विनिमय के प्रकृति जब इतना कुछ दे सकती है, तो हम अनुमान लगाएं, यदि हमने प्रकृति को कुछ दिया, तो वह हमें कितना लौटाएगी? देना कुछ खास नहीं। बस संरक्षण। प्रकृति इसकी मांग नहीं करती, यह हमारी जरूरत है, क्योंकि प्रकृति को बचाया नहीं, तो हमारा अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। प्रकृति से हम हैं, हमारा जीवन है। बावजूद हालात यह है कि हम प्रकृति के प्रति कृतज्ञ नहीं हो पा रहे। कभी हमारी सनातन संस्कृति की जीवन शैली हमें प्रकृति के नजदीक रखती थी, प्रकृति के साथ सह अस्तिव बनाए रखने के लिए प्रेरित करती थी।

पुरानी परंपराओं और मान्यताओं को आधुनिक जीवन शैली में नकार देने का नतीजा है कि हममें प्रकृति के प्रति संवेदना समाप्त हो गई। विकास और समृद्धि के नए प्रतिमानों के आगे प्रकृति का संरक्षण गौण हो गया। प्रकृति को अपने उपभोग के लिए इस्तेमाल करते जाने का परिणाम सामने है। प्रकृति जन्य विनाश का भय आज चारों तरफ नजर आने लगा है। ग्लोबल वार्मिंग के नाम पर भयाक्रांत दुनिया को प्रकृति संरक्षण की चिंता सता रही है। इसके लिए विश्व स्तरीय विचार मंथन और जन-जन तक पर्यावरण संरक्षण का संदेश भेजने के लिए अरबों रूपए खर्च हो रहे हैं। बावजूद नतीजा वह नहीं मिल रहा जो सांत्वना भी दे सके। प्रकृति विनाश के इस दौर में एक बार फिर धर्म और परंपराओं में प्रकृति के साथ सीधा संबंध जोड़ने वाली भारतीय संस्कृति को विश्व आशा भरी नजरों से देख रहा है। ऐसे में हमारा दायित्व है, हम नए आदर्श स्थापित करें।

यह अंक पर्यावरण संरक्षण को नई दिशा देने वाले समाज बन्धुओं पर भी केन्द्रित है। समाज के ऐसे व्यक्तित्वों से भी हम परिचित करा रहे हैं, जिन्होंने अपने कृतित्व से समाज को प्रकृति संरक्षण के लिए प्रेरित किया है। आग्रह केवल इतना है, आप भी इस कड़ी का हिस्सा बनें। इतना तो आप कर सकते है - पानी बचाएं, पेड़-पौधे लगाएं। 71वें स्वतंत्रता दिवस पर यह हमारा संकल्प बने तो देश की आजादी को यह हमारा अनुपम उपहार होगा।

अ.भा. माहेश्वरी महासभा के 28वें सत्र की बैठक वृन्दावन में होने जा रही है। इस बैठक को लेकर सबसे गर्म चर्चा सदस्यों पर थोपे गए आर्थिक भार की है। सदस्य इसका विरोध कर रहे है। सदस्यो को समाज विकास के दायित्व देना अलग बात है और आर्थिक टारगेट दूसरी बात। आर्थिक भार आने से केवल धनाढ्य सदस्यों की ही तूती बोलेगी जबकि निःस्वार्थ सेवा करने वाले हतोत्साहित होगे। यह स्थिति विकट है। ऐसी प्रवृत्तियों पर रोक लगना चाहिए। अंक में आप अन्य स्थायी स्तंभों के साथ ज्ञानवर्द्धक और पठनीय सामग्री पाएंगे। अंक के बारे में अपनी प्रतिक्रया से अवश्य अवगत कराएं। स्वाधीनता दिवस एवं रक्षा बंधन पर्व की सभी को मंगलकामनाएं।

जय महेश !

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

जयपुर (राजस्थान) में 1 दिसंबर 1956 को स्व. श्री शिवरतन डागा व स्व. श्रीमती चम्पादेवी डागा के यहाँ जन्में नवल डागा एक ऐसे समर्पित पर्यावरण प्रेमी हैं, जिन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन ही पर्यावरण को निःस्वार्थ भाव से समर्पित कर दिया है। बीकानेर का मूल निवासी उनका परिवार व्यावसायिक कारणों से जयपुर आ गया था। दो भाई व 4 बहनों से भरे-पूरे परिवार के श्री डागा ने जयपुर से ही एमकॉम तक शिक्षा ग्रहण की और आजीविका के लिये स्व व्यवसाय से सम्बद्ध हो गये। व्यावसायिक व्यस्तताओं के बावजूद प्रकृति को लेकर चिंतित रहने वाला मन रुका नहीं और तन-मन-धन से पर्यावरण संरक्षण के प्रति आप समर्पित हो गये। आप गत 40 वर्षों से विभिन्न भेंट सामग्री आदि के साथ ही अपने पर्यावरण हजारा के द्वारा पर्यावरण संरक्षण की ज्योत जलाते रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण के अन्तर्गत अभी तक आपकी 153 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, जिनमें पर्यावरण हजारा के विभिन्न भाग भी शामिल हैं। पर्यावरण पर आधारित एक हजार स्वरचित दोहों का संग्रह है। दोहों की विशेषता है, इन सभी में नीचे की मात्राओं का न होगा। बिना नीचे की मात्रा के एक हजार दोहों का सृजन अत्यंत दुष्कर कार्य है और वह भी पर्यावरण के संदेश के साथ। उनके द्वारा उपहार स्वरूप दी जाने वाली भेंट सामग्री पर भी पर्यावरण संरक्षण के संदेश अंकित रहते हैं।

पर्यावरणमय बनाएँ अपनी जीवन शैली

पर्यावरण शब्द लगता अवश्य गूढ़ है लेकिन इसका अर्थ अत्यंत सहज है। परि+आवरण अर्थात पर्यावरण। अर्थात हमारे आसपास का सम्पूर्ण आवरण या कहें हमारे आसपास जो कुछ भी है सभी पर्यावरण का ही एक अंग है। सामाजिक तौर पर पर्यावरण के विषय पर बात करने में लोगों को ऐसा लगता है कि यह तो देश व विश्व की समस्या है, हम समाज स्तर पर तो सामाजिक समस्याओं पर ही चिंतन करें, लेकिन हम भूल जाते हैं कि हम स्वयं भी तो इसी पर्यावरण में ही जी रहे हैं। यदि पर्यावरण ठीक है तो ही हम हैं और हम हैं तो समाज तथा समाज है तो राष्ट्र व विश्व। तो फिर हर समस्या से ऊपर आज के दौर में पर्यावरण ही होना चाहिये। आखिर प्रश्न तो न सिर्फ मानव बल्कि सम्पूर्ण सृष्टि के अस्तित्व का जो हो। इनने तो हम और न ही हमारा समाज अछूता रह सकता है।

हमारे समाज का एक अत्यंत गौरवशाली इतिहास है। इसने चाहे राजशाही हो या प्रजातंत्र हर दौर में अपने बुद्धि कौशल से नई राह दिखाई है। यही कारण है कि माहेश्वरी समाज को ''श्रेष्ठी'' वर्ग के रूप में देखा जाता है। यदि इस रूप में विचार किया जाए तो हमारा दायित्व तो और भी बढ़ जाता है। आज पर्यावरण अत्यंत खतरनाक मोड़ से गुजर रहा है। प्रदूषण ने उसे छिन्न-भिन्न व हानिकारक बनाने में कोई कसर नहीं रख छोड़ी है। हमारे द्वारा फैलाया गया कचरा न सिर्फ जमीन बल्कि पहाड़ों, नदियों व समुद्र तक को कूड़ादान बना रहा है। बेतहाशा कटते पेड़ों ने हमसे हमारे जीवन की आधार ''ऑक्सीजन'' को दूर करने की शुरुआत कर दी है। पानी तो पहले ही बोतलबंद होकर आम व्यक्ति की पहुँच से दूर होता जा रहा है। इन सब परिस्थितियों को संभालने में मेरे विचार में माहेश्वरी समाज से अच्छा कोई योगदान नहीं दे सकता। इसी समाज में वह शक्ति है जो परिवर्तन का आगाज कर सकती है। और जब कोई शुरुआत ''श्रेष्ठी'' वर्ग करता है, तो आमजन उसका अनुसरण करने से नहीं चूकता। अतः आईये हम सब मिलकर पर्यावरण की रक्षा करने व उसे प्राकृतिक स्वरूप में बनाये रखने का संकल्प लें।

इसके लिये समाज के संगठनों को पर्यावरण संरक्षण अभियान को एक आंदोलन का रूप देना होगा। इसके अंतर्गत जहाँ भी संगठन अपना कोई कार्यक्रम आयोजित करें उसमें पर्यावरण संरक्षण पर जनचेतना का कार्यक्रम अवश्य ही शामिल हो, क्योंकि यह हमारा सामाजिक ही नहीं बल्कि मानवीय दायित्व है। अतः हमें इसे अपनी जीवन शैली का एक अंग बनाना होगा। हम अपने हर अवसर चाहे वह जन्मदिवस को या किसी का मृत्यु दिवस, मकान का उद्घाटन हो या बच्चे का मुंडन, विवाह का अवसर हो या विवाह की वर्षगाँठ, हर अवसर में पर्यावरण का उपयोग न हो और हो तो उनका उचित निस्तारण भी हो। लोगों को पौधे उपहार में दे और पौधे ही उपहार में लें। पौधारोपण सिर्फ औपचारिकता न हो बल्कि जब तक वह किसी बड़े वृक्ष का रूप न ले लें तब तक आप उसकी देखरेख की जिम्मेदारी उसी प्रकार वहन करें जैसे अपने बच्चों की जिम्मेदारी वहन करते हैं। याद रखें पेड़ बढ़ेंगे तो सबकुछ सुधरेगा। आपको ही नहीं आपकी आने वाली पीढ़ी को भी शुद्ध ऑक्सीजन मिलेगी। अच्छी वर्षा होगी, जिससे आपको स्वच्छ जल मिलेगा और कृषि के अच्छे उत्पादन से महंगाई स्वतः ही नियंत्रित हो जाएगी। कुल परिणाम देखें तो सभी प्रकार की सुख समृद्धि का आधार ही पर्यावरण है।

तो आईये हम संकल्प लें अपने आपके लिये, अपने परिवार, समाज व राष्ट्र व सम्पूर्ण विश्व के लिये कि पर्यावरण की सुरक्षा करना हमारा व्यक्तिगत दायित्व होगा। ध्यान रखें किसी शासन व्यवस्था में वह शक्ति नहीं जो परिवर्तन की शक्ति ''जन-जन'' में है। जय महेश!

नवल डागा
अतिथि सम्पादक

श्री बंगर माताजी

श्री बंगर माताजी माहेश्वरी जाति की सोमाणी खांप की कुलदेवी है।

बंगर माताजी का मंदिर राजस्थान में चित्तौड़गढ़ जिले के करीब 70 किमी पर गांव कानड़ा-खेड़ा, पोस्ट-ताना वाया अकोला, तहसील-कपासन के ऊँचे पहाड़ पर स्थित है।एक रास्ता रतलाम-नीमच से निम्बाहेड़ा स्टेशन से भी है। पहाड़ की ऊँचाई करीब 300 मीटर है। माताजी का मंदिर अति प्राचीन है। बंगर माताजी का मंदिर बिजासन माताजी के नाम से भी जाना जाता है। यह मंदिर चौकला के पंचों ने संवत्-2012 भादवा शुक्ल पक्ष नवमी को कालू खां मिस्त्री के द्वारा बनवाया था। मंदिर में माताजी के साथ उनकी बहन तथा भैरव भी विराजमान हैं। माँ का तेजस्वी आकर्षक रूप मन को बड़ी शांति देता है। माँ के दर्शन करने पर पहाड़ चढ़ते की थकान महसूस नहीं होती। नीचे से मंदिर तक आराम से चढ़ने पर करीबन 45 से 60 मिनट का समय लगता है। वापस उतरने में करीब 20-25 मिनट लगते हैं। पहाड़ पर होने से वर्तमान में बिजली तथा पानी की सुविधा नहीं है। मंदिर के साथ ही एक बड़ा पक्का कमरा है तथा एक चबूतरा है। आसपास के सभी गांवों के लोगों की माताजी पर अटूट श्रद्धा है।

विशेष आयोजन

नवरात्र में नवमी के दिन यहाँ मेले का आयोजन होता है तथा सभी गाँव के लोग यहाँ सामूहिक प्रसाद (भोजन) ग्रहण करते हैं। इस दिन गाँववाले टेम्परेरी नीचे से बिजली का तार लगाकर मंदिर में लाइट का प्रबंध करते हैं। दो खुली बगैर चौखट-दरवाजे की खिड़की बनी हैं। उसमें से छोटे नवजात बच्चों को लाकर माताजी के सामने लेटाया जाता है। भोपाजी ताराजी वृद्ध पंडितजी पूजा करते हैं। गाँव के लोग व बच्चों का सहयोग सराहनीय है।

कैसे पहुंचें

मंदिर चित्तौड़गढ़-उदयपुर 4 लेन नेशनल हाईवे पर चित्तौड़गढ़ से करीबन 70 किमी की दूरी पर है। रतलाम-नीमच की तरफ से आते वक्त निम्बाहेड़ा स्टेशन से नेशनल हाईवे का रास्ता है। यहाँ से करीब 60 किमी की दूरी पर है।

समीपस्थ दर्शनीय स्थल

निम्बाहेड़ा के तथा चित्तौड़गढ़ से माताजी के रास्ते में सांवरिया सेठ (श्रीकृष्णजी) का भव्य अति सुंदर दर्शनीय मंदिर आता है। यहाँ बड़ी-बड़ी धर्मशाला तथा सभी सुविधाएँ हैं। यहाँ से भगवान का दर्शन कर पीर की चौकी से कानड़खेड़ा गाँव जाना चाहिए। वापसी में रास्ते में शनिदेवजी का काफी बड़ा जाग्रत मंदिर दर्शनीय है। कानड़ खेड़ा से 2 किमी पर ताना गाँव है। यहाँ एक सोमानी परिवार श्री मांगीलाल सोमानी का घर है। ताना गाँव से भी मंदिर जा सकते हैं। श्री मांगीलालजी तथा उनका परिवार बड़ा ही स्नेही, मिलनसार तथा सहयोगी है। अभी तक हजारों सोमानी परिवार ने माताजी के दर्शन किए।

कानड़खेड़ा में सहायता के लिए शंकरजी लौहार का फोन नं. 04176-283662 तथा शंकर तेजी फोन नं. 2553003 से भी संपर्क कर सकते हैं।

कुलदेवी माताजी की फोटो या
जानकारी हेतु सम्पर्क कर सकते हैं।
द्वारका परसराम सोमानी, नागपुर
मो. 8788718195, 7122523535, 9323155109

महासभा के वृंदावन समागम की तैयारी

दो दिवसीय आयोजन में कार्यसमिति व कार्यकारी मंडल की होगी बैठक, समितियों को गति देने के साथ संविधान में आंशिक सुधार की तैयारी

वृंदावन. अभा माहेश्वरी महासभा अपने 28वें सत्र की तृतीय कार्यसमिति तथा प्रथम कार्यकारी मंडल की बैठक का आयोजन आगामी 19 व 20 अगस्त को कर रही है। ''वृंदावन समागम'' के रूप में इस अवसर पर अभा महिला व युवा संगठन की बैठक भी आयोजित होगी। इसके साथ तीनों संगठन सामंजस्य के द्वारा सेवा गतिविधियाँ आयोजित करने की रूपरेखा तय करेंगे।

महासभा की 28वे सत्र की प्रथम कार्यकारी मंडल व 3री कार्यसमिति बैठक के आयोजन व राष्ट्रीय युवा संगठन तथा महिला संगठन की संयुक्त बैठक एवं महाअधिवेशन की तैयारियों को दृष्टिगत करते हुए आयोजक मंडल व महासभा के शीर्षस्थ पदाधिकारियों के मध्य बैठक आहूत की गई। इसमें महासभा के महामंत्री संदीप काबरा, संगठन मंत्री व आयोजन के मुख्य संयोजक अजय काबरा व उत्तरांचल उपाध्यक्ष अशोक सोमानी व संयुक्त मंत्री श्री परतानी के अतिरिक्त आयोजक उत्तरांचल प्रदेशों के प्रमुख पदाधिकारी व आयोजन के स्वागताध्यक्ष श्री चांडक दिल्ली व राधाकिशन सोमानी मौजूद थे। प्रमुख रूप से आगामी आयोजन के संदर्भ में की जाने वाले तैयारियों की समीक्षा, आयोजक मंडल के लिये विभिन्न आयोजन समितियों के निर्माण, अन्य व्यवस्थाओं, प्रचार-प्रसार के लिये चर्चा की गई। महामंत्री संदीप काबरा द्वारा समीक्षा के दौरान आयोजकों को व्यवस्था में उच्च मापदंडों को सादगी के साथ अपनाने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर मुख्य संपर्क सूत्र लोकेंद्र करवा द्वारा सभी व्यवस्थाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। विभिन्न चर्चाओं के उपरांत निर्णय हुआ कि आयोजन को भव्य व सफलतम बनाने हेतु उत्तरांचल के सभी राज्यों द्वारा पूर्ण व्यवस्थित प्रयास किये जाएं। मुख्य उपस्थितों में मध्य यूपी से गोपालदास लोया, चंद्रप्रकाश सोमानी, केदारनाथ चांडक कानपुर, पूर्वी यूपी से विनोद माहेश्वरी, शंकरलाल सोमानी वाराणसी, वीरेंद्र भुराड़िया वाराणसी, पश्चिमी यूपी से राकेश मोहता, कमलेंद्र माहेश्वरी, विनीत केला, संजीव सारड़ा, दिल्ली से श्री तापड़िया, प्रकाश साबू तथा पंजाब-हरियाणा से श्री पसारी, फरीदाबाद से सुशील नेवर, श्री बियानी व श्री मालू मौजूद थे।

वृहद रूप में सामंजस्य की नई तैयारी

इस आयोजन में उत्तरांचल के सभी 5 राज्य दिल्ली, मध्य उत्तरप्रदेश, पूर्वी उत्तरप्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पंजाब-हरियाणा प्रदेश द्वारा संयुक्त आयोजक की भूमिका निभाई जा रही है। महासभा की दोनों भुजाओं युवा व महिला संगठन के साथ वृहद आयोजन किया जा रहा है। इस बैठक में महासभा के सदस्यों के साथ ही महिला संगठन व युवा संगठन के सदस्य भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे। इनमें देश के विभिन्न भागों के साथ ही पाकिस्तान, भूटान, नेपाल आदि देशों से भी प्रतिनिधि शामिल होंगे। मुख्य वक्ता के रूप में सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त मुख्य आरसी लाहोटी मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। तीनों संगठन का यह सामूहिक आयोजन समन्वय की नई परम्परा का सूत्रपात करेगा।

सुविधाजनक व्यवस्था तैयार

इस बैठक में शामिल होने वाले सदस्य-सदस्याओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिये विभिन्न समितियाँ बनाकर व्यापक व्यवस्था की गई है। संगठन मंत्री व मुख्य संयोजक अजय काबरा ने बताया कि आगंतुकों के आवास व भोजन की स्तरीय व्यवस्था की गई है। सदस्यों के ठहरने के लिये विभिन्न भवनों में लगभग 375 कमरों की व्यवस्था की गई। पूर्व सूचना पर व्यवस्था तय होगी। तत्काल पंजीयन से भी व्यवस्था तय की जाएगी।

क्या रहेगा बैठक का कार्यक्रम

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के 28वें सत्र की तृतीय कार्यसमिति बैठक व प्रथम कार्यकारी मंडल अधिवेशन भगवान श्रीकृष्ण की लीलास्थली वृन्दावन में 19 व 20 अगस्त को होगा। इसके अंतर्गत कार्यसमिति की बैठक 19 अगस्त प्रातः 09 बजे से आयोजित होगी। कार्यकारी मंडल अधिवेशन 20 अगस्त प्रातः 09 बजे से होगा। बैठक शांति सेवा धाम, वृंदावन रोड, वृंदावन में होगी। इसके अंतर्गत 18 अगस्त को शमा 4 बजे से महासभा पदिधकारी, केंद्रीय चुनाव समिति, विधान संशोधन समिति एवं परामर्श समिति, व्यवस्था आयोजन संबंधी कार्यकर्ताओं तथा समन्वय समिति की बैठक आयोजित होगी। अगले दिन प्रातः 8.30 बजे महासभा, युवा संगठन एवं महिला संगठन के वर्तमान व पूर्व अध्यक्षों की सामूहिक चिंतन बैठक व पंजीयन अल्पाहार होगा। प्रातः 11 बजे से महासभा कार्यसमिति की बैठक प्रारंभ होगी। दोपहर 2 से 2.45 तक भोजन अवकाश रहेगा। 2.45 से पुनः बैठक प्रारंभ होकर शाम 6.30 बजे बैठक समापन होगी। फिर माहेश्वरी बोर्ड, जाजू ट्रस्ट व विभिन्न न्यासों की बैठक के साथ आंचलिक पदाधिकारियों द्वारा अंचलों तथा विभिन्न समितियों द्वारा अपनी बैठक का आयोजन किया जाएगा। 20 अगस्त को प्रातः 10 बजे से महासभा कार्यकारी मंडल की बैठक शुरू होगी जो दोपहर भोजनावकाश के बाद शाम 6.30 बजे तक चलेगी। बैठक की विषय सूची सदस्यों को यथा समय प्रेषित कर दी जाएगी।

किनसे करें संपर्क

इस संपूर्ण आयोजन की व्यवस्था को लेकर संयोजक व राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री अजय काबरा, समन्वयक उपसभापति उत्तरांचल अशोक सोमानी, स्वागाध्यक्ष डॉ. एमएन चाँडक, कौशल किशोर पल्तानी व लोकेंद्र करवा से सम्पर्क किया जा सकता है। सदस्य असुविधा से बचने के लिये आगमन की पूर्व सूचना अवश्य दें।

पश्चिमी म.प्र. सभा की बैठक सम्पन्न

बैठक में लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णय-परिचय दर्पण के प्रकाशन की भी तैयारी

उज्जैन. पश्चिमी मप्र माहेश्वरी सभा की बैठक गत 16 जुलाई को रूनीजा जिला उज्जैन में सम्पन्न हुई। इस बैठक में नियमित कार्यवाही के साथ कई महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए। बैठक की अध्यक्षता प्रदेशाध्यक्ष राजेंद्र ईनाणी ने की। मानद मंत्री पुष्पकुमार माहेश्वरी ने बताया कि बैठक में प्रादेशिक सभा के सदस्यों की परिचय दर्पण पत्रिका का प्रकाशन 30 अगस्त 2017 तक किया जाना निश्चित किया है। इस हेतु चंद्रप्रकाश हेड़ा इंदौर एवं लक्ष्मीनारायण मूंदड़ा, उज्जैन को प्रभारी बनाया गया है। इस पत्रिका में जिला सभा की पूर्ण जानकारी प्रकाशित होगी। इंदौर जिला माहेश्वरी समाज के 2 कार्यसमिति सदस्य का निर्वाचन 3 सितंबर को इंदौर में होगा। उक्त निर्वाचन में प्रत्याशी सिर्फ इंदौर जिला माहेश्वरी समाज का प्रतिभागी होगा। मतदाता सूची का प्रकाशन 25 जुलाई से 31 जुलाई तक प्रदेश व इंदौर जिल सभा के कार्यालय पर देखी जा सकेगी। इस अवसर पर आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक सर्वे फॉर्म सदस्यों से भरवाकर अतिशीघ्र भेजने की अपील की गई।

जो पदाधिकारी अध्यक्ष, मंत्री, कार्यसमिति सदस्य व्हाट्सअप से नहीं जुड़े हैं, उन्हें या उनके परिवार में से किसी को भी उसमें जोड़ने की अपील की गई। इस बैठक में जिलाध्यक्ष वासुदेव काबरा एवं पदाधिकरीगण उपस्थित थे।

बिजनेस डायरेक्टरी के साथ जीएसटी पर सेमिनार

रायपुर. जिला माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा जिले की प्रथम बिजनेस डायरेक्टरी व्यापार दर्पण का विमोचन एवं जीएसटी पर सेमिनार का आयोजन गत दिनों वृंदावन हॉल, सिविल लाईन, रायपुर में किया गया। वक्ता सीए एसजे काकाणी द्वारा बहुत सरल ढंग से जीएसटी पर विस्तृत जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि बृजमोनह अग्रवाल व विशेष अतिथि संजय श्रीवास्तव थे। रायपुर जिला माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष हरीश बजाज द्वारा सभी का स्वागत किया गया। सचिव संजय हरिनारायण मोहता द्वारा इस डायरेक्टरी के प्रकाशन पर सभी सहयोगकर्ताओं व संयोजकों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। डायरेक्टरी के मुख्य संयोजक प्रसन्न प्रेमकिशोर गट्टानी एवं सहसंयोजक आशीष राठी, रवि चांडक व अंशुल बिड़ला थे। अध्यक्ष हरीश बजाज व पूरी टीम द्वारा कोपिन फ्रीजर दान करने का संकल्प लिया गया। प्रदेश सभा अध्यक्ष विट्ठल भूतड़ा, प्रदेश महामंत्री नारायण राठी, विजय दम्मानी, जगदीश झँवर, आशीष राठी, हेमंत तोतला, प्रकाश लड्ढा, डॉ. सतीश राठी आदि का सहयोग रहा।

> *जरूरी नहीं है कि कुछ तोड़ने के लिए पत्थर ही मारा जाए, अंदाज बदल के बोलने से भी बहुत कुछ टूट जाता है...*

सावन महोत्सव का हुआ आयोजन

भीलवाड़ा. आरकेआरसी माहेश्वरी महिला मंडल के तत्वावधान में अध्यक्ष वंदना नुवाल एवं सचिव इंद्रा हेड़ा के नेतृत्व में रिमझिम फुहारों के साथ सावन महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत झूले के भजनों से की गई। सभी सदस्याओं ने सावन की प्रतीक हरे रंग की साड़ी पहनकर सावन महोतसव कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के तहत विभिन्न सामूहिक गेम खेले गये। इसी क्रम में सदस्याओं द्वारा सावन आधारित गीतों पर अंताक्षरी व नृत्य प्रस्तुत किये गये।

युवा संगठन ने जगाया पर्यावरण संरक्षण का अलख

कोटा. अखिल भारतीय माहेश्वरी युवा संगठन के द्वादश सत्र की प्रथम कार्यसमिति बैठक गत 14 मई 2017 को हुई। इसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या ने सभी युवाओं से अपील की कि विश्व पर्यावरण दिवस 05 जून को पर्यावरण संरक्षण के अंतर्गत पौधारोपण के लिये विशेष जनचेतना का आह्वान करें। अपने गृह नगर, शहर, कस्बे, गाँव इत्यादि में किसी भी सुरक्षित स्थान यथा भवन, धर्मशाला, स्कूल, कॉलेज, उद्यान आदि स्थलों पर एकत्रित होकर पौधारोपण के विशेष कार्यक्रम आयोजित किये जाएँ। प्रत्येक युवा साथी इस अभियान का प्रचार अपने निकटस्थ क्षेत्रों में निवासरत समाज संगठनों में कर उनको इस वैश्विक चेतना विषय पर अपना सहयोग करने के लिए प्रेरित करें।

अभा माहेश्वरी युवा संगठन ने पर्यावरण संरक्षण को संगठन के प्रमुख उद्देश्यों में शामिल किया है। इसके अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर संगठन द्वारा संपूर्ण समाज को पौधारोपण के लिये प्रेरित किया। उनके इन प्रयासों से देश के कोन-कोने में एक लाख से अधिक पौधों का रोपण हुआ।

संकल्प के लिये हुई तैयारी

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री काल्या, महामंत्री प्रवीण सोमानी, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव चांडक एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री दीपक चांडक ने अल्प समय में संपूर्ण राष्ट्र में पौधारोपण की विशेष कार्ययोजना को मूर्तरूप दिया। इस प्रकल्प को मूर्तरूप देने के लिये संपूर्ण भारत वर्ष से युवा साथी आगे आए, पूर्व मप्र अध्यक्ष उत्तम चांडक को राष्ट्रीय प्रभार दिया गया। आंचलिक प्रभारी के रूप में राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री अनंत समदानी को पश्चिमांचल, मधुसूदन मालू को दक्षिणांचल, अवधेश लड्ढा एवं हर्षवर्धन माहेश्वरी को उत्तरांचल, रामजी सोमानी को मध्यांचल तथा मनोज चांडक को पूर्वांचल का दायित्व दिया गया। राष्ट्रीय संकल्प ने प्रकल्प को अद्वितीय स्वरूप देते हुए अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण प्रभारी भी नियुक्त किये। अरुण मूंदड़ा, विनम्र माहेवरी, अनुपा माहेश्वरी एवं अंकिता माहेश्वरी को यूएसए का प्रभारी बनाया गया। अनिल सोमानी को अफ्रीका, रघुनंदन झँवर एवं अभिषेक कोठारी को चीन, नितिन सारडा को संयुक्त अरब अमीरात एवं अंकित बिझानी को सिंगापुर प्रभारी बनाया गया।

प्रदेशों को भी सौंपी जिम्मेदारी

राष्ट्रीय संगठन द्वारा प्रत्येक प्रदेश से भी प्रभारी नियुक्त किए गए। संदीप सोनी को उदयपुर प्रदेश, योगेश सामरिया को कोटा प्रदेश, राजेश मंत्री को जोधपुर, अभिषेक परवाल एवं नवनीत राठी को पूर्वी मप्र, राजेश राठी एवं राजेश गांधी को छग, कैलाश बाहेती एवं युगल दाड़ को पश्चिम मप्र, श्रीनिवास मोहता को विदर्भ, कृष्णा रांदड को मुंबई प्रदेश, प्रीतम लाठी को महाराष्ट्र प्रदेश, सुशील करनानी को उत्कल प्रदेश, दिनेश बंग को आंध्रप्रदेश, भरत बजाज को कर्नाटक प्रदेश, जुगलकिशोर राठी को तमिलनाडु प्रदेश एवं अनुराग झँवर को पंजाब-हरियाणा-जम्मू कश्मीर प्रदेश की जिम्मेदारी सौंपी गई।

प्रोत्साहन की भी योजना

पौधारोपण के साथ संरक्षण की ओर भी कार्य हो, इस हेतु राष्ट्रीय संगठन द्वारा सर्वाधिक पौधारोपण एवं सर्वश्रेष्ठ पौधा संरक्षण हेतु प्रतियोगिता भी रखी गई। जो भी जिला या स्थानीय ईकाई उस स्थान का पौधारोपण करने के पूर्व, पौधा लगाने की फोटो एवं पौधा खरीदने के प्रमाण स्वरूप जानकारी प्रस्तुत करेगा, उसे सर्वाधिक पौधारोपण का पुरस्कार दिया जाएगा। जो भी जिला अथवा स्थानीय इकाई लगाए गए पौधों में से सर्वाधिक पौधों को एक वर्ष तक संरक्षित रखेगी उसे पुरस्कृत किया जाएगा। इस हेतु ईकाई को प्रति तीन माह में पौधारोपण स्थान की फोटो भेजनी होगी। इसकी पर्यावरणविद की पैनल से समीक्षा उपरांत निर्णय लिया जाएगा।

असंभव भी हुआ संभव

कोटा बैठक में लिये गये निर्णय अनुसार एक लाख पौधों का लक्ष्य असंभव प्रतीत हो रहा था। लेकिन युवा संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता के अथक एवं सतत प्रयास ने न केवल इस आंकड़े को प्राप्त कर लिया अपितु यह प्रकल्प एक सतत प्रकल्प के रूप में अग्रसर है एवं संपूर्ण वर्षा ऋतु में पौधारोपण एवं उसके संरक्षण की कार्रवाई की जा रही है। राष्ट्रीय प्रभारी उत्तम चांडक ने सफल आयोजन हेतु राष्ट्रीय संगठन, समस्त अंतरराष्ट्रीय तथा आंचलिक प्रभारी, प्रत्येक प्रदेश के प्रदेश संयोजक, प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश मंत्री तथा जिलास्तर पर आयोजन को मूर्तरूप देने वाले स्थानीय कार्यकर्ताओं को साधुवाद प्रेषित करते हुए आह्वान किया है कि इस प्रकल्प को स्थायी स्वरूप देते हुए आगे कार्य करना है।

श्री माहेश्वरी टाईम्स के तत्वावधान में पौधारोपण

भीलवाड़ा. 19 जून को स्मृति वन के पास स्थित रामेश्वरम भवन में विशाल पौधारोपण कार्यक्रम माहेश्वरी टाईम्स के तत्वावधान व पर्यावरणविद् व पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू के सान्निध्य में किया गया। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के पूर्व उपाध्यक्ष आरएल नौलखा, महासभा कार्यसमिति सदस्य एसएन मोदानी, दक्षिणांचल प्रादेशिक सभाध्यक्ष कैलाशचंद्र कोठारी, पश्चिमांचल माहेश्वरी महिला सभा उपाध्यक्ष ममता मोदानी, जिला माहेश्वरी सभाध्यक्ष दीनदयाल मारू, नगर माहेश्वरी सभाध्यक्ष केदारमल जागेटिया के आतिथ्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पूर्व सभापति नगर परिषद ओमप्रकाश नरानीवाल, जिला मंत्री देवेंद्रकुमार सोमानी, रामेश्वरम भवन निर्माण समिति सचिव राजेंद्रप्रसाद बिरला, नगर मंत्री केदार गगरानी, प्रदेश कोषाध्यक्ष सुरेश कचोलिया, जिला महिला संगठन की मंत्री सीमा कोगटा, जिला माहेश्वरी युवा अध्यक्ष क्षितिज सोमानी, रामेश्वरलाल काबरा, भेरूलाल काबरा, सत्यनारायण मुंदड़ा, फतेहलाल जैथलिया सहित अनेक समाजजन मौजूद थे। माहेश्वरी टाईम्स के प्रतिनिधि शंकर सोनी ने सभी का आभार माना।

जय महेश

भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी सभा, भीलवाड़ा

कार्यालय एफ 10 इंद्रप्रस्थ टॉवर, शाम की सब्जी मंडी, भीलवाड़ा-311001 (राज.) फोन नं. 01482-221010

महेश नवमी महोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएँ

सम्मानीय माहेश्वरी सदस्यगण

महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ निवेदन है कि महासभा द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करवाने में अपनी भागीदारी निभावें, ताकि समाज का उत्थान हो सकें।

दीनदयाल मारू
अध्यक्ष
मो. 9461511511

मुरलीधर काबरा
वरिष्ठ उपाध्यक्ष (कोटड़ी)

सत्यनारायण मंडोवरा
उपाध्यक्ष (मांडल)

राजेश बाहेती
उपाध्यक्ष

देवेंद्र सोमानी
मंत्री
मो. 9414029356

रमेशचंद्र राठी
अर्थ मंत्री

कमलकुमार बांगड़
संगठन मंत्री
(जहाजपुर)

शंकरलाल गग्गड़
संयुक्त मंत्री
(रायला)

कृष्णगोपाल सोनी
संयुक्त मंत्री
(नीम का खेड़ा)

लोकेश आगल
संयुक्त मंत्री

राजेंद्रकुमार भदादा
कार्यालय मंत्री

कार्यसमिति सदस्य- श्यामसुंदर सोमानी, जमनालाल बांगड़, श्यामसुंदर समदानी, ओमप्रकाश गंदोड़िया, छीतरमल बाहेती, मनोहरलाल अजमेरा, श्याम बिड़ला, जगदीशचंद्र नराणीवाल, रामगोपाल लड्ढा, सत्यनारायण काष्ट, राधेश्याम नौलखा, चतुर्भुज ईनाणी, जगदीशप्रसाद झँवर, रतनलाल सोनी, कैलाश कोठारी (कोटूकोटा), रतनलाल सोमानी, मुकेशकुमार आगाल, रामराय सेठिया, बालूराम देवपुरा, कैलाशचंद्र सोमानी। विशेष आमंत्रित सदस्य- गोवर्धनलाल डाड, रामचंद्र लड्ढा, लादूराम गगरानी, रामस्वरूप तोषनीवाल। समस्त तहसील माहेश्वरी सभाएँ- भीलवाड़ा नगर, मांडल, मांडलगढ़, हुरड़ा, शाहपुरा, भीलवाड़ा ग्रामीण, कोटड़ी, जहाजपुर, बनेड़ा, गंगापुर, रायपुर, आसीन्द एवं समस्त कार्यकारीण मंडल सदस्यगण।

महासभा पहुँची समाजजनों के द्वार

महासभा के संगठन मंत्री अजय काबरा ने किया महाराष्ट्र प्रदेश का भ्रमण

वर्धा. अभा माहेश्वरी महासभा के सभापति श्यामसुंदर सोनी की इच्छानुसार गत 10 से 12 जुलाई तक राष्ट्रीय संगठन मंत्री अजय काबरा महाराष्ट्र प्रदेश का भ्रमण किया। इसमें उनके साथ महाराष्ट्र प्रदेश सभा अध्यक्ष्य और विदर्भ प्रादेशिक सभा अध्यक्ष मदनलाल मालपाणी भी उपस्थित रहे।

प्रथम दिवस इस पूरे भ्रमण में महासभा की नई विचारधारा अनुसार स्वागत सत्कार शॉल, श्रीफल इन्हें दूर रखा गया। भ्रमण की शुरुआत 10 जुलाई को विदर्भ प्रदेश के वर्धा से हुई। माहेश्वरी भवन में समाज बंधुओं से चर्चा तथा जानकारी का आदान-प्रदान हुआ। इस अवसर पर वर्धा के डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर श्री नुवाल भी उपस्थित थे। वर्धा से सभी लोग पुलगांव सज्जनबाबू मेहता परिवार से मिलकर यवतमाल पहुंचे। यहां से समाज बंधुओं ने संगठन से अपनी अपेक्षा तथा व्यवस्थाओं को स्पष्ट रूप से रखा, जिनका समाधान किया गया। इसके पश्चात कारंजा में महेश भवन में कार्यकर्ताओं के साथ सकारात्मक चर्चा पश्चात भोजन हुआ। रात विश्राम हेतु वाशिम पहुंचे।

द्वितीय दिवस महेश भवन में बहुत ही सुंदर रूप से आयोजित बैठक में बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित थे। विदर्भ प्रादेशिक अध्यक्ष मदनलाल मालपाणी के आतिथ्य के पश्चात महाराष्ट्र प्रदेश सभा के संगठन मंत्री ब्रजगोपाल तोषनीवाल तथा संयुक्त मंत्री रांदड़ के साथ हिंगोली में बैठक संपन्न हुई। छोटे-छोटे ग्राम से भी समाजजन उपस्थित थे। देरशाम को अंतिम बैठक परभणी शहर में हुई। इसमें प्रांतीय उपाध्यक्ष चिरंजीलाल दागड़िया, महासभा कार्यकारणी मंडल सदस्य अशोक सोनी, डॉ. विवेक नावंदर, किशोर मंत्री आदि मौजूद थे। समाज की नई उभरती समस्याओं पर महामंथन हुआ। रात देर तक चली बैठक पश्चात भोजन तथा विश्राम परभणी में हुआ।

तृतीय दिवस भ्रमण के तीसरे और अंतिम दिन की शुरुआत बहुत जल्द हुई। सुबह 7.45 बजे परभणी जिला सभा के नवस्थापित कार्यालय भ्रमण किया। तत्पश्चात बीड़ जिले की ओर प्रस्थान हुआ। रास्ते में मानवत शहर में रमेश काबरा परिवार के चायपान तथा तालुका कार्यकर्ताओं से बातचीत पश्चात माजलगांव में बीड़ जिलाध्यक्ष गोविंद बजाज के साथ समाजबंधुओं से मुलाकात हुई। महिला सदस्यों द्वारा बहुत अच्छे सुझाव दिए गए। तत्पश्चात काफिला बीड़ शहर पहुंचा। कार्यसमिति सदस्य तथा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सत्यनारायण लाहोटी परिवार के साथ आतिथ्य का लाभ लेकर राजस्थानी विद्यालय में समाजजनों के साथ वार्तालाप हुआ। बीड़ बैठक पश्चात तुरंत जालना जिले की ओर प्रयाण किया गया। ढलती शाम में गेवराई से समाजबंधुओं की विदाई लेकर हलके बूंदाबांदी के बीच जालना पहुंचे। समाज के 50 युवाओं ने महाराष्ट्र के संस्कृति में अलग छाप रखने वाले ढोल-पथक की स्थापना की। महासभा संगठन मंत्री के हाथों जय महेश गर्जना ढोल पथक का उद्घाटन हुआ। महेश भवन के सामने ही खुले प्रांगण में यह कार्यक्रम होने के पश्चात महेश भवन में काफी संख्या में उपस्थित समाजजन से वार्तालाप हुआ। इस तरह 3 दिन में 11 जगहों पर समाजबंधुओं से भेंट सहित यह सिलसिला समाप्त हुआ।

अंतराष्ट्रीय योग दिवस का हुआ आयोजन

गुलाबपुरा (भीलवाड़ा). अभा माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा विश्व योग दिवस के अवसर पर समस्त अंचल व स्थानीय संगठनों के सहयोग से देशभर में 200 से अधिक योग शिविरों का आयोजन किया गया। महामंत्री प्रवीण सोमानी ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या के नेतृत्व में इनका आयोजन हुआ। आयोजन के राष्ट्रीय प्रभारी संदीप करनानी थे। आंचलिक प्रभारी के रूप में सर्वेश्वर खाबानी इचलकरंजी (दक्षिणांचल), जगदीश लड्ढा भीलवाड़ा (पश्चिमांचल), विकास माहेश्वरी बहादुरगढ़(उत्तरांचल), भरत तोतला इंदौर (मध्यांचल) व संदीप राठी गुवाहटी (पूर्वांचल) ने जिम्मेदारी संभाली।

> "इंसान विकलांग शरीर से नहीं होता है मन से होता है, अगर मन से विकलांग हो गया, तो हमेशा के लिए विकलांग हो गया?"

25 लाख रुद्राक्ष से निर्मित हुआ सवा 33 फीट ऊँचा महाशिवलिंग

जोधपुर. ओसिया कस्बे की पावन धरा पर 25 लाख रुद्राक्ष से निर्मित सवा तैंतीस फीट ऊँचे विश्व के सबसे ऊँचे अद्भुत महाशिवलिंग के हजारों श्रद्धालुओं ने दर्शन किये। शिव महापुराण कथा सावन के पवित्र माह के उपलक्ष्य में गुरु पूर्णिमा 09 जुलाई से शुरू होकर 17 जुलाई सोमवार तक चली। इस कार्यक्रम में रुद्राक्ष महाशिवलिंग दर्शन, शिव महापुराण कथा, समूह महारुद्राभिषेक, सामूहिक महारुद्राक्ष यज्ञ एवं महाआरती एवं विविध कार्यक्रम का भव्य आयोजन हुआ।

इस कार्यक्रम में मुख्य संयोजक सीए अरविंद मुकुंदचंद सोनी एवं शैलेष हरीश चांडक थे। इस कार्यक्रम में ओमप्रकाश सोनी, भंवरलाल सोनी, मुकुंदचंद सोनी, जेएम बूब, नारायण सोनी, किशनलाल धूत, रतनलाल डागा, कमलकिशोर चांडक, नंदकिशोर शाह, नंदकिशोर मूंदड़ा आदि मौजूद थे।

आयोजन समिति के रमेशकुमार सोनी तिवरी ने बताया कि रुद्राक्ष महाशिवलिंग महोत्सव कार्यक्रम गुरु पूर्णिमा को विशाल कावड़ यात्रा, कलश यात्रा, पौथी यात्रा एवं

शोभायात्रा से शुरू हुआ। इसमें जोधपुर जिले के 1151 पुरुष कावड़ बनकर तथा 551 महिलाएँ कलश में गंगाजल भरकर शामिल हुई। रुद्राक्षमहाशिवलिंग का अभिषेक किया गया। रुद्राक्ष महाशिवलिंग का अनावरण महाराजा गजसिंह के द्वारा हुआ। इसमें प्रतिदिन करीब 800 कपल समूह महारुद्राभिषेक महारुद्रयज्ञ पावन सान्निध्य पूज्य श्री पंकज भाई व्यास (भागवताचार्य) के सान्निध्य में करते थे।

10 जुलाई को भजन संध्या का आयोजन कृपाराम जी महाराज के द्वारा हुआ। 11 जुलाई को अलकाश्री जी के संगीतमय सुंदरकांड का विशेष आयोजन हुआ। 12 से 14 जुलाई तक महंत श्री रामप्रसाद महाराज के द्वारा नानीबाई का मायरा का आयोजन हुआ। 15 जुलाई को शिव बारात में विशेष झाँकियां शामिल हुईं। 15 तारीख को सायं मनीष भाई ओझा द्वारा भजन संध्या का भी आयोजन हुआ। इसमें विभिन्न संत महात्माओं खेड़ापा पीठाधीश्वर श्री 1008 श्री पुरुषोत्तम जी महाराज, राम कथा वाचक श्री मुरलीधर महाराज, श्री अजेश्वर आश्रम के संत श्री शांतेश्वर जी महाराज का आशीर्वाद भी प्राप्त हुआ।

स्मृति के पिता के हाथों विमोचन

सांगली. श्री माहेश्वरी टाईम्स के जुलाई अंक का विमोचन भारतीय महिला क्रिकेट टीम की होनहार खिलाड़ी स्मृति मानधना के पिता श्रीनिवास मानधना, माता स्मिता मानधना व श्री माहेश्वरी टाईम्स के प्रतिनिधि हेमेंद्र सोनी के हाथों हुआ। श्री मानधना ने चर्चा में श्री माहेश्वरी टाईम्स की सेवाओं की प्रशंसा भी की।

युवा मंच की कार्यकारिणी गठित

बरेली. गत 9 जुलाई को "जिला माहेश्वरी युवा मंच" बरेली की नई कार्यकारिणी का गठन और शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ। इसमें अध्यक्ष सौरभ माहेश्वरी, महामंत्री कुमार गौरव माहेश्वरी व कोषाध्यक्ष शैलेंद्र माहेश्वरी चुने गये। कार्यक्रम में विशेष अतिथि सुभाष बाहेती (बिल्सी), पीयूष माहेश्वरी (बदायूँ), अंशु माहेश्वरी (बरेली), कमलेंद्र माहेश्वरी (बरेली), शिवकुमार माहेश्वरी (बरेली) थे। युवा मंच के प्रदेशाध्यक्ष अंशु माहेश्वरी ने जिला माहेश्वरी युवा मंच बरेली की पूरी टीम को शपथ ग्रहण करवाई।

"जहां अपनी बात की कदर ना हो वहां चुप रहना ही बेहतर है।

जिन्दगी में परिस्थितियों का सामना करते हुए अपना 'अस्तित्व एवं व्यक्तित्व' बनाए रखना चाहिए।"

समाज पर लोमहर्षक हमला

जयपुर व इंदौर में दो समाजजनों की निर्मम हत्या

समाज पर बढ़ते हमलों की घटनाओं से वैसे ही समाज चिंतित है। गत दिनों हुई दो घटनाओं ने समाज की चिंता को आक्रोश में तब्दील कर दिया। समाज के आक्रोश को देखते हुए पुलिस सक्रिय हुई और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई प्रारंभ हुई।

श्री मुकुंद हुरकट, जयपुर

पहली घटना जयपुर में 16 जून को हुई। व्यापार-व्यवसाय में संलग्न श्री मुकुंद हुरकट का बिना कपड़ों की आधी कटी लाश कनकपुरा रेलवे स्टेशन के पास पटरियों पर पायी गयी। कहा जाता है कि एक एक्सपोर्ट हाउस के मैनेजर किसी राजेश शर्मा ने उन्हें हेराफेरी करने को उकसाया और अतिरिक्त कमाई में हिस्सेदारी की बात कही। मुकुंदजी द्वारा मना करने पर उन्हें धमकाया गया। कोरे चेक पर हस्ताक्षर करने और आरटीजीएस के माध्यम से नौ लाख रुपए देने को बाध्य किया गया। उन्हें सिविल लाइंस के पास स्थित एक एक्सपोर्ट हाउस के कार्यालय में बुरी तरह से मारा-पीटा गया था। शाम गए उनके घर से उनका अपहरण हुआ और अंततः हत्या कर शव को रेल पटरियों पर डाल दिया गया। माहेश्वरी समाज को जैसे ही इस दुःखद घटना की जानकारी हुई हजारों लोगों ने स्थानीय विद्याधर नगर थाने का घेराव किया गया। अपराधी द्वारा अपने रिश्ते मंत्री तक होने की धमकी के बावजूद समाज के दबाव के कारण उन्हें गिरफ्तार करना पड़ा। समाज के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के कारण प्रदेश मंत्री अरुण चतुर्वेदी, सांसद रामचरण और मेयर अशोक लाहोटी के आने के बाद ही पोस्टमार्टम किया गया। हुरकट परिवार ने 17 जून को एक्सपोर्ट कंपनी के विरुद्ध एफआईआर दाखिल की हैं, तबसे एक्सपोर्ट कंपनी के मालिक फरार थे। कहा जाता है कि राजनैतिक दबाव के चलते, पुलिस ने धारा 302 को बदल कर धारा 306 कर दिया था। समाजजन इस मुद्दे पर एकजुट हो गये और हत्यारों की गिरफ्तारी का पुलिस पर दबाव बनाया। अंततः फर्म के दो संचालकों को पुलिस को गिरफ्तार करना ही पड़ा।

श्री अतुल काकाणी, इंदौर

दूसरी घटना इंदौर की है। प्रसिद्ध समाजसेवी व किराना व्यापारी श्री जानकीलाल के पुत्र 23 जून को सिरपुर तालाब पर मॉर्निंग वॉक करते समय लुटेरों के हमले में गंभीर रूप से घायल, श्री अतुल काकाणी ने रविवार 25 जून को सुबह निजी अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। हमेशा के अनुसार श्री अतुल काकाणी सिरपुर तालाब पर घूमने गए थे। वहाँ उन्हें गुंड़ों ने घेर लिया और चाकू मारकर उनकी चेन छीन ली। घायल अवस्था में तीन दिन तक जिंदगी और मौत के बीच झूलते हुए आखिर रविवार सुबह दस बजे से मृत घोषित कर दिये गए। शव देख उनकी पत्नी प्रीति बेहोश हो गई। उनके बेटे हर्ष ने समाजजनों की बड़ी उपस्थिति के बीच मुखाग्नि दी। वे खुशमिजाज और वक्त के पाबंद थे। श्री काकाणी समाज के युगल्स ग्रुप के अध्यक्ष रह चुके थे। वे दोस्तों की मदद करने वाले के रूप में जाने जाते थे। पत्नी और बेटे के अलावा उनकी एक पुत्री रिया है। मार्च में उन्होंने शादी की सालगिरह मनाई थी। इस मुद्दे पर न सिर्फ माहेश्वरी समाज बल्कि इंदौर का व्यापारी वर्ग भी एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन में उतर आया। पुलिस ने आखिरकार सुराग के आधार पर चार हत्यारों को गिरफ्तार कर ही लिया। ये चारों आदतन अपराधी हैं। इनकी गिरफ्तारी के बाद नगर निगम ने भी इन्हें उजाड़ने में कोई कसर नहीं रख छोड़ी। इन गुंडों के साथ ही कई अन्य गुंडों द्वारा अवैधानिक रूप से बनाये गये मकान व दुकानों को भी निगम की जेसीबी ने तोड़कर साफ कर दिया।

दीनदयाल मारू बने जिलाध्यक्ष

भीलवाड़ा. जिला माहेश्वरी सभा के जिलाध्यक्ष पद चुनाव में शाहपुरा के दीनदयाल मारू निर्विरोध निर्वाचित हुए। चुनाव अधिकारी नारायण जागेटिया ने उन्हें पद की शपथ दिलवाई। बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुरलीधर काबरा (कोटड़ी) एवं उपाध्यक्ष पद पर राजेश बाहेती को मनोनीत किया गया। महासभा के पूर्व सभापति रामपाल सोनी, निवर्तमान उपसभापति (पश्चिमांचल) महासभा आरएल नौलखा, वर्तमान उपसभापति (पश्चिमांचल) देवकरण गग्गड़, प्रदेशाध्यक्ष कैलाश कोठारी ने भी विचार व्यक्त किए।

"'जिन्दगी' में कई बार हार इसलिए भी जरूरी होती है ताकि हमें पता चल सके कि हमने कौन कौन सी गलतफ़हमियाँ पाल ली थीं? 'सहनशील बनिए'"

महिला संगठन ने प्रारंभ की सेवा यात्रा

अध्यक्ष गगडानी के नेतृत्व में तीन महीनों में चला सेवा का सतत कारवां

दिल्ली. अभा माहेश्वरी महिला संगठन राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगडानी के सेवा के संकल्प के अनुरूप सतत सेवारत है। गत 3 माह के इस नव सत्र में कई सेवा गतिविधियाँ आयोजित हुईं। गत 21 व 22 जून को महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन की द्वितीय कार्यसमिति की बैठक महाराष्ट्र के सातारा जिले में आयोजित हुई। 2 दिवसीय इस बैठक में प्रभावी लालन पालन पर श्रीमती गगडानी ने सारगर्भित उद्बोधन दिया। 2 घंटे के अपने इस उद्बोधन में इस आज के इस युग में बच्चे और पालक का आपसी तालमेल कैसा हो? इस पर प्रभावी विचार रखे। अवध नगरी लखनऊ में अभा माहेश्वरी महिला संगठन उत्तरांचल की बैठक में 1 जुलाई को एक दिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। उत्तरांचल का यह शिविर राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगडानी, राष्ट्रीय समिति प्रभारी प्रमुख शोभा सादानी, संगठन मंत्री मंजू बांगड़ व महासभा संगठन मंत्री अजय काबरा के नेतृत्व में उत्तरांचल उपाध्यक्ष कांता गगरानी व सहमंत्री शर्मिला राठी के सान्निध्य व पूर्वी उप्र अध्यक्ष शशि नेवर व सचिव उषा झँवर के आतिथ्य में सौहार्द्रपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ।

सिखाए नेतृत्व के गुर

श्रीमती गगडानी ने इस कार्यकर्ता शिविर में महिला संगठन की सभी 11 समितियों के कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। शोभा सादानी एवं अजय काबरा ने भी सभा को संबोधित किया। सुकीर्ति प्रभारी सोनाली मूंधड़ा ने कोलकाता में 16 से 20 दिसंबर तक होने वाले खेल महोत्सव के बारे में विस्तृत जानकारी दी। सुदर्शन ब्रज मंडल यात्रा के बारे में उत्तरांचल उपाध्यक्ष कांता गगरानी ने जानकारी दी।

पूर्वा-पूरवैया का हुआ आयोजन

अभा मा. महिला संगठन के अंतर्गत पूर्वांचल के जगन्नाथ पुरी धाम में पूर्वा पूरवैया 2017 बैठक का आयोजन 6-7 जुलाई को सफलतापूर्वक हुआ। राष्ट्रीय समिति प्रभारी प्रमुख शोभा सादानी, सरला काबरा (पूर्वांचल उपाध्यक्ष) व पूर्वांचल सहमंत्री मंजू कोठारी के मार्गदर्शन में ओडीशा प्रादेशिक महिला संगठन द्वारा आयोजित इस बैठक के उद्घाटन सत्र में कमला गांधी ने महिला सशक्तिकरण पर अपने ओजस्वी भाषण दिये। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती गगडानी व पूर्व अध्यक्ष सुशीला काबरा ने प्रोटोकॉल, आचार संहिता, राष्ट्रीय, प्रादेशिक, जिला, आंचलिक स्तर के कार्यक्रमों की रूपरेखा, रिपोर्टिंग का स्वरूप आदि की जानकारी दी।

विचार-विमर्श व शंका समाधान

अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा 15-16 जुलाई 2017 को पूर्वी मप्र व भोपाल जिला महिला संगठन व क्षेत्रीय महिला संगठन के तत्वावधान में द्वितीय कार्यसमिति बैठक का आयोजन भोपाल में किया गया। इसमें महिला संगठन के विभिन्न आयोजन एवं कार्यों पर विस्तृत चर्चा हुईं। सदस्यों की विविध शंकाओं का समाधान, राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों ने किया। महिला समिति की योजनाओं को सुचारु रूप से कार्यान्वित कैसे करें, इसकी विस्तृत जानकारी दी गई। सितंबर में आयोजित बृज यात्रा पर एवं दिसंबर में होने वाले खेलकूद महोत्सव, औद्योगिक मेले पर विस्तृत जानकारी कांता गगडानी एवं विभा राठी ने दी। 16 जुलाई को उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती गगडानी ने अपने भाषण में कहा कि समय बदल रहा है। विश्व में हो रहे इस बदलाव को आज ही पहचान कर हमें अपने व्यवसाय में बदलाव करने होंगे। भोपाल जिला सभा के अध्यक्ष श्याम बांगड़, उनकी पूरी कार्यकारिणी, प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा झँवर, सचिव अनीता जावंधिया, भोपाल जिलाध्यक्ष रंजन बाहेती, जिला सचिव जयश्री बजाज सहित समस्त सदस्याएँ उपस्थित थीं।

> "बात करने का मजा तो उन लोगों के साथ आता है.... जिनके साथ बोलने से पहले कुछ सोचना न पड़े..."

तीज का सिंजारा का किया आयोजन

हैदराबाद. माहेश्वरी सखियाँ, लिंगमपल्ली हैदराबाद द्वारा सुंदरकांड और तीज का सिंजारा उत्सव का आयोजन गत 23 जुलाई को किया गया। कार्यक्रम की संयोजिका सुनीता मंत्री ने सभी का स्वागत किया। इसमें चंद्रकांता मंत्री, सुनीता मंत्री, ममता सोनी, ज्योति दरक, पूनम बाहेती, सविता मूंदड़ा, राधिका सोमानी, रुचिरा सोनी, अर्चना लाहोटी, राधिका बाहेती, सुनीता मूंदड़ा आदि का विशेष सहयोग रहा। जानकारी मंत्री सुनीता मंत्री ने दी।

राजस्थान बुक ऑफ रिकॉर्ड्स से महारुद्राभिषेक समिति सम्मानित

ओसियां. राजस्थान के जोधपुर के ओसियां कस्बे में विश्व का सबसे अनूठा और ऊँचा शिवलिंग बना। यह शिवलिंग रुद्राक्ष का था। राजस्थान बुक ऑफ रिकॉर्ड्स राजस्थान समिति संयोजक विकास चांडक ने कहा कि इस अवसर पर हमारी राजस्थान बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की टीम ने रुद्राक्ष से बने शिवलिंग का निरीक्षण कर आयोजन समिति को सम्मानित किया। समिति सलाहकार घेवरचंद सारस्वत ने मंच से महारुद्राभिषेक में यज्ञ की उपयोगिता धर्म शास्त्र के साथ वैज्ञानिक तरीके से अवगत कराते हुए व्यक्त किया। इन उपलब्धियों को देखते हुए महारुद्राभिषेक समिति (ओसियां) को राजस्थान बुक ऑफ रिकॉर्ड्स समिति द्वारा सम्मानित किया गया। उक्त जानकारी संयोजक विकास चांडक, हरिप्रकाश राठी, स्वाति जैसलमेरिया ने दी।

हरियाली अमावस्या पर गोठ

आगुचा (हुरड़ा). तहसील माहेश्वरी सभा की वर्षों से बंद हरियाली अमावस्या की सामूहिक गोठ बड़े धूमधाम से आगूचा ग्राम में 23 जुलाई को हनुमान जी की बगीची में आयोजित हुई। तहसील के माहेश्वरी परिवारों ने सपरिवार गोठ का आनंद लिया। बाहर से पधारे समाजजनों का स्वागत ढोल, नगाड़े बजाकर व तिलक कर किया गया। सुरेंद्र काबरा ने मंच का संचालन करते हुए हाउजी गेम खिलाया। स्नेह भोज की व्यवस्थाओं के लिए संगठन आगूचा नवयुवक मंडल व महिला मंडल की सभी समाजजनों ने प्रशंसा की। प्रथम बार पधारे राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष राजकुमार कालिया का माहेश्वरी नवयुवक मंडल के युवाओं ने साफा बांधकर व श्रीफल भेंटकर स्वागत किया। सत्यनारायण सोमानी, रामगोपाल लड्ढा, परशुराम सोनी, रमेश सोमानी, शंकरलाल सोमानी, विष्णु असावा, केदार सोमानी, महेश सोनी सहित समाजजनों का सहयोग रहा।

इसी वर्ष लोकार्पित होगा लोहार्गल भवन

लोहार्गल. अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के महत्वपूर्ण प्रकल्प लोहार्गल धाम का निर्माण कार्य जल्द ही पूर्ण होकर समाज को समर्पित किया जाएगा। हाल ही में वहां पर श्री माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट अध्यक्ष रमेश तापड़िया, निर्माण समिति अध्यक्ष प्रदीप बाहेती, राष्ट्रीय युवा संगठन अध्यक्ष राजकुमार काल्या, जयपुर प्रादेशिक माहेश्वरी सभा अध्यक्ष कैलाश सोनी और लोहार्गल प्रकल्प समन्वयक आशीष जाखोटिया ने लोहार्गल पहुंच कर भवन के आगामी निर्माण कार्य को लेकर चर्चा की। वर्ष 2017 के अंत में इसका लोकार्पण करने का निश्चय किया गया।

महिला मंडल की कार्यकारिणी गठित

अमरावती. माहेश्वरी महिला मंडल की वर्ष 2017-18 की नई कार्यकारिणी अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला मंडल की महामंत्री पुष्पलता परतानी, सुशीला मंत्री व पूर्वाध्यक्ष प्रभा झँवर की उपस्थिति में घोषित की गई। सचिव प्रीति डागा को सर्वसम्मति से 2017-18 की अध्यक्ष घोषित किया गया। कार्यकारिणी में सचिव दीप्ति कारवां, उपाध्यक्ष अर्चना लाहोटी, रेखा भूतड़ा, कविता मालपाणी, सहसचिव वंदना सोनी, सुषमा भूतड़ा, डॉ. रजनी लाहोटी, शीतल बूब, कोषाध्यक्ष श्यामा लाहोटी, संगठन मंत्री हंसा मूंधड़ा, शोभा सारडा, स्वागत मंत्री शोभा टावरी, जयश्री पनपालिया व प्रचार मंत्री वीणा लड्ढा, सुनीता करवा, सुजाता गांधी चुनी गईं। विभिन्न समितियों की सदस्याओं का भी चयन किया गया।

"'जो व्यक्ति हमेशा स्वयं अपनी उन्नति के लिये ही प्रयत्नशील रहता है..! 'उसे कभी भी दूसरों का बुरा करने के लिये समय ही नहीं मिलता...!!"

शिव अभिषेक एवं श्रृंगार का हुआ आयोजन

रायपुर. माहेश्वरी युवा मंडल द्वारा सावन के पावन अवसर पर महेश छात्रावास भवन में भगवान शिव के अभिषेक व श्रृंगार का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक था। विगत 8 वर्षों से यह आयोजन किया जा रहा है तथा इस बार भगवान शिव को फूलों से बहुत खूबसूरत सजाया गया। विजय दम्मानी, सुरेश बागड़ी, संदीप मड़दा, गोपाल बजाज, सूर्यप्रकाश राठी, सुरेश मूंदड़ा, आदित्य माहेश्वरी, आलोक बागड़ी, राजू मूंदड़ा, मनोज राठी, राजेश राठी आदि उपस्थित थे।

सोमानी बने आईजी

तराना. वरिष्ठ समाजसेवी प्रहलाद सोमानी के सुपुत्र आईपीएस आनंद माहेश्वरी देश की राजधानी दिल्ली में आईजी के पद पर पदस्थ हुए हैं। आप प्रधानमंत्री कार्यालय की सुरक्षा व्यवस्था भी संभालेंगे। आप सक्रिय समाजसेवी व प्रखर वक्ता तराना निवासी ललित सोमानी के छोटे भाई हैं।

काबरा बने आयुर्वेद सम्मेलन प्रदेशाध्यक्ष

बड़नगर (उज्जैन). उज्जैन जिला माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष व ख्यात आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. वासुदेव काबरा गत दिनों मप्र आयुर्वेद सम्मेलन के प्रदेशाध्यक्ष चुने गए। नियुक्ति पर आयुर्वेद चिकित्सकों व समाजजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

कानव सोमानी नीट में चयनित

हिम्मतनगर (गुजरात). समाज सदस्य प्रहलाद-कमलेशकुमार सोमानी के मेधावी सुपुत्र कानव सोमानी ने मेडिकल कॉलेज में प्रवेश हेतु आयोजित परीक्षा नीट में ऑल इंडिया में 2313वीं रैंक और ऑल गुजरात में 68वीं रैंक प्राप्त की है। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

कर्नाटक–गोवा प्रदेश युवा संगठन की बैठक सम्पन्न

सेडान। (कलबर्गा-कर्नाटक) कर्नाटक-गोवा प्रांतीय माहेश्वरी युवा संगठन की बैठक गत दिनों सेडान में आयोजित हुई। बैठक का आयोजन राजस्थानी नवयुवक संघ के संयोजन में हुआ। मुख्य अतिथि रमेश परतानी हैदराबाद थे। विशेष अतिथि बद्रीनारायण हेड़ा थे। संगठन अध्यक्ष आनंद कासट बागलकोट, सचिव सचिन राठी, बागलकोट, संगठन मंत्री मधुसूदन मालू, सहसचिव दक्षिणांचल माहेश्वरी महासभा सहित कई पदाधिकारी विशेष रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर युवाओं के स्वरोजगार की स्थापना, परिवार में समन्वय आदि मुद्दों पर चर्चा हुई। महिलाओं के सशक्तिकरण पर भी जोर दिया गया।

महिला मंडल के चुनाव सम्पन्न

मदनगंज। श्री माहेश्वरी महिला मंडल सत्र 2017-19 के चुनाव सर्वसम्मति से सम्पन्न हुए। इसमें अध्यक्ष साधना तोषनीवाल, उपाध्यक्ष गायत्री कचोलिया, सचिव सरिता मंत्री, सहसचिव सुमन मालपानी, कोषाध्यक्ष इन्दु राठी, संस्कृतिक सचिव अल्का मुन्दडा, प्रचार-प्रसार सचिव सुनिता लड्ढा मनोनीत हुईं।

बाल निकेतन में माहेश्वरी प्रतिनिधित्व

श्री देवेन्द्र गुप्ता (बिझानी) | श्री प्रद्युम्न गुप्ता (सी.ए.) (बिझानी) | श्री गिरिराज चाला | श्री हरिवल्लभ जेठा | श्री श्यामसुंदर माहेश्वरी

जबलपुर. प्रतिष्ठित व सेवाभावी संस्था राजकुमारी बाई बाल निकेतन संस्कारधानी जबलपुर में 1920 से अनाथ बच्चों की सेवा में कार्यरत है। इसमें 5 सदस्य माहेश्वरी समाज से निर्वाचित घोषित हुए। इनमें प्रमुख रूप से देवेंद्र गुप्ता (बिझानी) संरक्षक, प्रद्युम्न गुप्ता (बिंझाणी) कोषाध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्य गिरिराज चाला, हरिवल्लभ जेठा, श्यामसुंदर माहेश्वरी शामिल हैं। देवेंद्र गुप्ता (बिंझानी) के संरक्षकत्व में संस्था दिन-प्रतिदिन प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

रोटी कमाना बड़ी बात नहीं है
परिवार के साथ बैठकर
'खाना' बड़ी बात है

पौधों का निःशुल्क वितरण...

भीलवाड़ा। काशीपुरी वकील कॉलोनी माहेश्वरी महिला मण्डल के तत्वावधान में श्रावण मास के उपलक्ष्य में पर्यावरण को हराभरा बनाने के उद्देश्य को लेकर 24 जुलाई को रामधाम के पीछे स्थित काशीपुरी वकील कॉलोनी माहेश्वरी भवन पर 40 गमले सहित तुलसी व 100 अन्य व फलदार पौधों का निःशुल्क वितरण किया गया व मण्डल सदस्याओं द्वारा बिलपत्र का पौधा रोपण किया गया। अध्यक्ष गायत्री बिड़ला ने बताया कि गोविन्दमठ काशी बनारस के प्रसिद्ध विद्वान एवं संत शिरोमणि स्वामी दयानंद महाराज, क्षेत्रीय सभा के पूर्व अध्यक्ष अनिल बल्दवा, रामेश्वर काबरा अध्यक्ष मदन बांगड, गोविंद सोढाणी, सुरेश बिडला व सचिव नरेन्द्र नुवाल, राजकुमार मुन्दडा, सत्यनारायण नुवाल, ओम जागेटिया आदि कई गणमान्य जन उपस्थित थे।

भीलवाड़ा. श्री आजाद नगर माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा आजाद नगर माहेश्वरी भवन के बाहर दोनों तरफ पौधारोपण किया गया। इसमें 10 बड़े पौधे रोपकर ट्री गार्ड लगाए गए। महिला संगठन द्वारा 500 पौधे लगाने के संकल्प में ही यह एक प्रयास है। इस कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष अनिला अजमेरा, मंडल अध्यक्ष मानकँवर काबरा, सचिव सरिता राठी, मंजू अजमेरा, लीला, प्रेमसुधा, पुष्पा, बिंदु, ज्योति, कविता, संगीता, सरिता, सुमन, प्रीति चांडक आदि उपस्थित थे।

नांदुरा. गत 23 जुलाई को माहेश्वरी पंचायत अध्यक्ष गिरीराज राठी, बुलढाणा जिला माहेश्वरी संगठन के उपाध्यक्ष विट्ठलदास डागा, नांदुरा अर्बन के अध्यक्ष प्रहलाद जी, उपाध्यक्ष जगन डागा के साथ संचालक व कर्मचारियों ने नांदुरा माहेश्वरी पंचायत के प्रांगण में पौधारोपण किया।

नीम महोत्सव से मनाई गुरु पूर्णिमा

जोधपुर. गुरु पूर्णिमा पर सांवरिया और स्वाति नक्षत्र की ड्रोर से पर्यावरण बढ़ाने हेतु जगह-जगह नीम का पौधरोपण किया गया। सावरियाँ ग्रुप के संस्थापक कैलाश लड्ढा ने बताया कि भगवान ने हमें पृथ्वी रहने के लिए दी है, लेकिन हम जरूरत और सहूलियत के लिए पेड़ काट रहे हैं। प्रदूषण फैला रहे हैं। हमें पर्यावरण का महत्व समझना चाहिए। यदि हमने पर्यावरण को साफ सुथरा न रखा तो आने वाले समय में हमारा अस्तित्व ही खतरे में पड़ सकता है। स्वाति नक्षत्र की संस्थापिका स्वाति 'सरु' जैसलमेरिया ने बताया हम सब लोग पर्यावरण से भली भांति परिचित हैं। पर्यावरण वह है जो प्राकृतिक रूप से हमारे चारों तरफ है और पृथ्वी पर हमारे दैनिक जीवन को प्रभावित करता है। जो हवा हम हर पल सांस द्वारा लेते हैं। पानी जो हम दिनचर्या में इस्तेमाल करते हैं। पौधे, जानवर और अन्य जीवित चीजें यह सब पर्यावरण में आते हैं। जब प्राकृतिक चक्र किसी भी गड़बड़ी के बिना साथ-साथ चलता रहे तब एक पर्यावरण स्वस्थ वातावरण कहा जाता है। प्रकृति के संतुलन में किसी भी प्रकार की बाधा वातावरण को पूरी तरह प्रभावित करती है जो जीवन का नाश कर देता है। संजय डांगरा, प्रेम मालपानी, डॉ. सूरज माहेश्वरी, सोनू लड्ढा, सुधीर व्यास एवं सांवरिया और स्वाति नक्षत्र परिवार के सदस्यों ने मिलकर पौधारोपण कर गुरु पूर्णिमा दिवस मनाया।

रायपुर. छतीसगढ़ प्रदेश में हरित क्रांति के आह्वान में माहेश्वरी समाज उत्साहपूर्वक विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण कर रहा है। इसी कड़ी में 23 जुलाई को रायपुर इंडस्ट्रियल एरिया में बालाजी पॉली में सावन मास में आराध्य देव शिवजी का रुद्राभिषेक पूजन प्रसादी के साथ परिसर में 21 पौधों का रोपण किया गया। नीम, अशोक, गुलमोहर, कनेर, चंपा के पौधे रोपे गए। सदस्य उषा मोहता, महेश सेवा निधि ट्रस्ट अध्यक्ष डॉ सतीश राठी, संयोजिका कल्पना राजेश राठी, राकेश-एकता, मधु राजकुमार राठी, सीआर सोनी, सुनीता-प्रमोद चौधरी, नीलेश-नेहल राठी मौजूद थे।

14वीं बार भामाशाह बने तोषनीवाल

कोलकाता. वीर प्रसूता राजस्थान की धरा भामाशाहों के लिए भी विख्यात है। दान की परम्परा भी यहाँ विरासत में मिलती है। इसी धरा पर जन्मे श्री नेमीचंद तोषनीवाल की पहचान भी दानवीर के रूप में है। गत दिनों उन्हें राजस्थान शासन द्वारा 14वीं बार भामाशाह सम्मान से नवाजा गया है। सेवा को धर्म मानकर चलने वाले श्री तोषनीवाल ने चिकित्सा, शिक्षा के अतिरिक्त समाज के गरीब एवं असहायजन के प्रति करुणा रखते हुए हरसंभव सहयोग किया है। वर्ष 2016-17 में आपने अजमेर, भीलवाड़ा, नागौर एवं टोंक जिलों के विभिन्न संस्कृत विद्यालयों को डिजिटल भारत अभियान की समृद्ध स्वरूप देने के लिए कम्प्यूटर मय उपकरण प्रदाय हेतु 10.25 लाख रुपये का आर्थिक योगदान दिया है। श्री तोषनीवाल व्यावसायिक कारणों से कलकत्ता तो वर्षों पूर्व चले आये थे, लेकिन राजस्थान की मिट्टी से उनका जुड़ाव समाप्त नहीं हुआ। श्री तोषनीवाल ने बचपन से राजस्थान के स्कूल भवनों की स्थिति देखी थी। अतः शासकीय स्कूल भवनों के कायाकल्प का संकल्प ले लिया। आप लगभग गत 2 दशकों से प्रतिवर्ष किसी ने किसी स्कूल भवन या अस्पताल भवन के निर्माण में अपना आर्थिक सहयोग अवश्य देते हैं। इसके साथ आप कई समाजसेवी संस्थाओं से भी सम्बद्ध है।

वनभोजन का हुआ आयोजन

रायपुर. स्थानीय माहेश्वरी महिला समिति के द्वारा सावन की वनभोज का आयोजन "डूंडा" स्थित माहेश्वरी सभा भवन में किया गया। इसमें 100 महिलाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। अपने बचपन के विभिन्न खेलों को याद करते हुए खेलों का भरपूर आनंद सभी महिलाओं ने लिया। सावन भोज में ही पौधारोपण भी करवाया गया। इसमें पौधों के संरक्षण व देखरेख का भी संकल्प लिया। कार्यक्रम में मध्यांचल उपाध्यक्ष ज्योति राठी, रामकुंवर भूतड़ा, ममता लखोटिया, रेणु टावरी, उषा मोहता, अध्यक्ष शशि बागड़ी, संगीता चांडक, नंदा भट्टर, नीता लाखोटिया, शशि बंग, रमा मल्ल, अंबा बागड़ी, रेखा करवा, कल्पना राठी आदि मौजूद थे।

राठी बने स्नातक संघ अध्यक्ष

हैदराबाद. राजस्थानी स्नातक संघ की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन आबिड्स स्थित राजस्थानी स्नातक भवन में किया गया। इसमें सर्वसम्मति से गोविंद राठी को संघ का अध्यक्ष चुना गया। निवर्तमान अध्यक्ष रामपाल अट्टल ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यकारिणी समिति और साथी संयोजक एवं सहसंयोजकों का सकारात्मक और सक्रिय सहभागिता के लिये आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष सुरेशचंद्र काबरा व दीपककुमार बंग, मंत्री विनोदकुमार बंग, सहमंत्री अरुण लाहोटी, कोषाध्यक्ष प्रकाशनारायण राठी, डॉ. मोहन गुप्ता, प्रदीप चाँडक, सीए गिरधारीलाल अट्टल, सीए रमेशकुमार भट्टड़, सीए मुरलीमनोहर पलोड़ आदि मौजूद थे।

शीतल जल सेवा प्रारंभ

दिल्ली. प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन दक्षिण दिल्ली शाखा ने 9 जून 2017 को दिल्ली के एक गार्डन में शीतल जल मशीन की स्थापना की। इस कार्यक्रम में आईएमए अध्यक्ष डॉक्टर के.के. अग्रवाल और एमएलए विकास बिधूडी ने फीता काटा। इस मशीन को अनिल जाजू की पत्नी वीणा जाजू व सुपुत्र योगेश जाजू एवं हितेश जाजू ने स्पॉन्सर किया। प्रदेशाध्यक्ष किरण लड्ढा, शर्मिला राठी, राजश्री मोहता, उमा सोनी, जमुना बाँगड, खुशबू जाजू, गरिमा काबरा, सुशील डागा, नयनतारा थिरानी आदि उपस्थित थीं।

> "पिता की दौलत पर
> घमंड करने में क्या खुद्दारी,
> मजा तो तब है जब दौलत
> अपनी हो और घमंड पिता करे।"

महासभा व गुजरात प्रदेश पदाधिकारियों का भ्रमण

भिलाई. महासभा के उपाध्यक्ष (मध्यांचल) मोहन राठी-भिलाई, सहमंत्री शरद गट्टानी, कार्यसमिति सदस्य श्यामसुंदर राठी-आनंद, गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी सभा अध्यक्ष त्रिभुवन काबरा, मंत्री कृष्णकुमार चांडक तथा सहमंत्री सुरेश दम्मानी ने 11 जुलाई को सुबह 7.30 बजे अहमदाबाद से रवाना होकर सुरेंद्रनगर, राजकोट, जामनगर तथा गांधीधाम का भ्रमण किया। रात्रि विश्राम गांधीधाम किया। 12 जुलाई को प्रातः 8.30 बजे पौधारोपण हुआ। गांधीधाम से रवाना होकर राधनपुर, पाटन तथा पालनपुर का भ्रमण कर अहमदाबाद रात्रि विश्राम किया। 13 जुलाई को प्रातः 8.30 बजे अहमदाबाद से आनंद, बोरसद, नडियाद तथा कपड़वंज में रात्रि 7.30 बजे तक चर्चा कर अहमदाबाद में भ्रमण कार्यक्रम का समापन किया। गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी सभा उपाध्यक्ष मूलचंद गट्टानी, सहमंत्री गोपाल बांगड़, महासभा कार्यसमिति सदस्य ओमप्रकाश काबरा सुरेंद्रनगर से गांधीधाम तक साथ रहे। गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी सभा संगठन मंत्री यशवंत बचानी गांधीधाम से पालनपुर तक साथ रहे। राजेंद्र पेड़ीवाल, अहमदाबाद जिला मंत्री तथा सामाजिक-आर्थिक डेटा संग्रह समिति प्रादेशिक संयोजक भी आनंद से कपड़गंज तक साथ रहे। भ्रमण का प्रमुख उद्देश्य प्रदेश के विभन्न जगहों पर रहने वाले समाज बंधुओं को संगठन आपके द्वार के तहत महासभा तथा प्रदेश सभा के ट्रस्टों एवं कार्यों के बारे में जानकारी देना था। समाज बंधु इस जानकारी के अभाव में समाज की सेवाएं लेने से वंचित रह जाते हैं।

चट मंगनी पट विवाह से पेश की मिसाल

पिपरिया. खर्चों में कटौती करने के अ.भा. माहेश्वरी महासभा के निर्देशों का पालन करने का दायित्व पुलगांव निवासी कमलकिशोर प्रयागदास मोकाती परिवार व पुलगांव माहेश्वरी समाज अध्यक्ष नटवरलाल मोकाती ने साकार कर दिखाया है वे माहेश्वरी सेवा मंडल पिपरिया के सदस्य लक्ष्मीनारायण सर्राफ के यहां उनकी पुत्री प्रियंका को देखने पुलगांव से पुत्र विशाल को साथ लेकर आये थे। मोकाती परिवार को प्रियंका पसंद आई। प्रियंका के बड़े पिता कृष्णकुमार सर्राफ व लक्ष्मीनारायण सर्राफ के समक्ष मोकाती परिवार ने विवाह तत्काल करने का प्रस्ताव रखा। इसे माहेश्वरी सेवा मंडल अध्यक्ष नरसिंहदास भट्टर सहित समस्त पदाधिकारी व सदस्यों की उपस्थिति में सर्राफ परिवार ने स्वीकार कर लिया। दूसरे दिन सामाजिक रीति रिवाज से विवाह हुआ। इस आयोजन की माहेश्वरी समाज अध्यक्ष नरसिंहदास भट्टर, जिलाध्यक्ष बालकिशन टावरी, प्रदेश सहसचिव व सेवा मंडल सचिव अजय घुरका, महिला परिषद की जिला सचिव आशा मालपानी, प्रदेश सहसचिव राजश्री राठी सहित सभी पदाधिकारियों ने सराहना की है।

> "जो आपकी खामोशी को पढ़ना सके, उसे बोलकर अपना दुख बताना केवल समय की बर्बादी है।"

सावन महोत्सव का हुआ आयोजन

मंदसौर. माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा माहेश्वरी धर्मशाला नयापुरा में सावन महोत्सव मनाया गया। इसमें ''ग्रीन क्वीन ग्रीन फूड'' स्पर्धा आयोजित हुई। प्रतियोगी को ग्रीन ड्रेसअप के साथ ग्रीन व्यंजन बनाकर लाना था। ''लड्डू गोपाल श्रृंगार सजाओ'' प्रतियोगिता में सभी प्रतियोगियों ने ठाकुरजी के श्रृंगार के साथ कई उत्सवों की झांकियां भी सजाईं। सावन के गीत गाये तथा पौधारोपण नगरपालिका सभापति सुनीता बाहेती के नेतृत्व में किया गया। सभी कार्यक्रमों का संचालन सचिव संध्या काबरा ने किया। आभार संगठन मंत्री सुरेखा झंवर ने माना। पश्चिमांचल कोषाध्यक्ष गीता झंवर, जिलाध्यक्ष मणिबाला मालू, मंडल अध्यक्ष भावना सोमानी, अनीता झंवर, इंदिरा झंवर, अंजली झंवर, मंजू जागेटिया, कमल काबरा, ज्योति धूत, तारा कासट, नमिता मंत्री सहित कई सदस्याएँ मौजूद थीं।

भूतड़ा बने संगठन अध्यक्ष

अमरावती. शहर के प्रतिष्ठित कपड़ा व्यवसायी विजयकुमार भूतड़ा बहुमत से कपड़ा व्यवसायी संगठन के अध्यक्ष चुने गए। पुरे महाराष्ट्र में सबसे बड़ा कपड़ा व्यवसाय अमरावती शहर में ही है। नांदगांव पैठ में बीझी लैंड, सिटीलैंड और ड्रीम लैंड में 2 हजार प्रतिष्ठान हैं। 2 हजार दुकानों में सिर्फ दो दुकानें ही माहेश्वरी समाज की हैं। फिर भी उनकी जीत एक बड़ी सफलता है।

पुरी में भी बनेगा सेवा सदन का भवन

क्रय की जा चुकी है भूमि, वर्ष 2019-20 तक बनकर तैयार होगा भव्य भवन

पुरी (ओडीशा). अभा माहेश्वरी सेवा सदन देश के कई तीर्थ स्थानों पर अपनी संस्कृति के अनुरूप गरिमामय आवास व्यवस्था प्रदान कर रहा है। इसी शृंखला में अब पुरी भी शामिल होने जा रहा है।

लंबे समय से पुरी में सेवा सदन के भवन निर्माण का समाज सपना देख रहा था। यह सपना उत्कल प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के पूर्व अध्यक्ष कटक निवासी मदनमोहन राठी के प्रयासों से सफल होने जा रहा है। श्री जगन्नाथ धाम पुरी में माहेश्वरी सेवा सदन के भवन हेतु जमीन क्रय कर ली गई है। भवन के लिए जगह लेने एवं सहयोग राशि एकत्र करने का कार्य मदनमोहन राठी, कटक (भूपू अध्यक्ष उत्कल प्रादेशिक माहेश्वरी सभा) के अथक प्रयास से संभव हुआ है। सेवा सदन के अध्यक्ष जुगलकिशोर बिड़ला, महामंत्री रमेश छापरवाल एवं मंत्री कैलाश सोनी का भी प्रयास सराहनीय है। ओडिशा के माहेश्वरी बंधुओं ने सहयोग करके जो सेवा की आंधी चलाई है, उसका अनुसरण पूरे भारतवर्ष में हुआ और इसमें मुक्त हस्त से सहयोग प्राप्त हुआ।

समाज की शान बनेगा भवन

पुरी में निर्मित होने वाले भवन का जो भव्य स्वरूप तय किया गया है, उसी अनुसार यह भवन समाज की शान बनेगा। इसके अंतर्गत 1 एकड़ भूमि पर इसका निर्माण होगा। इसमें 120 कमरे, एक बड़ा हॉल करीब 7000 वर्गफीट का, दो छोटे हॉल करीब 2 हजार वर्ग फीट के, 3 किचन कम डायनिंग हॉल, 4 लिफ्ट, पार्किंग हेतु बेसमेंट, लॉन इत्यादि होंगे। निर्माण समिति का लक्ष्य इसे वर्ष 2019-20 तक पूर्ण कर समाज की सेवा में समर्पित कर देने का है।

सावन का किया स्वागत

रायपुर. स्थानीय माहेश्वरी महिला समिति के द्वारा सावन का स्वागत विभिन्न गतिविधियों के द्वारा किया गया। सावन के प्रथम सोमवार को पूरे विधि-विधान के साथ भगवान शिव का रुद्राभिषेक व शृंगार किया गया। अखिल भारतवर्षीय मध्यांचल उपाध्यक्ष ज्योति राठी, माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष विजय दम्मानी, माहेश्वरी महिला समिति अध्यक्ष शशि बागड़ी, नंदा भट्टर, संगीता चांडक सहित अन्य सदस्यों का सहयोग मिला।

राठी बने अभिभाषक संघ अध्यक्ष

महिदपुर. अभिभाषक संघ महिदपुर (उज्जैन) के अध्यक्ष पद के निर्वाचन में मप्र पश्चिमांचल माहेश्वरी युवा संगठन की तदर्थ समिति के संयोजक अभिभाषक पीयूष राठी निर्वाचित घोषित किये गये। 33 वर्षीय श्री राठी अभी तक के सबसे युवा अध्यक्ष हैं तथा उज्जैन जिला कार्यकारिणी सदस्य मीसाबंदी व वरिष्ठ अभिभाषक कांतिलाल राठी के भतीजे हैं।

> "शीशा कमज़ोर बहुत होता है,
> मगर सच दिखाने से घबराता नहीं है"

सावन मेले का हुआ आयोजन

अहमदाबाद. स्थानीय संगिनी संगठन द्वारा 15 और 16 जुलाई को "सावन मेला 2017" का भव्य आयोजन किया। इसमें 75 स्टॉल समाज की महिलाओं ने लगाए। मेले का शुभारंभ सेशन कोर्ट जज श्रीमती ज्योत्सना के हाथों हुआ। अतिथि के रूप में मीनू काव्य और रेडियो जॉकी विशाल भी उपस्थित थे। बड़ौदा, सूरत, नाड़ियाद आदि सभी जगह से स्टॉल लगाने के लिए महिलाएं भी आई थीं। अध्यक्ष श्रीमती सुधा ने बताया कि करीब 400 महिलाओं ने मेले में विजिट किया।

नीम महोत्सव में पोधारोपण

कोटा. लड्ढा बंधु की ओर से नीम महोत्सव मनाया गया। इसके तहत काफी संख्या में पौधे लगाए गए। संयोजक राजकुमार लड्ढा ने बताया कि इस दौरान समाजबंधुओं ने पौधारोपण के साथ उनकी सुरक्षा का संकल्प लिया। इसके अलावा बेटी बढ़ाओ अभियान के तहत सभी को बेटियों को शिक्षा और कॅरियर के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान दिनेश लड्ढा, मिथलेश लड्ढा, अशोक लड्ढा, विशा लड्ढा, पंकज लड्ढा, नीरज लड्ढा, सुरेश लड्ढा, हेमंत लड्ढा आदि मौजूद थे।

कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर का हुआ आयोजन

लखनऊ. अवध की नगरी में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन-उत्तरांचल की बैठक में 1 जुलाई 2017 को एक दिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इसमें रजिस्ट्रेशन शुल्क नहीं लिया गया। उत्तरांचल का यह शिविर ''सान्निध्य'' राष्ट्रीय अध्यक्षा कल्पना गगरानी, राष्ट्रीय समिति प्रभारी प्रमुख शोभा सादानी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री मंजू बागड़, महासभा संगठन मंत्री अजय काबरा के नेतृत्व में, उत्तराँचल उपाध्यक्ष कांता गगरानी व सहमंत्री शर्मिला राठी के सान्निध्य में पूर्वी उ.प्र. अध्यक्षा शशि नेवर व सचिव उषा झंवर के आतिथ्य में बड़े सौहाद्रपूर्ण ढंग से आयोजित हुआ। महासभा कार्यसमिति सदस्य लोकेंद्र करवा, वीरेंद्र भुराड़िया, विनोद शारडा, नंदकिशोर झंवर ने भी विशिष्ठ अतिथि के रूप में सहभागिता की। सुकीर्ति समिति प्रभारी सोनाली मुंधड़ा ने कोलकाता में होने वाले खेल महोत्सव (16 से 20 दिसंबर) के बारे में जानकारी दी। पूर्वी उ.प्र. की पूर्व अध्यक्ष द्वारा प्रकाशित भजन की किताब का विमोचन पदाधिकारियों ने किया।

गुरु पूर्णिमा का आयोजन

गुना. स्थानीय माहेश्वरी मंडल द्वारा गत 9 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में भजन का कार्यक्रम भावना धूत के यहाँ रखा गया एवं प्रसाद वितरण किया गया। मंडल की अध्यक्ष आशा राठी एवं सचिव पद्मा लाहोटी सहित सभी मंडल सदस्याओं ने उत्साह के साथ भजन-कीर्तन की प्रस्तुति दी।

प्रशांत राठी का किया सम्मान

उज्जैन. विक्रम कीर्ति मंदिर में आयोजित नाबार्ड के 36वें स्थापना दिवस कार्यक्रम एवं इंदौर के जाल सभागृह में आयोजित कार्यक्रम में उज्जैन की संस्था महर्षि उत्तम स्वामी जनकल्याण समिति के प्रशांत राठी को डिजिटल/सॉफ्टवेयर के माध्यम से महिला समूहों को पेपर लेस बैंकिंग से जोड़ने पर पूरे मप्र में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने हेतु प्रशांत राठी को अवॉर्ड दिया गया। इस अवसर पर उज्जैन के कलेक्टर संकेत भोंडवे, इंदौर जिलाधिकारी नाबार्ड दीपक घोरपड़े आदि कई प्रशासनिक व बैंक अधिकारी मौजूद थे।

माहेश्वरी की पुस्तक प्रकाशित

जबलपुर. नगर के उद्योगपति, साहित्यकार, लेखक एवं कवि राजेश माहेश्वरी की नवीनतम कृति ''92 गर्लफ्रेंड्स'' का प्रकाशन इंदिरा प्रकाशन भोपाल द्वारा किया गया है। तीन युवा उद्योगपति पर आधारित इस पुस्तक में अपने देश की सभ्यता, संस्कृति और संस्कार के महत्व को सिद्ध किया गया है।

सुधा ने सिखाये योग के गुर

अमरावती. गत 21 जून को योग दिवस पर योग गुरु जगदीश सुधा ने अमरावती राजापेठ स्थित दीपाचीन हॉल में एक घंटा सुबह 6.30 से 7.30 बजे तक योग प्राणायाम ध्यान करवाया। इसमें उन्होंने शरीर संचालन, सूर्य नमस्कार, अनुलोम-विलोम, कपाल भाती आदि कई प्रकार के आसान योग प्रेमियों से करवाएँ। इस कार्यक्रम में योग गुरु श्री सोनी, श्री तायड़े आदि मौजूद थे। रमेशचंद्र साबू ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम पूरा होने पर रंगनाथ चांडक की ओर से सभी योग प्रेमियों को नाश्ता व काजू किशमिश के पैकेट के साथ दूध का वितरण किया गया।

ग्रीन थीम के साथ मना झूला महोत्सव

गुना. स्थानीय माहेश्वरी मंडल द्वारा गत 20 जुलाई को समाज सदस्या रमा सूरजन के बगीचे में लड्डू गोपाल का सामूहिक झूला महोत्सव ग्रीन थीम के साथ व प्रसाद वितरित कर आयोजित किया गया।

> "बड़प्पन वह गुण है जो पद से नहीं संस्कारों से प्राप्त होता है, परायों को अपना बनाना इतना मुश्किल नहीं जितना आपनों को अपना बनाये रखना।"

सखी संगठन ने मनाया स्थापना दिवस

अहमदाबाद. माहेश्वरी सखी संगठन का स्थापना दिवस 19 जून को लायनेस हॉल में रखा गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष मीना मूंदड़ा ने पूर्व पदाधिकारियों को स्लोगन द्वारा व्यक्तित्व दर्शाकर सम्मानित किया। संगठन की 5 सदस्यों की राष्ट्रीय समितियों में भी लिया गया। राष्ट्रीय संचारिका समिति प्रभारी उर्मिला कलंत्री एवं संयोजिका सुशीला माहेश्वरी, राष्ट्रीय सुरम्या समिति संयोजिका तारा दम्मानी, सीमा मोदानी, कार्यसमिति सदस्य उषा सोमानी आदि को सम्मानित किया गया। सुकृति द्वारा 80 प्रतिशत से ऊपर अंक लाने वाले मेधावियों को पुरस्कृत किया। सुरभि के आयोजन में नृत्य नाटिका सखियों द्वारा प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में समस्त कार्यकारिणी सदस्यों का पूर्ण सहयोग रहा। संगठन सचिव अनुराधा अजमेरा ने आभार व्यक्त किया। उक्त जानकारी मीना मूंदड़ा व अनुराधा अजमेरा ने दी।

दिल्ली महिला संगठन सम्मानित

दिल्ली. प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन दक्षिण दिल्ली शाखा को रोटरी ब्लड बैंक ने रक्तदान शिविर आयोजन करने के लिए 18 जून को सम्मानित किया। सम्मान समारोह में दिल्ली के सभी एनजीओ सम्मिलित थे। अध्यक्ष वीणा जाजू। सदस्य राजश्री मोहता एवं खुशबू जाजू ने मोमेंटो प्राप्त किया। पंकज सिंह एमएलए नोएडा मुख्य अतिथि थे।

मूंदड़ा के नेतृत्व में विदेश भ्रमण

रायपुर. छगनलाल मूंदड़ा अध्यक्ष सीएसआईडीसी के नेतृत्व में तीन सदस्यीय दल ने लंदन व पेरिस की यात्रा की। इसमें आशीषकुमार भट्ट छत्तीसगढ़ शासन वाणिज्य एवं उद्योग विभाग, ओ.पी. बंजारे प्रभारी औद्योगिक प्रमोशन सीएसआईडीसी एवं ए.के. दुबे, कार्यपालन अभियंता सीएसआईडीसी शामिल थे।। यात्रा का मुख्य उद्देश्य राज्य में इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र को बढ़ावा देना एरो शो में भाग लेना एवं भारत सरकार द्वारा आयोजित उद्योग से संबंधित स्किल अपग्रेडेशन के अधिवेशन में भाग लिया जाना था।

प्रतिभाओं का किया सम्मान

कोलाकाता. पश्चिम बंगाल प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा गत 2 जुलाई को गोर्ली सदन में 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सम्मेलन अध्यक्ष जगदीशचंद्र एन. मूंदड़ा, ताजा टीवी व छपते-छपते के विशंभर नेवर, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी महिला समिति की मंत्री आशा माहेश्वरी आदि ने किया।

श्रीमती बिड़ला द्वारा स्वागत कक्ष का लोकार्पण

जोधपुर. भारतीय उद्योग जगत में अग्रणी विक्रम बिड़ला उद्योग समूह की निदेशक राजश्री बिड़ला के कर-कमलों से रातानाड़ा जोधपुर में स्थित माहेश्वरी जनोपयोगी भवन में बीके बिड़ला के सहयोग से निर्मित सरलादेवी बसंतकुमार बिड़ला स्वागत कक्ष का लोकार्पण हुआ। समारोह में राजसिको चेयरमैन मेघराज लोहिया, आनंद राठी ग्रुप के चेयरमेन आनंद राठी, माहेश्वरी समाज के मंत्री दामोदर बंग, अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी सभा के महामंत्री संदीप काबरा, पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष जेएम बूब, माहेश्वरी समाज जोधपुर के सहसचिव हरिगोपाल राठी, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण गट्टानी, जोधपुर जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष रतनलाल डागा व नंदकिशोर शाह ने माहेश्वरी समाज जोधपुर की ओर से श्रीमती बिड़ला को अभिनंदन पत्र भेंट किया। जोधपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष प्रभा वैद्य, सचिव अरुणा तापड़िया, नीलम भूतड़ा, मधु मूंदड़ा, आशा फोफलिया, रुचि राठी की ओर से शॉल ओढ़ाकर व अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन की ओर से डॉ. जुगलकिशोर झँवर ने स्मृति चिह्न भेंटकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन चंद्रा बूब ने किया।

> *"स्वयं के सपने साकार करने के लिये काम करे, नहीं तो कोई और उसके सपने साकार करने के लिए आपको काम पर रख लेगा।"*

उमंग 2017 का हुआ आयोजन

वडोदरा. गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन की "प्रथम कार्यसमिति बैठक उमंग 2017" माहेश्वरी महिला मंडल छोटा उदयपुर के आतिथ्य में गत 22 जून को सम्पन्न हुई। उद्घाटनकर्ता राष्ट्रीय संगठन मंत्री मंजू बांगड़, मुख्य अतिथि गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी सभा अध्यक्ष त्रिभुवन काबरा, विशिष्ट अतिथि अशोक अजमेरा एवं संजय सोनी थे। मनमोहक क्लासिकल नृत्य द्वारा महेश वंदना गायत्री आगाल व छाया मालू ने प्रस्तुत की। प्रांतीय अध्यक्षा डिंपल सोनी ने स्वागत उद्बोधन दिये। सुश्रीता समिति के अंतर्गत महिला सशक्तीकरण का स्वरूप विषय पर राष्ट्रीय संगठन मंत्री मंजू बांगड़ ने अपने मन की बात में कहा की संचारिका समिति के अंतर्गत राष्ट्रीय प्रभारी उर्मिला कलंत्री ने स्मार्टफोन का उपयोग बताया।

उड़िया लेखक को पद्मा बिनानी फाउंडेशन करेगी सम्मानित

मुंबई. पद्मा बिनानी फाउंडेशन मुंबई प्रतिवर्ष किसी एक भारतीय भाषा के बाल साहित्य लेखक को एक लाख रुपए के पुरस्कार से सम्मानित करती है। अब तक आठ भाषाओं के लेखकों को पुरस्कृत किया जा चुका है। इस वर्ष यह पुरस्कार उड़िया भाषा के प्रतिष्ठित बाल साहित्य रचनाकार रमेश पत्री को दिया जा रहा है।

> "इंसान की अच्छाई पर,
> सब खामोश रहते हैं
> चर्चा अगर उसकी
> बुराई पर हो,
> तो गूंगे भी बोल पड़ते
> हैं..!!!"

महिला मंडलों ने किए सामाजिक कार्य

वरंगल. महिला मंडल ने श्री किशन कॉलोनी स्थित गवर्नमेंट स्कूल में लगभग 100 छात्रों को नोट बुक्स एवं स्टेशनरी का वितरण किया। इस अवसर पर राजस्थानी महिला मंडल की अध्यक्ष मीना लाहोटी एवं माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष सुनीता मालाणी ने अपने विचार रखे। राजस्थानी महिला मंडल की मंत्री अनुराधा मूंदड़ा, माहेश्वरी महिला मंडल की मंत्री मृदुबाला दरक, आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन उपाध्यक्ष इंद्रा सोनी, इसी स्कूल की 1965 बैच की पूर्व छात्रा पुणे निवासी रंगा हरिकिशन तोतला और महिला मंडल पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्याएं और समाज की कई महिलाएं उपस्थित थी।

योग दिवस मनाया गया

पुरुलिया. माहेश्वरी महिला समिति और रोटरी क्लब ने गत 21 जून को विश्व योग दिवस का आयोजन किया। कार्यक्रम में करीब 200 लोगों ने योग किया। इसके अलावा अन्य संस्थाओं ने भी सहयोग दिया। माहेश्वरी महिला समिति की संपादक जयश्री सारडा ने बताया कि समिति पिछले तीन साल से योग क्लास चला रही है। इसमें योग शिक्षिका पिंकी योग करवाती हैं। अभी तक करीब 50 महिलाओं ने इस शिविर से स्वास्थ्य लाभ लिया है।

बूंदी महासभा समाज संगठन नहीं

बूंदी. पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक सभा मंत्री घनश्याम मंत्री ने बताया कि माहेश्वरी समाज में अखिल भारतीय स्तर पर अभा माहेश्वरी महासभा है। प्रदेश पर पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा, जिला स्तर पर बूंदी जिला माहेश्वरी सभा बूंदी है। तहसील स्तर पर हिंडोली नैनवां तहसील सभा के पाटन तालेड़ा तहसील सभा और बूंदी नगर में माहेश्वरी पंचायत संस्थान बूंदी है और स्थानीय स्तर पर माहेश्वरी पंचायतें हैं। इसी प्रकार महिला और युवा संगठन व्यवस्था है। अभा माहेश्वरी महासभा के अतिरिक्त कोई भी संगठन महासभा एवं महामंत्री

शब्द का इस्तेमाल कर संगठन नहीं बना सकता। बूंदी जिला माहेश्वरी सभा बूंदी ही जिला सभा है जिसका संबंध अभा माहेश्वरी महासभा एवं पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा से है। बूंदी जिला माहेश्वरी महासभा संस्थान बूंदी जो नया संगठन बनाहै। इसका उपर्युक्त संगठनों से कोई लेना-देना नहीं है। अतः माहेश्वरी समाज के लोग इसकी सदस्यता ग्रहण नहीं करें।

उल्लेखनीय है कि संगठन जिला माहेश्वरी महासभा संस्थान की बैठक गत दिनों आयोजित हुई थी। इसमें सर्वसम्मति से नरेंद्र मोहन मूंदड़ा अध्यक्ष, भगवान लाड़ला महामंत्री व अशोक मालू कोषाध्यक्ष चुने गये। संयोजक राधेश्याम फलोड़, उपसंयोजक राजेंद्र माहेश्वरी और सत्यप्रकाश नुवाल मोजी व चुनाव अधिकारी महावीर हल्दिया थे। इसी संगठन के वैधता पर प्रश्न चिह्न लग रहा है।

पंचायत मंडल की कार्यकारिणी गठित

बिजयनगर. माहेश्वरी पंचायत मंडल बिजयनगर अध्यक्ष प्रमोद जागेटिया ने कार्यकारिणी की घोषणा की। इसमें रमेशचंद गट्टानी उपाध्यक्ष, मनोहरलाल कोगटा उपाध्यक्ष, राजेंद्रकुमार झंवर मंत्री, बाबूलाल चोखड़ा उप मंत्री, दिनेशकुमार काबरा कोषाध्यक्ष, चिरंजीलाल नवाल उप कोषाध्यक्ष, शंकरलाल मालू संगठन मंत्री, लक्ष्मीनारायण मोदी, भगवानदस मंत्री, बालमुकंद बसेर, श्रीधर काबरा, बिरदीचंद आगीवाल, श्रीनारायण नवाल, राजेशकुमार तोषनीवाल आदि सदस्य चुने गए। इसके अलावा श्री जागेटिया ने गिरधरगोपाल आगीवाल को महेश शिक्षा सदन संस्था का अध्यक्ष नियुक्त किया। तत्पश्चात श्री आगीवाल ने शिक्षा संस्था की कार्यकारिणी की घोषणा की। रामपाल तोषनीवाल संरक्षक, रामगोपाल मोदी परामर्शदाता, गिरधरगोपाल आगीवाल अध्यक्ष, हनुमानप्रसाद सोमानी उपाध्यक्ष, राजेश बाल्दी उपाध्यक्ष, बद्रीनारायण नवाल मंत्री, श्यामसुंदर गांधी उप मंत्री, कृष्णगोपाल बाहेती कोषाध्यक्ष, धनराज पंडवार उपकोषाध्यक्ष, रामलक्ष्मण लखोटिया, त्रिलोकचंद जागेटिया, अनिल ईनाणी, आशा ईनाणी, दामोदर शारदा, अजय सोमानी, कमलेश तोषनीवाल, पुखराज आगीवाल सदस्य चुने गए।

मूंदड़ा बनी रोटरी मिडटाउन अध्यक्ष

अमरावती. अमरावती शहर की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. शुभांगी मूंदड़ा रोटरी मिड टाउन की अध्यक्ष चुनी गई हैं। पूर्व अध्यक्ष राजू मंदड़ा से उन्होंने क्लब का पदभार स्वीकारा। इस अवसर पर सचिव मनीषा चाँडक, डॉ. स्मिता सिकची, डॉ. सुशील सिकची डॉ. ब्रजेश दम्माणी, सीए श्याम राठी, शेखर राठी, डॉ. राजेश बूब, महेश गट्टानी, आनंदलाल डागा, कविता मालपाणी, स्नेहा मूंदड़ा, डॉ. कौस्तुभ सारडा आदि मौजूद थी।

टेलीफोन डायरेक्ट्री का विमोचन

नडियाद. स्थानीय माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा समाज की टेलीफोन डायरेक्ट्री का विमोचन गत 25 जून 2017 को किया गया। इसमें समाजजनों के टेलीफोन नंबर, पते व परिवार के मुखिया की जानकारी के साथ परिवार के अविवाहित युवक एवं युवतियों की जानकारी भी दी गई है। इसका विमोचन माहेश्वरी समाज की भारी तादाद की उपस्थिति में संतराम मंदिर के संतश्री निर्गुणदास महाराज, त्रिभुवन काबरा (वडोदरा), पंकज भाई देसाई, श्यामसुंदर राठी (विद्यानगर), सुरेश मूंदड़ा (अहमदाबाद) की उपस्थिति में कृष्णगोपाल भराड़िया के हाथों हुआ। भोजन में कालूराम हेड़ा एवं सांस्कृतिक कार्य के पुरस्कार वितरण में राजमल डाड का सहयोग रहा। अल्पाहार श्याम धुप्पड़ के सहयोग से हुआ। विनोदकुमार जागेटिया, मंत्री गोपाल धुप्पड़, सांस्कृतिक मंत्री कमलेश ईनाणी, उपाध्यक्ष भरतकुमार हेड़ा आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

जिला संगठन की बैठक सम्पन्न

बनखेड़ी. होशंगाबाद हरदा जिला महिला संगठन के षष्ठम सत्र की प्रथम बैठक बनखेड़ी महिला मंडल के तत्वावधान में रखी गई। प्रादेशिक अध्यक्ष प्रतिभा झँवर की अध्यक्षता, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला काबरा के मुख्य आतिथ्य एवं प्रादेशिक सचिव अनीता जावंधिया के मार्गदर्शन में इसका आयोजन हुआ। पूर्व प्रदेशाध्यक्ष शोभा भट्टड़, पूर्व जिलाध्यक्ष एवं प्रादेशिक सहसचिव राजश्रीजी राठी ने विशेष सहयोग प्रदान किया। इसमें कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर भी आयोजित हुआ। जिलाध्यक्ष रेखा भूतड़ा ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। सचिव आशा मालपानी द्वारा सचिवीय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। ग्राम बनखेड़ी की दंत चिकित्सक डॉ. अर्पणा बिसानी द्वारा दांतों की सुरक्षा हेतु महत्वपूर्ण टिप्स दिए गए। सभी इकाइयों द्वारा ग्रामीण क्षेत्र की समस्याओं पर आधारित लघु नाटिकाओं का मंचन किया गया।

उद्यमी सम्मेलन का हुआ आयोजन

भिलाई. गत 8 जुलाई को लघु उद्योग भारती की वार्षिक आमसभा व उद्यमी सम्मेलन सीएसआईडीसी अध्यक्ष छगनलल मूंदड़ा की विशेष उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रकाशचंद, राष्ट्रीय महामंत्री सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे। छत्तीसगढ़के विभिन्न क्षेत्रों से आए उद्यमियों ने श्री मूंदड़ा का श्रीफल व शॉल भेंटकर गर्मजोशी से स्वागत किया।

डॉ. लड्ढा सरस्वती सभा में मनोनीत

उदयपुर. शिक्षा एवं सेवा क्षेत्र में विख्यात डॉ. राधिका लड्ढा राजस्थान साहित्य अकादमी उदयपुर की सरस्वती सभा में सदस्य मनोनीत की गई हैं। उल्लेखनीय है कि आपकी अनके पुस्तकें साहित्य जगत में समाज के मार्गदर्शन का कार्य कर रही हैं। गत 25 वर्षों में राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद में अपनी सेवाएँ अवैतनिक रूप से दे रही हैं।

> "अहंकार में तीन गए धन,
> वैभव और वंश,
> ना मानो तो देख लो
> रावण, कौरव और कंस।"

विदर्भ प्रादेशिक संगठन की बैठक सम्पन्न

वर्धा. विदर्भ प्रदेश की द्वितीय कार्यकारिणी सभा का आयोजन जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा आर्वी माहेश्वरी महिला मंडल के आतिथ्य में 25 जून को किया गया। प्रदेशाध्यक्ष उषा करवा की अध्यक्षता में आयोजित सभा में प्रमुख मार्गदर्शक के रूप में श्यामसुंदर सोनी (सभापति अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा), मंगल मर्दा (संयुक्त मंत्री मध्यांचल) के साथ प्रदेश की पूर्वाध्यक्ष डॉ. तारा माहेश्वरी, आशा लड्ढा, मीना सांवल, ज्योति बाहेती एवं प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर "सृजन" किशोर-किशोरी विकास शिविर में विशेष सहभागिता के लिए अमरावती जिला को प्रथम, बुलढाणा जिला को द्वितीय एवं यवतमाल जिला को तृतीय पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित काव्य प्रतियोगिता "कोमल है कमजोर नहीं तू" में प्रदेश स्तर पर प्रथम अलका राजकुमार जाजू (वर्धा), द्वितीय रूपा चांडक (नागपुर), तृतीय छाया राठी (यवतमाल), प्रोत्साहन पुरस्कार वर्षा आसावा (वाशिम), चंचल राठी (बुलाढाणा) सुचिता राठी को प्राप्त हुए। विजेताओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। विभिन्न समितियों द्वारा भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

रमजान–ईद पर जरूरी सामग्री का वितरण

अमरावती. शहर के प्रतिष्ठित वरिष्ठ समाजसेवी चुन्नीलाल मंत्री द्वारा रमजान-ईद के पर्व पर मुस्लिम बंधुओं को जीवन आवश्यक सामग्री का वितरण किया गया। श्री मंत्री ने हमेशा ही जाति-धर्म से आगे बढ़कर मानव धर्म को महत्व दिया है। ईद हो या दीपावली या क्रिसमस वे हमेशा ही जरूरतमंदों के मददगार बनकर सामने आते हैं। रमजान-ईद के पर्व पर मुस्लिम महिलाओं को साड़ी, शक्कर, रवा, आटा, डालडा, चावल और बिस्किट पैकेट भेंट किये। इसी तरह श्री चुन्नीलाल मंत्री की प्रेरणा से अमरावती बस स्टैंड पर गर्मी के तीन महीने 24 घंटे यात्रियों को ठंडा पानी पिलाने का सेवा कार्य किया जाता है। वर्तमान में 98 वर्ष की अवस्था में वे अपना योगदान दे रहे हैं।

कांता भदादा हुई सम्मानित

उदयपुर. जाने-माने समाजसेवी शंकरलाल भदादा की धर्मपत्नी कांता भदादा को जीवदया क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के फलस्वरूप लायंस क्लब लेक सिटी द्वारा समारोहपूर्वक सम्मानित किया गया। उक्त जानकारी मुरलीधर गट्टानी ने दी।

मूंदड़ा ने किया मालू दम्पत्ति का अभिनंदन

नागपुर. गत 10 जुलाई को ख्यात उद्यमी मालू पेपर मिल के चेयरमैन दामोदर मालू व उनकी धर्मपत्नी ने विवाह की 50वीं वर्षगाँठ मनाई। इस अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में समाज की कई हस्तियाँ मौजूद थीं। इसी कार्यक्रम मं जीरापुर जिला राजगढ़(ब्यावरा) निवासी प्रतिष्ठित मूंदड़ा परिवार की ओर से ख्यात समाजसेवी जीरापुरवासा गोविंदा मंदिर के संस्थापक ओ.पी. मूंदड़ा ने मालू दम्पत्ति का अभिनंदन किया। उल्लेखनीय है कि मालू दम्पत्ति श्री मूंदड़ा के समधी भी हैं।

> "भरोसा 'खुदा' पर है तो
> जो लिखा है तक़दीर में वही पाओगे,
> भरोसा अगर 'खुद' पर है तो
> खुदा वही लिखेगा जो आप चाहोगे।"

बच्चों ने सीखे वक्तृत्वकला के गुर

अमरावती. विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा वक्तृत्व विकास कार्यशाला 'वक्तृत्व पर प्रभुत्व' का आयोजन किया गया था। 8 से 15 वर्ष आयु के बच्चों के लिए आयोजित इस अनूठी कार्यशाला में व्यक्तित्व विकास की राष्ट्रीय प्रशिक्षिका नीता जीवन मूंधड़ा ने वक्तृत्व कला से संबंधित हर पहलू पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस दस दिवसीय कार्यशाला में प्रशिक्षिका द्वारा विविध एक्टीविटी के माध्यम से बच्चों का माईक का डर, झिझक मंच का तनाव हटाने के तरीके तथा स्पीच का निर्माण कर उसे आकर्षक रूप से प्रस्तुत करने आदि का सफलतापूर्वक हुनर सिखाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुप्रसिद्ध बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. सतीश अग्रवाल, प्रादेशिक अध्यक्ष उषा करवा, संध्या केला, सरिता सोनी की उपस्थित थीं। इस कार्यशाला में प्रादेशिक सचिव भारती राठी, शशि मूंधड़ा, संध्या केला, सरिता सोनी आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मूंदड़ा की अध्यक्षता में भूमिपूजन

भिलाई. गत 7 जुलाई को बापू नगर स्थित हल्का औद्योगिक क्षेत्र में सीमेंट-कांक्रीट सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन छत्तीसगढ़ शासन के वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री प्रेमप्रकाश पांडेय के मुख्य आतिथ्य एवं सीएसआईडीसी अध्यक्ष छगनलाल मूंदड़ा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। भिलई औद्योगिक क्षेत्र में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने के इसी तारतम्य में भिलाई ट्रांसपोर्ट नगर से विश्वकर्मा पैटर्न शॉ तक 7 करोड़ की लागत के सड़क निर्माण के उन्नयन कार्यों का शिलान्यास किया गया।

> *"राजनीति में अक्सर दुनिया ये नहीं देखती कि तुम पहले क्या थे बल्कि ये देखती है कि तुम अब क्या हो।"*

चीनी उत्पादों का आयात बंद करें

भीलवाड़ा. चीन भारत की सीमा में प्रवेश कर भारत की सुरक्षा व्यवस्था को खतरा उत्पन्न करने के साथ-साथ आए दिन 1962 के चीन-भारत के युद्ध की याद दिलाते हुए भारत को नुकसान उठाने की धमकियां दे रहा है। पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने उक्त जानकारी देते हुए कहा कि चीन सैन्य शक्ति में अपने आप को भारत से काफी आगे मानता है। चीन की सैन्य शक्ति को बढ़ाने में भारत का भी योगदान है क्योंकि भारत चीनी उत्पादों के विक्रय का दुनिया का सबसे बड़ा बाजार है। इससे चीन आर्थिक रूप से मजबूत हो रहा है। भारत द्वारा यदि शत-प्रतिशत चीनी उत्पादों पर प्रतिबंध लगा दिया जाये तो चीन की आर्थिक रूप से कमर टूट जाएगी।

रक्तदान व नशामुक्ति के बारे में दी जानकारी

कालापीपल. गत 29 जून को काउंसलर जया माहेश्वरी ने शासकीय कॉलेज कालापीपल में रक्तदान एवं नशामुक्ति के बारे में विद्यार्थियों व स्टाफ सदस्यों को जानकारी दी। इस अवसर पर कॉलेज प्राचार्य सुमत जैन, प्रोफेसर सोनाली जोशी भी उपस्थित थे। रक्तदान के बारे में विद्यार्थियों में जो भ्रांतियां थीं, उन्हें दूर किया गया।

> *बारिश की दौरान सारे पक्षी आश्रय की तलाश करते हैं, लेकिन बाज़ बादलों के ऊपर उड़कर बारिश को ही avoid कर देते हैं। समस्याएं Common हैं, लेकिन आपका attitude इनमें डिफरेंस पैदा करता है।*

रक्तदान के लिये किया जानजागरण

शुजालपुर. समाज सदस्या जया माहेश्वरी को भारत विकास परिषद में स्वास्थ्य कार्यक्रम की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके तहत गत माह अप्रैल में 54 यूनिट, जून में 35 यूनिट रक्तदान एवं जुलाई में 25 यूनिट रक्तदान हुआ। इसमें श्रीमती माहेश्वरी द्वारा रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। अभी तक इसके अंतर्गत कुल 114 यूनिट रक्तदान करवाया जा चुका है।

जीवन दान पर दिया मार्गदर्शन

कोटा. इनरव्हील क्लब कोटा नार्थ द्वारा अंगदान, देहदान, नेत्रदान, रक्तदान विषय पर जागरुकता उत्पन्न करने हेतु एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इसमें शाइन इंडिया फाउंडेशन के डॉ. कुलवंत गौड़ द्वारा विषय से संबंधित जानकारी एवं भ्रांतियों का निवारण किया गया। इसमें सेवा कार्यों के लिये 7 अवॉर्ड्स प्रदान किये गए। असेम्बली में क्लब अध्यक्ष मधु ललित बाहेती सहित 6 सदस्यों ने भाग लिया।

मेवाड़ा महिला मंडल ने किया पौधारोपण

उज्जैन. श्री माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत महिला मंडल द्वारा गोलामंडी स्थित माहेश्वरी परिसर में पौधारोपण किया गया। इसमें तुलसी, नीबू, नीम आदि के पौधे लगाए गए तथा मंडल का सदस्यों को भी पौधों का वितरण किया गया। इस मौके पर महिला मंडल के सदस्यों ने नियमित रूप से पौधों की देखभाल करने और अन्य लोगों को भी पौधे लगाने के लिए प्रेरित करने की बात कही। इस दौरान मंडल अध्यक्ष और सचिव सहित हेमलता गाँधी, सुधा बाहेती, शांता मंडोवरा, संतोष सोडानी, ज्योति राठी, सीमा परवाल, मनीषा राठी, रेखा मंत्री, मनोरमा मंडोवरा आदि मौजूद थीं।

स्थानीय संगठन की आमसभा सम्पन्न

रायपुर. स्थानीय माहेश्वरी सभा की आमसभा गत 11 जून को श्री माहेश्वरी भवन डूंडा में प्रातः 11 बजे आरंभ हुई। वरिष्ठ सदस्यों एवं अध्यक्ष विजय दम्मानी ने दीप प्रज्वलन कर सभा के कार्यक्रम को आरंभ किया। महामंत्री सुरेशकुमार बागड़ी ने पिछली आमसभा की कार्रवाई सदन में प्रस्तुत की। कोषाध्यक्ष गोपाललाल राठी ने सत्र का आय व्यय का लेखा प्रस्तुत किया। उपसचिव अजय सारडा ने नवनिर्मित भवन के आरक्षण की नियमावली एवं शर्तों को सदन में रखा। अध्यक्ष विजय दम्मानी ने अपने उद्बोधन में सभी सदस्यों का अभिवादन करते हुए प्रादेशिक भवन निर्माण के लिए अधिक से अधिक सहयोग देने की अपील की। उपकोषाध्यक्ष मनोज तापड़िया के धन्यवाद ज्ञापन एवं सहभोज के साथ आमसभा का समापन हुआ।

संगठन आपके द्वार कार्यक्रम सम्पन्न

वरंगल. माहेश्वरी समाज के तत्वावधान में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के कार्यक्रम 'संगठन आपके द्वार' स्थानीय मूंदड़ा भवन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के महामंत्री संदीप काबरा एवं उपसभापति (दक्षिणांचल) अशोक बंग ने महासभा द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में विचार रखे। महासभा महामंत्री संदीप काबरा ने संपन्न वर्गों से आग्रह किया कि समाज के 20 प्रतिशत परिवार गरीबी रेखा से नीचे अपना जीवन बसर कर रहे हैं। उनके उत्थान हेतु अपना भरपूर सहयोग दें ताकि समाज का कोई भी परिवार रोजमर्रा की जरूरत के अभाव में अपना जीवन बसर न करें। उन्होंने महासभा द्वारा कराए जा रहे सर्वेक्षण को जल्दी से जल्दी पूरा करने का स्थानीय समाज संगठनों से आग्रह किया। जिससे सही तरह से योजनाएं विस्तारित की जा सकें। माहेश्वरी समाज वरंगल अध्यक्ष प्रहलाद सोनी ने अतिथियों का स्वागत किया। माहेश्वरी पत्रिका बोर्ड सदस्य अरुण भांगड़िया, कैलाश डालिया, ओमप्रकाश मोदानी, श्याम बियानी, पंकज मनियार, गणेश सोनी, गोपाल सोमाणी वरंगल जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष श्रीगोपाल तोषनीवाल, मंत्री बृजगोपाल लाहोटी, माहेश्वरी समाज वरंगल, माहेश्वरी महिला मंडल, वरंगल जिला माहेश्वरी सभा, माहेश्वरी युवा संगठन के पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य आदि मौजूद थे।

> "जो लोग जिम्मेदार, सरल, ईमानदार एवं मेहनती होते हैं, उन्हे ईश्वर द्वारा विशेष सम्मान मिलता है। क्योंकि वे इस धरती पर उसकी श्रेष्ठ रचना हैं।"

पुरुलिया की सदस्याओं ने दी प्रस्तुति

पुरुलिया (प.बंगाल). गत दिनों जगन्नाथपुरी में अभा माहेश्वरी महिला संगठन के पूर्वांचल का पूर्वा-पुरवैया सम्मेलन आयोजित हुआ। इस त्रिदिवसीय कार्यक्रम में पुरुलिया की सदस्याओं ने भी सक्रिय भागीदारी की। इसमें वाद-विवाद प्रतियोगिता में कृष्णा पेड़ीवाल ने द्वितीय पुरस्कार विपक्ष में प्राप्त किया। इसी प्रकार शिव स्तुति की प्रस्तुति में रूपा चाँडक, सीमा चाँडक, ममता पसारी, सुष्मिता मालू व जयश्री सारडा ने तृतीय पुस्कार प्राप्त किया।

महेश नवमी पर्व की गूंज बरकरार

हुबली. प्रादेशिक संगठन की शिक्षण प्रोत्साहन एवं कॅरियर गाइडेंस समिति के तत्वावधान में धारवाड़-कारवार-गदग- संयुक्त जिले के अध्यक्ष बादल बाहेती ने महेश नवमी पर्व पर एक नए कार्यक्रम की शुरुआत करने का प्रयास किया। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों से प्रेरित होकर इस वर्ष से बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम योजना की शुरुआत की गई। प्रथम चरण में माहेश्वरी समाज के घरों में काम करने वाली महिलाओं की बेटियों को जो कक्षा 1 से 10 में अध्ययन कर रही हैं, उन्हें शैक्षणिक किट का वितरण किया। माताओं को जो इतना कष्ट उठाकर अपनी बेटियों को पढ़ा रही हैं, उन्हें भी सम्मानित/प्रोत्साहित किया गया। इस कार्यक्रम के तहत दांडेली, हुबली, गदग एवं गजेंद्रगद के छात्राओं को शैक्षणिक किट का वितरण किया गया है।

सूरत. महेश नवमी के अवसर पर सुबह 7.30 बजे माहेश्वरी भवन, सिटी लाइट से भव्य शोभायात्रा की शुरुआत हुई। इसमें 10 से 12 झाँकी, डीजे, ढोल-ताशे एवं दिल्ली से बुलाए गए, विशेष कलाकारों द्वारा भव्य प्रस्तुति दी गई। भगवान महाकाल का भव्य रुद्राभिषेक सिटीलाइट में अणुव्रत द्वार के पास किया गया। इसमें सूरत एवं नवसारी क्षेत्र के सांसद सीआर पाटिल एवं विधायक हर्ष भाई संघवी भी शामिल थे। समाज के 34 दम्पतियों ने भगवान शिव का महारुद्राभिषेक किया। दोपहर में 1.30 बजे से 3 बजे तक मातृशक्ति के लिए आत्मरक्षा पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। जीएसटी पर भी एक सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें भरुच के ख्यात वक्ता राजेंद्र राठी ने मार्गदर्शन दिया। सूरत जिलाध्यक्ष अविनाश चांडक ने स्वागत उद्बोधन दिया। सचिव संदीप धूत ने आभार प्रकट किया। महेश नवमी कार्यक्रम के मुख्य संयोजक विक्रम भूतड़ा एवं मधुसूदन राठी थे।

> *"अगर रास्ता खूबसूरत है तो, पता कीजिये किस मंजिल की तरफ जाता है! लेकिन अगर मंजिल खूबसूरत हो तो, कभी रास्ते की परवाह मत कीजिये !!"*

जयपुर. शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी तहसील एवं कस्बा स्तर पर अपने-अपने तरीकों से महेश नवमी का पर्व मनाया गया। रेनवाल तथा फागी में तहसील स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में जिलाध्यक्ष रामअवतार आगीवाल, उपाध्यक्ष महेश परवाल, मंत्री कन्हैयालाल छापरवाल, सदस्य गोपाल तामड़ी, रमेश सोडानी एवं बृजेश लड्ढा आदि तथा प्रदेश महिला संगठन तथा जिला महिला संगठन के पदाधिकारी सम्मिलित हुए। जिले का मुख्य कार्यक्रम जयपुर शहर में आयोजित हुआ। यहाँ पर बैंड-बाजे एवं लवाजमे के साथ विशाल शोभायात्रा निकाली गई। इसमें हाथी, घोड़े, ऊँट एवं दस झाँकियाँ सम्मिलित हुईं। कार्यक्रम में समाज को विशेष सहयोग प्रदान करने वाले कार्यकर्ताओं का सम्मान भी किया गया। अभा माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा जारी डाक टिकट का विमोचन जयपुर महापौर अशोक लाहोटी द्वारा पूर्वोत्तर राज. प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष कैलाश सोनी एवं युवा संगठन के पदाधिकारियों की उपस्थिति में किया गया।

एरंडोल (जलगांव). शिव मंदिर में सुबह माहेश्वरी समाज के सचिव राजकुमार मानुधने और तहसील महिला संगठन की अध्यक्ष मीना मानुधने के हाथों महेश भगवान की पूजा और रुद्राभिषेक हुआ। शाम को सभी समाजजनों ने मिलकर रैली निकाली। यह मारवाड़ी गली गणपति मंदिर से शुरू होकर सीताराम भाई बिरला हॉल में समारोह के साथ सम्पन्न हुई। संयोजक संजय काबरा, शरद काबरा, तालुका अध्यक्ष सुनील मानुधने, उल्लास लड्ढा, नीतेश बाहेती, प्रमोद मानुधने, दिलीप पांडे, राजीव मणियार, नितिन राठी, घनश्याम जाजू, मंगला बाहेती, मंगला काबरा, उज्वला राठी, विद्या काबरा, रोहिणी मानुधने आदि मौजूद थे।

भंडारा. समाज के उत्पत्ति दिवस महेश नवमी का तीन दिवसीय आयोजन किया गया। इसमें समाज के सभी सदस्यों को विशेषकर युवाओं तथा माताओं को संस्कारित समाज निर्माण हेतु अमरावती से आये हुए राष्ट्रीय प्रवक्ता अमित राठी ने मार्गदर्शन दिया। श्री राठी ने भोजन पश्चात थाली में जूठा न छोड़ने की शपथ भी दिलाई। इस हेतु उपस्थित सभी समाज बंधुओं ने अपनी सहमति प्रदान की। शिक्षा क्षेत्र में विशेष योग्यता प्राप्त विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का श्री महेश भगवान की शोभायात्रा के साथ शुभारंभ हुआ। विविध खेलकूद स्पर्धाओं का आयोजन भी किया गया। उत्सव का समापन स्नेह भोज के साथ हुआ। महेश सारडा, बालकिशन लाहोटी, राधाकिशन झँवर, द्वारकाप्रसाद सारडा, बांगरदास राठी, मोहनलाल भैया, गोपाल चांडक, गोपाल टावरी आदि का मार्गदर्शन रहा।

उस्मानाबाद. स्थानीय समाज द्वारा भव्य समारोह पूर्वक समाज के उत्पत्ति पर्व महेश नवमी का आयोजन किया गया। इस के अंतर्गत वैचारिक कार्यक्रम ''रंग दे जिंदगी'' का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में ख्यात वक्ता व कार्पोरेट ट्रेनर इंजीनियर संदीप झँवर उपस्थित थे। श्री झँवर अभा माहेश्वरी महासभा की कॅरियर गाइडेंस कमेटी के एक्सपर्ट पैनल में भी शामिल हैं। श्री झँवर ने अपने सम्बोधन में समाज की एकता पर बल दिया तथा वैवाहिक कार्यक्रम में आदि में होने वाले अनावश्यक खर्च पर नियत्रंण की अपील की।

रायपुर. स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा माहेश्वरी उत्पत्ति दिवस महेश नवमी उत्सव विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ 28 मई को खेलकूद प्रतियोगिता के साथ हुआ। स्व. सूरज रतन बृजगोपाल बागड़ी की स्मृति में प्रायोजक सुरेशकुमार बागड़ी द्वारा शतरंज प्रतियोगिता, स्व. श्री हरिकिशन सादाणी की स्मृति में प्रायोजक शिवरतन सादाणी द्वारा कैरम प्रतियोगिता, स्व. मंगलचंद बागड़ी की स्मृति में प्रायोजक नंदकिशोरजी गिरीराज बागड़ी, टेबल टेनिस प्रतियोगिता एवं राजस्थान इलेक्ट्रिक स्टोर्स की ओर से प्रयोजक शरदचंद सुरेशचंद बागड़ी द्वारा बैडमिंटन प्रतियोगिता माहेश्वरी युवा मंडल के संयोजन में सम्पन्न हुई। महिला समिति द्वारा 10 मई को मट्ठा वितरण एवं 24 मई को ''कार्यकौशल निखार'' का आयोजन किया गया। ज्योति राठी उपाध्यक्ष अभा माहेश्वरी महिला समिति प्रमुख वक्ता थीं। माहेश्वरी युवा मंडल के संयोजन में रक्तदान शिविर का कार्यक्रम हुआ। युवा मंडली के संयोजन में 3 जून को माहेश्वरी युवा मंडल द्वारा शरबत वितरण एवं भंडारे का आयोजन किया गया। शिव का अभिषेक, शृंगार एवं महाआरती भी की गई। समापन कार्यक्रम 3 जून को छग प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के पूर्व अध्यक्ष श्याम सोमानी के मुख्य आतिथ्य में हुआ। छग प्रादेशिक सभा के पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. एमएल राठी की गरिमामय उपस्थिति रही। उपाध्यक्ष राजकुमार चितलांग्या व महामंत्री सुरेशकुमार बागड़ी ने विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में समस्त सदस्यों का सहयोग रहा।

उमरखेड़. समाज का 5120 वाँ उत्पत्ति दिवस महेश नवमी 3 जून को स्थानीय राजस्थान भवन में मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान समाज के अध्यक्ष उमरखेड़ तहसील के व्यापारी महासंघ अध्यक्ष नारायणदास भट्टड़ ने की। मंच पर पप्पू जैन, भगवान अग्रवाल, मांगीलाल जांगीड़, गोपाल तिवारी, हैदराबाद के श्रीराम बजाज आदि उपस्थित थे। अभा माहेश्वरी महासभा के सदस्य विनोद सारड़ा ने भी इस दौरान अपने विचार रखे। पुरुषोत्तम सारडा ने 5 लाख रुपए समाज के नाम से डिपॉजिट कर उस पर मिलने वाले ब्याज पर माहेश्वरी समाज के विविध कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की। उसके बाद 12वीं कक्षा में विशेष अंक प्राप्त कर प्रावीण्यता प्राप्त करने वालों को सम्मानित किया गया।

हैदराबाद. माहेश्वरी मंडल हैदराबाद (उत्तर) का महेश नवमी कार्यक्रम कूकटपल्ली स्थित नयना गार्डन में सम्पन्न हुआ। प्रचार मंत्री शिवकुमार बंग ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कोटा, राजस्थान के सांसद ओम बिरला, विशेष अतिथि के रूप में बिट्स हैदराबाद की डीन सुमन तथा अतिथि के रूप में समाजसेवी गोपाल बल्दवा व मंजू बल्दवा उपस्थित थीं। माहेश्वरी युवा समिति व महिला समिति के पदाधिकारीगण भी मौजूद थे। इस अवसर पर निःशुल्क सिल्वर राउंड तंबोला का आयोजन किया गया। माहेश्वरी गॉट टैलेंट आदि कई स्पर्धाओं का आयोजन हुआ। उपाध्यक्ष केशवलाल डागा, भगवती बल्दवा, सीताराम लखोटिया, मुरलीधर झँवर, रामकृष्ण सोमानी, डॉ. जगदीश माहेश्वरी, लालचंद मूंदड़ा, पुरुषोत्तमदास मानधना, रमेशकुमार बंग आदि मौजूद थे।

हैदराबाद. श्री माहेश्वरी समाज अत्तापुर ने महेश नवमी महोत्सव विभिन्न कार्यक्रमों के बीच आयोजित किया। इस अवसर पर अतिथियों ने समयानुसार परिवर्तन करने और युवा पीढ़ी को समाज की गतिविधियों से जोड़ने पर बल दिया। मुख्य अतिथि अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति नथमल डालिया थे। विशेष अतिथि राजस्थानी सेवा संगठन के अध्यक्ष बद्रीविशाल मूंदड़ा व सम्मानीय अतिथि राजस्थानी स्नातक संघ के अध्यक्ष गोविंद राठी थे। अतिथियों और मेधावियों का सम्मान समाज अध्यक्ष मनोज सोमाणी, मंत्री राजेश करवा, कोषाध्यक्ष रमेशचंद गिलड़ा, संरक्षक नारायणदास हेड़ा आदि ने किया।

चाँडक ने दी जर्मनी में शोध की प्रस्तुति

नागपुर. सुप्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. कविता चाँडक ने जर्मनी के लिपजिंग शहर में सम्पन्न 72वीं होम्योपैथिक जागतिक अंतरराष्ट्रीय परिषद में अपने चार शोधपत्र प्रस्तुत किए हैं। इसमें देश-विदेश के जाने-माने होम्योपैथिक विशेषज्ञ उपस्थित थे। इनमें विदर्भ से केवल डॉ चांडक ही उपस्थित थीं। वहाँ उन्होंने 'होम्योपैथिक का दंतरोग में योगदान' एवं 'होम्योपैथिक और किडनी (पेशाब की थैली और नली) विकार' इन दो विषयों पर पावर पाइंट की मदद से व्याख्यान दिए। दो अन्य शोधपत्र उन्होंने पोस्टर के जरिये भी प्रस्तुत किये। उनके विषय ये 'होम्योपैथिक एवं रक्त के विकार' और दुर्लभ मानसिक बीमारी में होम्योपैथी का उपचार शामिल है। जर्मनी में इन शोध पत्र प्रस्तुति के लिए उन्हें मेंडेलियन और जर्मन चॉकलेट से सम्मानित किया गया। डॉ. चाँडक इससे पहले भारत सहित लंदन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, यूरो, आबूधाबी में कार्यशाला में भाग ले चुकी हैं।

शुभम को 92 प्रतिशत अंक

बालोतरा. शुभम मानधना ने दसवीं बोर्ड परीक्षा में 92 प्रतिशत अंक हासिल किए। शुभम स्थानीय महिला मंडल अध्यक्ष स्वाति मानधना व व्यवसायी रामचंद्र मानधना के सुपुत्र हैं।

हिमांशु को सीईटी में 243वीं रैंक

नागपुर. हिमांशु ने सीईटी में 243वीं रैंक प्राप्त की है। सफलता के उसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए जेईई मेन एवं एडवांस में भी उत्तम प्रदर्शन किया है। हिमांशु सारडा नागपुर के रामप्रसाद व चंदादेवी सारड़ा के सुपौत्र एवं उज्जैन के गोविंद व प्रेमा राठी के दोहित्र हैं।

खुशबू को शत-प्रतिशत अंक

अमरावती. शहर के प्रतिष्ठित नागरिक अजयकुमार हेड़ा तथा कीर्ति हेड़ा की सुपुत्री खुशबू ने 12वीं की परीक्षा शत-प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। बता दें कीर्ति ने एचएससी बोर्ड कक्षा दसवीं की परीक्षा भी 90 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की थी। मेडिकल प्रवेश परीक्षा में भी 600 अंक मिले थे।

श्रेया को सीपीटी में सफलता

उज्जैन. वरिष्ठ समाजसेवी स्व. रामचंद्र एवं कमला सातल (राठी) की सुपौत्री तथा प्रदीपकुमार एवं प्रीति राठी की सुपुत्री श्रेया राठी ने सीपीटी की परीक्षा में 168 नंबर प्राप्तकर विशिष्ट स्थान प्राप्त किया है। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है।

दर्शिता को 90 प्रतिशत अंक

जोधपुर. जगन्नाथ पुंगलिया की पौत्री और ओमप्रकाश एवं निशा पुंगलिया की सुपुत्री दर्शिता पुंगलिया ने सीबीएसई की कक्षा 12वीं की परीक्षा 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण की आगे दर्शिता लॉ करना चाहती है।

गोविंद को 97 अंक

बैंगलोर. समाज सदस्य गोविंद व भारती सारडा के सुपुत्र हिमांशु सारडा ने 12वीं की परीक्षा 97.2 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। इसमें उन्होंने भौतिकी, रसायन व गणित में 99 प्रतिशत अंक हासिल किए। इस उपलब्धि पर बैंगलोर माहेश्वरी समाज ने उन्हें प्रथम सरस्वती पुरस्कार से सम्मानित किया।

पायल एमबीए में टॉपर

अमरावती. रंगोली वस्त्रालय के संचालक सुरेंद्र राठी की सुपुत्री पायल ने एमबीए वेलगर कॉलेज मुंबई से 97 प्रतिशत अंकों के साथ पूर्ण किया है। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

रूपल एमबीबीएस में प्रथम

मोशी (अमरावती). समाज सदस्य विजय लड्ढा (खेड़वाले) की सुपुत्री रूपल ने एमबीबीएस की उपाधि प्रथम श्रेणी में प्राप्त की है। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

यश का आईआईटी में चयन

ग्वालियर. स्थानीय माहेश्वरी मित्र मंडल के कार्यकारिणी मंडल सदस्य व ग्वालियर नगर सभा के सचिव दीपक मानधना के सुपुत्र यश माहेवरी ने जेईई मेन में 362 वीं व जेईई एडवांस में 558वीं रैंक प्राप्त की है। इसके साथ ही कक्षा 12वीं (पीसीएम) में भी 93 प्रतिशत अंक प्राप्त करके ग्वालियर में पांचवां स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने आईआईटी कानपुर में इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक ब्रांच में प्रवेश लिया है।

अदिति बनी सीए

छिन्दवाड़ा. माहेश्वरी महासभा कार्यकारी मंडल सदस्य राजकुमार राठी एवं माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष संगीता राठी की सुपुत्री अदिति राठी ने चार्टेड अकाउंटेंट (सीए)की परीक्षा उतीर्ण की।

वर्ल्ड रिकॉर्ड में इक्षित-ध्रुवित

बोरीवली. गत 31 मई को शिवगंगा रोलर स्कैटिंग क्लब बेलगाम (कर्नाटक) द्वारा 4 घंटे की स्कैटर्स की सबसे लंबी श्रृंखला बनाई गई। इसमें इंटरनेशनल स्कूल की ग्रेड थर्ड के इक्षित डाड तथा ग्रेड सेवन के ध्रुवित डाड ने भी भाग लिया। इस विशिष्ट उपलब्धि के लिये दोनों का नाम गिनीज बुक ऑफ वल्ड रिकॉर्ड तथा एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज हो रहा है। उल्लेखनीय है कि इक्षित ने 51 घंटे की स्केटेलोन रिले में भी भाग लिया था।

> "ये होना चाहिए कि मैं जहां पाव रखूं वो रास्ता अच्छा हो जाए;
> क्यूँकि जो अपने कदमों की काबिलियत पर विश्वास रखते हैं;
> वो ही अक्सर मंजिल पर पहूँचते हैं।"

खतरनाक दौर में है सम्पूर्ण पृथ्वी

प्रलयकाल की कल्पना न सिर्फ हिंदू संस्कृति में ही है, बल्कि लगभग हर धर्म में मौजूद है। वास्तव में यह कुछ और नहीं पर्यावरण से छेड़छाड़ का नतीजा ही है। आज तमाम वैज्ञानिक आगाह कर रहे हैं कि यदि हम नहीं जागे तो जिस तरह पर्यावरण से हम खिलवाड़ कर रहे हैं, उसे देखते हुए पृथ्वी पर प्रकृति का प्रकोप होने अर्थात प्रलय आने में समय नहीं लगेगा।

▸▸ पं. अखिलेश शर्मा

हमारी पौराणिक काल गणना के अनुसार तो अभी प्रलयकाल में हजारों वर्ष शेष हैं, लेकिन जिस तरह पर्यावरण के संसाधनों का दोहन कर हम प्रकृति से खिलवाड़ कर रहे हैं, ऐसे में प्रलय आने में समय नहीं लगेगा। प्रकृति एक महाशक्ति है, जिसका लक्ष्य सृष्टि का पालन है और यदि हम अपने स्वार्थ के लिये प्रकृति से अपने खिलवाड़ को नहीं रोकेंगे, तो नष्ट हो जाएंगे। जो प्रकृति आज हमारा पालन कर रही है, वही विनाश का कारण भी हो जाएगी। तेजी से हुए वैज्ञानिक विकास के कारण पर्यावरण का ह्रास हमने इतनी तेजी से किया, जितना सामान्य चाल से लाखों वर्षों में होता। यही कारण है कि विनाश के मुहाने पर भी हम वर्षों पूर्व पहुँच चुके हैं। यह सिर्फ काल्पनिक तथ्य नहीं है, बल्कि हमें इसे पहचानना होगा। यदि गत कुछ वर्षों में आईं प्राकृतिक विपदाओं को देखें तो ये इसी प्रलयंकारी स्थिति के पूर्व संकेत हैं, जिन्हें हमें पहचानना होगा।

केदारनाथ में भूस्खलन

विगत वर्ष केदारनाथ में बादल फटने से हुई भारी वर्षा के बाद हुए प्रलयंकारी भूस्खलन का दर्द हम आज भी नहीं भूल पाए हैं। पहाड़ों के वृक्षों की बेदर्दी से कटाई के परिणामस्वरूप पर्वतीय क्षेत्र जर्जर हो चुका है। भवन निर्माण व रेल तथा सड़क मार्ग के निर्माण के लिये पर्यावरणविदों की चेतावनी को अनदेखा कर जिस तरह वन विनाश किया, उसी ने इस विपदा को आमंत्रण दिया। इसमें कई जिंदगियाँ और भवन ताश के पत्तों की तरह नष्ट होकर रह गये।

भूकंप की बढ़ती रफ्तार

यदि कुछ वर्ष पूर्व के आंकड़ों को देखें तो भूकंप की रफ्तार इतनी कम होती थी कि इन्हें कम से कम हमारे देश में तो प्राकृतिक विपदा के रूप में देखा ही नहीं गया। लेकिन लातूर से हुई इनकी विनाशकारी शुरुआत के बाद देश का अधिकांश क्षेत्र भूकंप से प्रभावित हो रहा है। गत वर्ष ही नेपाल में भीषण भूकंप आया था, जिसने भारी तबाही मचाई। अब हमारे देश में भी कई क्षेत्रों में वर्ष में कई बार भूकंप आना एक आम बात हो गई है। परिणाम स्वरूप अब भूकंप रोधी भवन निर्माण होने लगे हैं। लेकिन विचारणीय है कि क्या यही समाधान है? इन्हें प्राकृतिक रूप से नियंत्रित करना जरूरी नहीं है?

कहीं बाढ़-कहीं सूखा

प्रदूषण व वृक्षों की कटाई से जलवायु दुनियाभर में तेजी से बदल रही है। बारिश चक्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। बड़े पैमाने पर वनों की कटाई के चलते बारिश चक्र में गड़बड़ी की घटनाएं बढ़ रही हैं, जो जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा संकेत है। दुनिया की बढ़ती आबादी के साथ वाहनों की संख्या में वृद्धि हो रही है और औद्योगिकीकरण की बढ़ती गति से जलवायु चक्र अनियमित हो रहा है, जिसके परिणामस्वरूप सूखा, अत्यधिक वर्षा, बाढ़, चक्रवात आदि समस्या उत्पन्न हो रही है। साथ ही दुनिया के विभिन्न हिस्सों में गर्मी के मौसम में ठंडी या गर्म हवा चलती है और कुछ देशों में पूरी तरह सूखा भी पड़ रहा है।

कोहरा व अम्लीय वर्षा

गत कुछ वर्षों से महानगर विशेषकर दिल्ली शीत ऋतु में कोहरे के कारण सुर्खियों में है। स्थिति यह है कि इससे वायुयान, सड़क व रेल सभी प्रकार का यातायात तो बाधित होता ही है, मानव जीवन भी कष्टप्रद हो चुका है। इस कोहरे में कई विषैली गैसें भी मिल रही हैं, जिनके कारण यह कोहरा भी अम्लीय हो रहा है। इससे श्वसन संबंधी कई विकट समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं। दिल्ली में तो यह स्थिति रहती है कि इस दौर में स्कूलों आदि की जनहित में छुट्टी भी कर देनी पड़ती है।

सागर जलस्तर में वृद्धि

जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरूप समुद्र जलस्तर में वृद्धि हुई है। ग्लेशियरों के पिघलने के कारण महासागर गर्म हो रहे है। महासागरों का जलस्तर खतरनाक अनुपात से बढ़रहा है, जो तटीय इलाकों की व्यापक तबाही का कारण बन सकता है। भूमि में पानी का खत्म होना, बाढ़, मिट्टी का क्षरण, खारा पानी आदि दुष्प्रभाव जमीन को तबाह कर देते है। यह तटीय जीवन को तबाह कर खेती, पीने के पानी, मत्स्य पालन और मानव आवास को हानि पहुंचा जा रहा है। ध्रुवीय ग्लेशियर पिघलने से समुद्र के स्तर में भी वृद्धि होगी। लगातार तूफान और टॉर्नेडो पहले ही ऐसे संकेत के रूप में उभरे हैं।

संदेश

पौधे लगाऐ 'कल को संवारे'

सामाजिक एवं सोच का परिवर्तन तब क्रांति का रूप ले लेता है, जब समाज का नेतृत्व करने वाला वर्ग इस परिवर्तन की बागड़ोर थाम लेता है। अत: पर्यावरण संरक्षण के महत्व को माहेश्वरी समाज ने भी समझा और इसे अभियान का रूप देने की समाज के सभी गणमान्यजनों ने अपील की।

महादान है पौधारोपण

धर्मशास्त्रों में वृक्षों का महत्व प्रतिपादित किया गया है। वृक्ष का सम्पूर्ण जीवन ही परोपकार के लिये होता है। वे हमसे लेते कुछ नहीं, सिर्फ देते ही देते हैं। स्वच्छ व शीतल वायु, फल, स्वास्थ्य, छाया और भी बहुत कुछ। वर्षा व ऑक्सीजन के लिये तो हम उन पर ही निर्भर हैं। यही कारण है कि पौधारोपण को महादान या महायज्ञ सा महत्व दिया जाता है। मैं अ.भा. माहेश्वरी महासभा की ओर से सभी समाजजनों से अपील करता हूँ कि हम इस महायज्ञ में पौधारोपण के लिये अपनी भी आहुति दें और अर्जित करें ऐसा अक्षय पुण्य जिससे हमारी कई पीढ़ी लाभान्वित हों।

- श्यामसुन्दर सोनी (सभापति-अ.भा. माहेश्वरी महासभा)

पौधारोपण से बड़ा कोई पुण्य नहीं

आज के दौर में हम पर्यावरण की किस खतरनाक स्थिति से गुजर रहे हैं, यह लगभग सभी जानते हैं, लेकिन फिर भी हम अनजान बने हुए हैं। पर्यावरण तो हमारे जीवन का आधार है और इसकी चिंता अगर हम स्वयं नहीं करेंगे तो फिर यह बचेगा कैसे? शासकीय प्रयास यदि ईमानदारी से भी किये जाएँ तो भी ये तब तक सफल नहीं हो सकते जब तक इन्हें आमजन का समर्थन प्राप्त नहीं हो जाता। फिर यह मुद्दा तो हमारे और हमारे भविष्य का ही है। हमें अपनी आने वाली पीढ़ी के बारे में सोचना है। तो संकल्प लें कि हम स्वयं तो पौधे लगाकर उनकी बड़े होने तक देखरेख करें ही, साथ ही सभी को प्रेरित भी करें। याद रखें पौधारोपण से बड़ा कोई पुण्य नहीं।

- कल्पना गगडानी

(राष्ट्रीय अध्यक्ष- अ. भा. माहेश्वरी महिला सभा)

युवा संगठन ने किया 1 लाख पौधे लगाने का आह्वान

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2017 को सम्पूर्ण भारतवर्ष एवं विदेशों में एक लाख पौधे लगाने का आव्हान किया गया। जिसके तहत देश और विदेश में हजारों की संख्या में पौधारोपण किया गया।

माहेश्वरी समाज सदैव ही राष्ट्रीय विकास और जन कल्याण की भावना को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम आयोजित करता आया है। इसी क्रम में पर्यावरण को संरक्षित रखने के लिये देश और विदेश के सभी माहेश्वरी बन्धु एवं युवा साथियों से मैं आग्रह करता हूं कि हमारे स्वस्थ रहने के लिये पर्यावरण को संरक्षित रखना बहुत आवश्यक है। अतः हम सभी को अधिकाधिक पौधारोपण एवं अन्य पर्यावरण को संरक्षित रखने से संबंधित कार्य करने चाहिए।

- राजकुमार काल्या (राष्ट्रीय अध्यक्ष- अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन)

पर्यावरण संरक्षण हमारी अपनी जिम्मेदारी

पर्यावरण की जब भी बात होती है, हम सोचते हैं, इससे हमें क्या लेना-देना? इसी सोच ने तो हमें आज खतरनाक मोड़ पर पहुँचा दिया है। सभी की सोच यही है कि हमें क्या करना? यदि सभी यही सोचेंगे तो फिर पर्यावरण बचेगा कैसे? यह तो हम सभी की जिम्मेदारी है। याद रखें पर्यावरण की शुद्धता से ही हम हैं, अन्यथा हमारा अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा। अतः जिम्मेदारी भी किसी और की नहीं, हमारी ही है। तो आईये हम संकल्प लें कि न सिर्फ हम पौधे लगाएँगे बल्कि उनकी बड़े होने तक पूर्ण रूप से देखरेख की भी करेंगे।

- राजेन्द्र ईनाणी (अध्यक्ष - मप्र पश्चिमांचल प्रादेशिक माहेश्वरी सभा)

एक संतान तो लगाएँ 5 पौधे

संतान की देखरेख को हम अपना दायित्व समझते हैं, लेकिन उन्हीं संतानों के भविष्य की ओर से हम बेखबर हैं। आखिरकार उनका उज्जवल भविष्य तो तभी होगा जब हम उन्हें स्वस्थ जीवन दे सकेंगे। इसके लिए जरूरी है, पर्यावरण का संतुलन। इसका सबसे आसान उपाय है पौधारोपण। याद रखें पेड़ लगाने को शास्त्रों में तो संतान से भी बढ़कर महत्व दिया गया है। आखिर ये तो सभी का कल्याण करते हैं। अतः मैं तो सभी समाजजनों से संगठन की ओर से यही अपील करता हूँ कि यदि आपकी एक संतान है तो कम से कम 5 पौधे लगाएँ और इसी तरह अधिक होने पर 5 से गुणित में। आपका यह प्रयास आपकी भावी पीढ़ी के लिये धन से भी बड़ी सौगात होगी।

त्रिभुवन काबरा (अध्यक्ष-गुजरात प्रादेशिक माहेश्वरी सभा)

पर्यावरण को विकृत होने से बचाएँ

प्रकृति द्वारा भेंट की गई वह हर चीज जो हम अपने जीवन जीने के लिए इस्तेमाल करते हैं, वो पर्यावरण के अंतर्गत आती हैं। पानी, हवा, सूरज की रोशनी, भूमि, पौधे, जानवर, जंगल और प्राकृतिक चीजें। हमारा पर्यावरण पृथ्वी पर स्वस्थ जीवन का अस्तित्व बनाए रखने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आधुनिक युग में तकनीकी उन्नति ने हमें जीवन जीने के लिये कई सुविधाएँ प्रदान की हैं, लेकिन इस प्रक्रिया में हमने प्रकृति से नेचुरुल प्रोसेस में भरपूर छेड़छाड़ कर अपनी बुरी आदतों से पर्यावरण को विकृत करने में कोई कसर नहीं रख छोड़ी है। पानी, हवा, सूरज की रोशनी, भूमि, पौधे, जानवर, जंगल और सभी प्राकृतिक चीजों को प्रदूषित कर दिया तथा अपने जीवन को विकृत कर दिया है। आओ हम इस प्रकृति प्रदत्त पर्यावरण को संतुलित करने की चेष्टा करें। पौधे लगाएँ और हर उस चीज को कम से कम उपयोग लेवें जिनसे पृथ्वी प्रदूषित होती है।

सीए, भँवर राठी,
(प्रदेशाध्यक्ष - वृहत्तर कलकत्ता प्रादेशिक माहेश्वरी सभा)

पौधे लगाएँ कल को संवारें

वृक्ष सिर्फ वृक्ष नहीं होते बल्कि ये तो प्रकृति की वह अद्भुत देन है जिससे हम और हमारा सम्पूर्ण भविष्य संवरा है। हमारा सम्पूर्ण जीवन ही वृक्षों की सौगातों का ऋणी है। ऐसे में पौधारोपण ही इस ऋण को उतारने का एकमात्र उपाय है और वह भी ऐसा कि जिसके द्वारा हम वृक्षों को कुछ नहीं देंगे। बल्कि अपनी भावी पीढ़ी को ही स्वच्छ वातावरण की सौगात देंगे। अतः पौधे लगाएँ और अपना कल संवारें। यदि वृक्ष होंगे तो हम होंगे अन्यथा हम भी विलुप्त हो जाएँगे।

कैलाश कोठारी (प्रदेश अध्यक्ष - दक्षिणी राजस्थान प्रदेश माहेश्वरी सभा)

आने वाली पीढ़ी को क्या देंगे सौगात

जिस तरह हम पर्यावरण को क्षति पहुँचा रहे हैं, ऐसे में विचारणीय है कि हम अपनी भावी पीढ़ी को क्या देंगे? जहरीली हवा, प्रदूषित पानी, कचरे से पटी जमीन व रोगग्रस्त जिंदगी? यह फैसला हमें करना है कि हम क्या करेंगे। इसके लिये अभी से सतर्क होना होगा।

▸▸सुमिता मूंदड़ा, मांलेगांव

''पर्यावरण'' शब्द अपने आप में अत्यंत वृहद शब्द है। इसका तात्पर्य उस सम्पूर्ण वातावरण से है, जिसमें हम रहते हैं। इसके लिये हमें सम्पूर्ण वातावरण की चिंता करना होगी, जिसमें वायु, जल ध्वनि, भूमि सभी शामिल हैं। माहेश्वरी समाज हमेशा से सबसे प्रबुद्ध व अग्रणी समाज रहा है। अतः वर्तमान परिस्थितियों में भी समाज को पर्यावरण के बढ़ते इस खतरे में उसके संरक्षण की ओर कदम बढ़ाना होगा। यह कार्य समाज संगठन वैसे तो कर ही रहे हैं, इसे संगठित रूप से और भी गति देने की आवश्यकता है।

प्लास्टिक मुक्ति का करें शंखनाद

वर्तमान में भूमि के प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण प्लास्टिक बन रहा है। प्लास्टिक एक ऐसा प्रदूषक है, जो हजारों वर्षों तक जमीन में रहने पर भी नष्ट नहीं होता। यही कारण है कि वैज्ञानिक प्लास्टिक के बढ़ते कचरे के प्रति सतत आगाह कर रहे हैं। इससे कृषि भूमि बंजर हो रही है और पॉलीथिन निगल जाने से गाय आदि जानवरों को क्षति हो रही है। माहेश्वरी समाज के कई संगठनों ने इस बारे में अत्यंत महत्वपूर्ण निर्णय किये हैं। कुछ संगठनों ने डिस्पोजल प्लास्टिक सामग्री का उपयोग बंद कर दिया है। वहीं कई संगठन जो कतिपय कारणों से इन पर रोक नहीं लगा पाये वे भी इनके उचित प्रबंधन पर तो अवश्य ही ध्यान दे रहे हैं। इसी के अंतर्गत संगठनों ने अपने कार्यक्रमों में फैली डिस्पोजल सामग्री को अपने स्तर पर एकत्र कर स्वच्छता की एक मिसाल पेश की गई है। यह व्यवस्था सम्पूर्ण समाज में लागू करें अन्य समाजों को प्रेरणा दी जानी चाहिये।

सप्ताह में एक दिन वाहन को दे विराम

वर्तमान दौर में वायु प्रदूषण एक सबसे बड़ी समस्या है। इसमें उद्योगों से तो विषैली गैसे वातावरण में मिल ही रही हैं। इनसे अधिक प्रदूषण वाहनों से फैल रहा है। दिल्ली के अत्यधिक प्रदूषित होने का कारण वाहनों का बेतहाशा उपयोग ही है। इसी को देखते हुए गत दिनों वाहनों के एक दिन के अंतराल से उपयोग का शासन ने वहाँ नियम बनाया था। चाहे वह किन्हीं कारणवश चल नहीं पाया लेकिन इस नियम को आमजन को स्वेच्छा से अपनाया होगा। अतः संगठनों से अपेक्षा है कि वे जनजाग्रति उत्पन्न करें कि लोग कम से कम सप्ताह में एक दिन तो अपने पेट्रोल-डीजल वाहनों का उपयोग न करें। यदि इसी नियम को अपनी जीवन शैली बना लिया जाए तो भी काफी कुछ हद तक प्रदूषण पर नियंत्रण किया जा सकता है। वास्तव में यह हम सभी का कर्तव्य है।

डीजे नहीं कर्ण प्रिय संगीत बजाएँ

वैज्ञानिक स्वयं स्वीकारते हैं कि एक निर्धारित पैमाने से अधिक की ध्वनि शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। वर्तमान दौर में एक अनावश्यक ध्वनि प्रदूषक डीजे इसमें शामिल हो चुका है। इसका कई स्थानों पर विरोध हुआ। कुछ शहरों में इस पर कानूनी प्रतिबंध भी लगा लेकिन फिर भी यह पूर्णतः प्रतिबंधित नहीं हो पाया। इसके लिये भी शुरुआत हम ही कर सकते हैं। कानफोड़ू डीजे के स्थान पर मधुर कर्णप्रिय संगीत बजाएँ। यह मधुर संगीत निश्चित ही मन-मस्तिष्क में मधुरता भरकर रख देगा। याद रखें श्रेष्ठीजन ही श्रेष्ठ शुरुआत करते हैं, अन्य तो उसका अनुसरण ही करते हैं।

जल के महत्व को समझे समझाऐं

जल है तो जीवन है, या कहें जल ही जीवन है। लेकिन विडंबना है कि विगत कुछ वर्षों में जल का जिस बेबर्दी से दुरुपयोग बढ़ा है, ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। नदियाँ गंदा पानी मिलने से नालों का रूप ले चुकी हैं। अभा माहेश्वरी महिला संगठन नदियों के संरक्षण के लिए जनजागरण कर रहा है। इस कार्य का संकल्प सभी संगठनों को लेना होगा। इसके लिए हम नुक्कड़ नाटक या अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों के द्वारा नदियों के महत्व को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर सकते हैं। वर्तमान दौर में भूमिगत जल का दोहन भी एक गंभीर समस्या का रूप ले चुका है। अपने मकान में अपना नलकूप होना फैशन व शान की बात हो चुकी है, चाहे उस मकान में दो लोग ही क्यों न रहते हों। इस सोच के खिलाफ भी आवाज उठाने की जरूरत है, सिर्फ कानून से काम नहीं चलेगा। इसके लिये व्यक्तिगत के स्थान पर सार्वजनिक नलकूपों को बढ़ावा देना होगा। हर घर तक पानी पहुँचे इसके लिये नलकूप से पानी नल के द्वारा घर तक पहुँचाया जा सकता है।

प्रकृति जरूरत तो सबकी पूरी कर सकती है, लेकिन लालच किसी एक का भी नहीं। खुशहाल जीवन के लिए प्रकृति के बनाए हुए नियमों के अनुसार जीवन जीएं कारण यही है कि यदि प्रकृति के अनुरूप हम कार्य करते है, तो वह हमारा भी उसी स्नेह से लालन-पालन करती हैं। अन्यथा रोद्र रूप में विनाश करने से भी नहीं चूकती।

सभी के खुशहाली के लिये जरूरी है पर्यावरण

प्रीतिशा गौरव जाजू, भीलवाड़ा

पर्यावरण संरक्षण हमारी समृद्ध परम्परा व आस्था और श्रद्धा पर आधारित है। हम पेड़, नदी, तालाब, पृथ्वी को आदिकाल से पूजते आये हैं। मानव की लालची वृत्ति से हमारी पुरातन तहजीब पर प्रदूषण हावी हो गया है। अब हम हर बात को धन से तोलने लगे हैं। हम प्रकृति से जितना लेते हैं, उतना वापस करने का कर्तव्य बनता है लेकिन करते नहीं। हमारी सोच स्वार्थ और सिर्फ पाने की होती जा रही है। शायद संसाधनों के पूरी तरह प्रदूषित अथवा समाप्त होने पर ही रुक पाएगी। एक पुरानी कहावत भी सही है कि प्रकृति जरूरत तो सभी की पूरी कर सकती है लालच किसी एक का भी नहीं। हमने पिछले वर्षों में गांव से लेकर देश की राजधानी तक पर्यावरण के स्वरूप को बिगाड़ने का जो हम सबने किया है, इसकी जानकारी सभी को है। हवा-पानी और धरती, आकाश सभी कुछ प्रदूषण की चपेट में हैं, जिसे हम आसानी से समझ भी रहे हैं, देख भी रहे हैं। उसके बाद भी हम सब अनजान बने हैं।

क्या किया है हमने

चारों ओर ग्लोबल वार्मिंग की वार्निंग सुनाई दे रही है। ग्लेशियर का पिघलना, क्लाइमेंट में चेंज, ओजोन परत में छेद, समूचे देश में पेयजल की विकराल होती समस्या, भूकम्प और बाढ़, फिर भी हम सब आंखें मूंदकर सबकुछ देख रहे हैं। हमारी लालची वृत्ति ने हरे-भरे पहाड़ों को काटकर उनकी हजामत कर दी, नदियों और तालाबों में हम गांव और शहरों का मलमूत्र व सिवरेज वाला पानी, थर्माकोल, प्लास्टिक, पॉलीथिन, कचरा डालकर डस्टबिन बना दिया है। भारत के 35 प्रदेशों में कुल 19,54,092.08 हेक्टेयर वन भूमि पर अतिक्रमण है। इसको अतिक्रमण मुक्त कर इस भूमि पर 215 करोड़ पेड़ लगाए जा सकते हैं और वर्षा को आकर्षित किया जा सकता है। वर्षा होने से भारत की गंभीर होती पेयजल समस्या जिस पर खरबों रूपया आपातकालीन योजना बनाकर खर्च किया जा रहा है, वह भी बचेगा। समूचे भारत में जलवायु परिवर्तन के कारण ऋतुओं में असहनीय बदलाव हो रहा है, जिसके कारण तापमान में वृद्धि, वर्षा का कम होना व ग्लोबल वार्मिंग जैसी घटनाएं घटित हो रही हैं।

हमें भी समझनी होगी जिम्मेदारी

भारत सरकार की 1988 में की गई घोषणा जिसमें भारत की भूमि में 33 प्रतिशत भूमि को वनों से आच्छादित करने की बात की थी, जो वोटों की राजनीति के चलते आज तक पूरी नहीं हो पाई। हम अपनी जिम्मेदारी भी ठीक से निभा लें तो पर्यावरण को संरक्षित रखा जा सकता है और इससे होने वाले खतरों से मानव जाति को बचाया जा सकता है। ऐसे में बिगड़ते पर्यावरण के हालातों के चलते भारत के माहेश्वरी समाज के प्रत्येक पुरुष-महिला-नौजवान युवक-युवतियों द्वारा पौधे लगाकर पेड़ बनाए जाएं। पुराने पेड़ों को बचाने, अपने घर-आंगन एवं समाज के भवनों में, धार्मिक, सार्वजनिक स्थलों, विद्यालयों व कृषि भूमि में अधिक से अधिक पौधे लगाकर इस राष्ट्रीय पुनीत कार्य में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हुए प्रकृति संरक्षण में योगदान दें।

पौधे लगाऐं पर्यावरण बचाऐं

माहेश्वरी समाज का प्रत्येक परिवार अपने आवासगृह के बाहर वास्तु की दृष्टि से सर्वश्रेष्ठ मोलश्री व अशोक के पौधे रोपित करें व क्यारियों में चंपा, हार श्रृंगार, मधुकामिनी, चांदनी, गुड़हल, गुलाब, मोगरा, रातरानी, दिन का राजा, चम्पा, तुलसी, बिल्व-पत्र, मीठे नीम, नींबू व अमरूद के पौधे लगाएं। इनकी जड़ें आवासगृह को नुकसान नहीं पहुंचाती हैं। इनको लगाने के लिए कम से कम 2 गुणा 2 गुणा 2 का गड्ढा खोदकर खाद डालकर पौधे की थैली को हटाकर पिंड को न बिखरने दें। जिन आवासगृहों में कच्ची जगह न हो व आवासगृह छोटे हो, तो अपने घर को हरा-भरा व सुंदर बनाने के लिए गमलें में एस्केरिया, फाइकस, साइकस, मनी प्लांट, टोपी कृष्णा, फोनिक्सपाम, एरिकापाम, क्वालिस, पीकॉक, ड्रेसिना, एकलिफा, सिंगोनिया, कोलियस व कई तरह की क्रॉटन्स के पौधे लगाएं। चोड़े मार्गों व स्कूल मैदानों, श्मशान गृहों, धार्मिक स्थलों पर लंबी उम्र व अधिक छाया देने वाले नीम, कदम, शीशम, करंज, कचनार, अर्जुन, पीपल, बरगद, अमलतास के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दें।

यादगार को बनाएँ चिरस्थायी

हम अपने जीवन के हर खुबसूरत पल को पौधारोपण कर सहेज सकते हैं, चाहे वह जन्मदिवस हो या विवाह की वर्षगाँठ अथवा ऐसा ही कोई सुखद पल। जब भी आप अपने लगाये पेड़ को देखेंगे, वह आपकी स्मृति को तरोताजा करता रहेगा। इसके साथ वह पर्यावरण की दृष्टि से जो लाभ देगा वह तो इससे भी कई गुना होगा। ठीक इसी तरह अपने परिवार में किसी के दिवंगत होने पर मृत्यु भोज आदि पर खर्च करने से अच्छा है, उनकी स्मृति में पौधारोपण कर उसे सहेजना। इस पौधारोपण का पुण्य उस दिवंगत आत्म को सदैव मिलता रहेगा और हमें स्वच्छ पर्यावरण।

किस राशि के लोग, कौन से पौधे रोपें

श्याम माहेश्वरी, उज्जैन

मेष- राशि वाले जातकों को खेर, कुचला एवं आंवले के पौधे लगाना चाहिए जो उनकी प्रगति के लिए सहयोगी रहता हैं।

वृषभ- वृषभ राशि के जातकों को जामुन, गुलर व खैर के पौधे लगाना चाहिए जिससे उनकी प्रगति में चार चांद लग जाते हैं।

मिथुन- मिथुन राशि के जातकों को शीशम, बांस व आंधीझाड़ा के पौधे लगाना चाहिए जिससे समस्त बाधाएं नष्ट होकर प्रगति होती है।

कर्क- कर्क राशि के जातकों को पीपल, पलाश (खांकरा), नाग केसर के पौधे लगाना चाहिए।

सिंह- सिंह राशि के जातकों को पलाश (खांकरा), बरगद, आंकड़ा के पौधे लगाना चाहिए।

कन्या- कन्या राशि के जातकों को अरीठा, बेलपत्र, रुद्राक्ष और आंधीझाड़ा के पौधे लगाना चाहिए।

तुला- तुला राशि के जातकों को बेलपत्र, अर्जुन एवं गूलर के पौधे लगाना चाहिए।

वृश्चिक- वृश्चिक राशि के जातकों को खेर, बबूल एवं चीड़ के पौधे लगाना चाहिए।

धनु- धनु राशि के जातकों को पीपल, साल एवं जलबेंत के पौधे लगाना चाहिए।

मकर- मकर राशि के जातकों को कटहल, मंदार एवं खेजड़ी के पौधे लगाना चाहिए।

कुंभ- कुंभ राशि के जातकों को कदम, शमी एवं कटहल के पौधे लगाना चाहिए।

मीन- मीन राशि के जातकों को नीम, महुआ एवं आम के पौधे लगाना चाहिए।

॥ जय महेश ॥

माहेश्वरी वंशोत्पति दिवस की हार्दिक मंगल शुभकामनाएं

माहेश्वरी सभा
माहेश्वरी युवा संघ
माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट
* माहेश्वरी भवन (080-2312 7597)
* माहेश्वरी कन्या छात्रावास (080-2352 7672)

माहेश्वरी महिला मंडल
माहेश्वरी फाउंडेशन
* माहेश्वरी छात्रावास (080-2860 3734)
माहेश्वरी सौहार्द क्रेडिट को-ऑ. लि.
(080-2670 4425)

3/4, Okalipuram Main Road, Bangalore - 560 021 Phone : 080 - 2312 7597
E-mail : sabha@msblr.org, Website : www.msblr.org

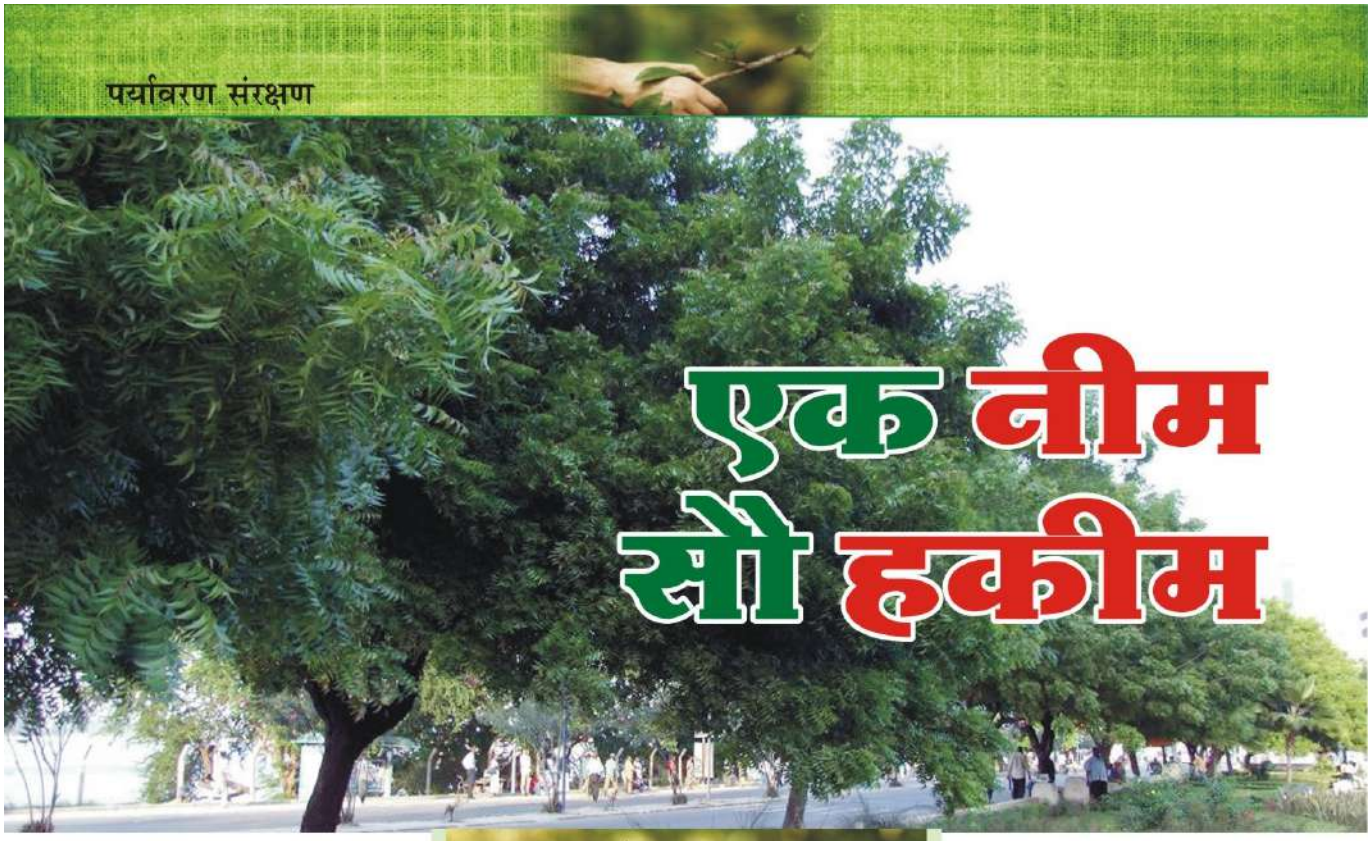

एक नीम सौ हकीम

भारतीय संस्कृति व नीम का विशेष महत्व है। हमारे यहाँ आम धारणा रही है कि जहाँ नीम है, वहाँ रोग व मृत्यु आती नहीं। अमेरिका सहित कई देश इसे पेटेंट कराने में वर्षों से जुटे हैं। विदेशों में नीम को एक ऐसे पेड़ के रूप में पेश किया जा रहा है जो मधुमेह से लेकर कैंसर और न जाने किस-किस तरह की बीमारियों का इलाज कर सकता है। आईये देखें आखिर ऐसा क्या है, नीम में?

▸▸ महेश राठी, मुम्बई

नीम के औषधीय गुणों को घरेलू नुस्खों में उपयोग कर स्वस्थ व निरोगी बना जा सकता है। नीम एक चमत्कारी वृक्ष माना जाता है। जो प्रायः सर्व सुलभ मिल जाता है। यह पूरे भारत में फैला है और हमारे जीवन से जुड़ा है। नीम एक बहुत ही अच्छी वनस्पति है जो भारतीय पर्यावरण के अनुकूल है और भारत में बहुतायत में पाया जाता है। भारत में इसके औषधीय गुणों की जानकारी हजारों सालों से हो रही है। एक कहावत प्रचलित है कि जिस धरती पर नीम के पेड़ होते हैं, वहाँ मृत्यु और बीमारी कैसे हो सकती है। लेकिन अब अन्य देश भी इसके गुणों के प्रति जागरूक हो रहे हैं। नीम हमारे लिए अति विशिष्ट व पूजनीय वृक्ष है। नीम को संस्कृत में निंब वनस्पति कहते हैं।

कई औषधीय गुणों से भरपूर

यह वृक्ष अपने औषधि गुण के कारण पारंपरिक इलाज में बहुपयोगी सिद्ध होता आ रहा है। नीम स्वभाव से कड़वा जरूर होता है परंतु इसके औषधीय गुण बड़े ही मीठे होते हैं। तभी तो नीम के बारे में कहा जाता है कि एक नीम और सौ हकीम दोनों बराबर है। इसमें कई तरह के कड़वे परंतु स्वास्थ्यवर्धक पदार्थ होते हैं। इनमें मार्गोसिं, निम्बिडीन, निम्बेस्टेरोल प्रमुख हैं। नीम सर्वरोगहारी गुणों से भरा पड़ा है। यह हर्बल आर्गेनिक पेस्टिसाइड साबुन, एंटीसेप्टिक क्रीम, दातुन, मधुमेहनाशक चूर्ण, कास्मेटिक आदि के रूप में प्रयोग किया जाता है। नीम की छाल में ऐसे गुण होते हैं। जो दाँतों और मसूढ़ों में लगने वाले बैक्टीरिया को पनपने नहीं देते हैं। इससे दाँत स्वस्थ व मजबूत रहते हैं।

आयुर्वेद शास्त्रों में नीम

चरक संहिता और सुश्रुत संहिता जैसे प्राचीन चिकित्सा ग्रंथों में इसका उल्लेख मिलता है। इसे ग्रामीण औषधालय का नाम भी दिया गया है। यह पेड़ बीमारियों वगैरह से आजाद होता है और उस पर कोई कीड़ा-मकौड़ा नहीं लगता इसलिए नीम को आजाद पेड़ कहा जाता है। भारत में नीम का पेड़ ग्रामीण जीवन का अभिन्न अंग रहा है। लोग इसकी छाया में बैठने का सुख तो उठाते ही हैं, साथ ही इसके पत्तों, निंबौलियों, डंडियों व छाल को विभिन्न बीमारियां दूर करने के लिए प्रयोग करते हैं। ग्रंथों में नीम के गुण के बारे में चर्चा इस तरह है

"निम्ब शीतों लघुग्राही कतुर कोअग्नि वातनुत।
अध्यः श्रमतुटकास ज्वारुचिक्रिमी प्रणतु।।

अर्थात - नीम शीतल, हल्का, ग्राही पाक में चरपरा, हृदय को प्रिय, अग्नि, परिश्रम, तृषा, अरुचि, क्रीमी, व्रण, कफ, वमन, कोढ़ और विभिन्न प्रमेह को नष्ट करता है।

नीम एक - चमत्कार अनेक

- नीम के तेल से मालिश करने से विभिन्न प्रकार के चर्म रोग ठीक हो जाते हैं।
- नीम के तेल का दीया जलाने से मच्छर भाग जाते है और डेंगू, मलेरिया जैसे रोगों से बचाव होता है
- नीम की दातुन करने से दांत व मसूड़े मजबूत होते हैं और दांतों में कीड़ा नहीं लगता है। मुंह से दुर्गंध आना बंद हो जाती है।
- इसमें दोगुना पिसा सेंधा नमक मिलाकर मंजन करने से पायरिया, दांत-दाढ़ का दर्द दूर हो जाता है।
- नीम की कोपलों को पानी में उबालकर कुल्ला करने से दांतों का दर्द चला जाता है।
- नीम की पत्तियां चबाने से रक्त शोधन होता है और त्वचा विकार रहित व चमकदार होती है।
- नीम की पत्तियों को पानी में उबालकर और पानी ठंडा करके उस पानी से नहाने से चर्म विकार दूर होते हैं। ये खासतौर से चेचक के उपचार में सहायक है और उसके विषाणु को फैलने न देने में सहायक है।
- चेचक होने पर रोगी को नीम की पत्तियां बिछाकर उस पर लिटाएं।
- नीम की छाल के काढे में धनिया और सौंठ का चूर्ण मिलाकर पीने से मलेरिया में लाभ होता है।
- नीम मलेरिया फैलाने वाले मच्छरों को दूर रखने में सहायक है। जिस वातावरण में नीम के पेड़ रहते हैं, वहां मलेरिया नहीं फैलता है। नीम के पत्ते जलाकर रात को धुआं करने से मच्छर नष्ट हो जाते हैं और विषम ज्वर मलेरिया से बचाव होता है।
- पत्तियों से निकाले गये तेल से मालिश की जाये तो शरीर के लिये अच्छा रहता है।
- नीम के द्वारा बनाया गया लेप बालों में लगाने से बाल स्वस्थ रहते हैं और कम झड़ते हैं।
- नीम और बेर के पत्तों को पानी में उबालें। ठंडा होने पर इससे बाल धोयें स्नान करें। कुछ दिनों तक प्रयोग करने से बाल झड़ना बंद हो जाएंगे। बाल काले व मजबूत होंगे।
- नीम की पत्तियों के रस को आंखों में डालने से आंख आने की बीमारी समाप्त हो जाती है।
- नीम की पत्तियों के रस और शहद को 2/1 के अनुपात में पीने से पीलिया में फायदा होता है। कान में डालने विकारों में भी फायदा होता है।
- नीम के तेल की 5 से 10 बूंदों को सोते समय दूध में डालकर पीने से ज्यादा पसीना आने और जलन होने संबंधी विकारों में फायदा होता है।
- नीम के बीजों के चूर्ण को खाली पेट गुनगुने पानी के साथ लेने से बवासीर में फायदा होता है।
- नीम की निम्बोली का चूर्ण बनाकर एक-दो ग्राम रात को गुनगुने पानी से लें। कुछ दिनों तक नियमित प्रयोग करने से कब्ज रोग नहीं होता व आंतें मजबूत होती है।
- गर्मियों में लू लग जाने पर नीम के बारीक पंचांग, फूल, फल, पत्तियां छाल एवं जड़ चूर्ण को पानी में मिलाकर पीने से लू का प्रभाव शांत हो जाता है।
- बिच्छू के काटने पर नीम के पत्ते मसल कर काटे गये स्थान पर लगाने से जलन नहीं होती है और जहर का असर कम हो जाता है।
- नीम के 25 ग्राम तेल में कपूर मिलाकर रखें। यह तेल फोड़ा-फुंसी में उपयोगी रहता है।
- गठिया की सूजन पर नीम के तेल की मालिश करें।
- नीम के पत्ती कीड़े मारते हैं इसलिये पत्तों को अनाज व कपड़ों में रखते हैं।
- नीम की 20 पत्तियां पीसकर एक कप पानी में मिलाकर पिलाने से हैजा ठीक हो जाता है।
- आग से जले घाव में इसका तेल लगाने से घाव बहुत जल्दी भर जाता है।
- नीम की जड़ को पानी में उबालकर पीने से बुखार दूर हो जाता है।
- छाल को जलाकर उसकी राख में तुलसी पत्तों का रस मिलाकर लगाने से दाग व अन्य चर्म रोग ठीक होते हैं।

With Best Compliments From

Rajesh Kothari
Director
093747 16126

KOTHARI AGENCY
TEXTILE COMMISSION AGENT
2037-38Silk City Market, Ring Road,
Surat - 395 002 (Guj.) INDIA
Ph : +91-261-2330738, 3002050, 3014514
E-mail : kothariagency1975@gmail.com

Sales Area -
Delhi, UP, Bihar, MP, Rajesthan

Fabrics Deals :
Pali, Balotra, Ichalkaranji,
Bhilwara, Bombay, Surat, Ahmedabad

- Kothari & Kothari Maheshwari Agency, Delhi 9310004527
- Amit Kothari & Co., Bareilly 9412291823
- Kothari Agency, Ahmedabad 9510059388

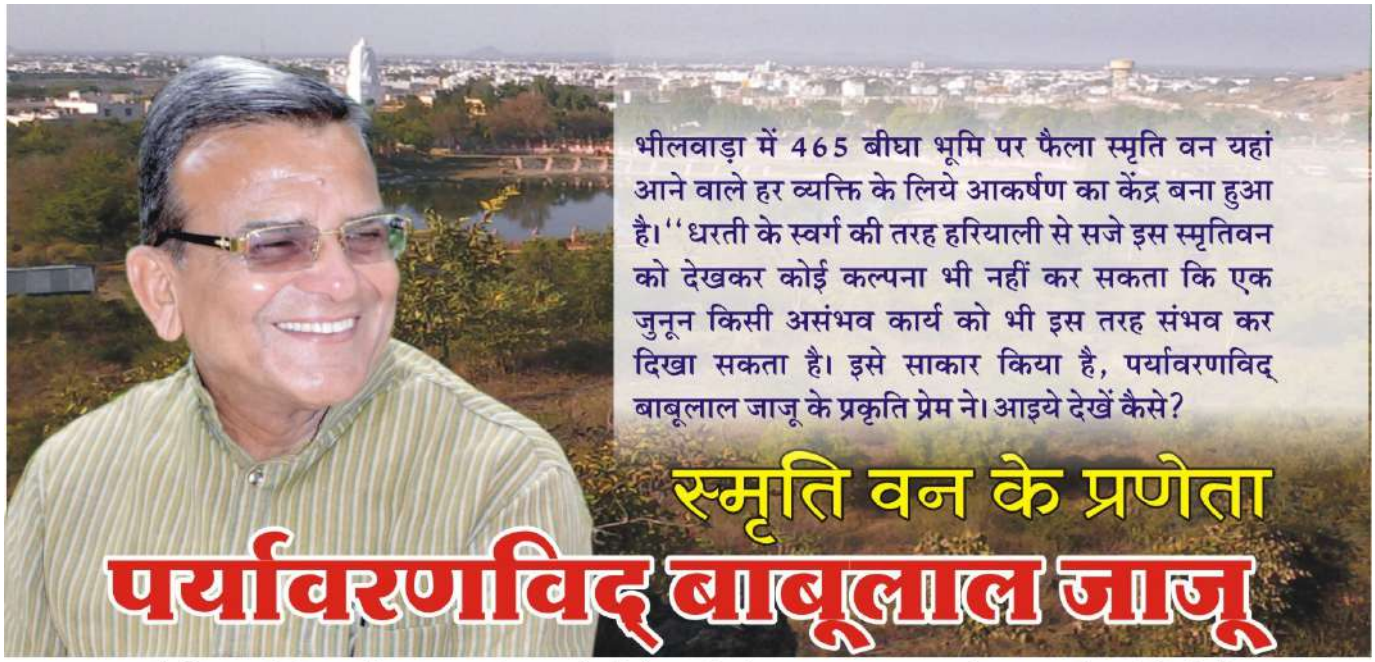

भीलवाड़ा में 465 बीघा भूमि पर फैला स्मृति वन यहां आने वाले हर व्यक्ति के लिये आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। ''धरती के स्वर्ग की तरह हरियाली से सजे इस स्मृतिवन को देखकर कोई कल्पना भी नहीं कर सकता कि एक जुनून किसी असंभव कार्य को भी इस तरह संभव कर दिखा सकता है। इसे साकार किया है, पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू के प्रकृति प्रेम ने। आइये देखें कैसे?

स्मृति वन के प्रणेता पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू

औद्योगिक नगरी भीलवाड़ा में जहां प्रदूषण की समस्या ने बाहें फैला रखी है वहीं दूसरी ओर भीलवाड़ा के निवासी प्रख्यात पर्यावरणविद् जो कि पिछले 30 वर्षों से पर्यावरण व जल संरक्षण के कार्यों को ही अपने जीवन का मिशन बना चुके हैं। बाबूलाल जाजू के 20 वर्षों के प्रयास के बाद स्मृति वन का सपना वर्ष 2007 में पूरा हुआ। भीलवाड़ा में प्रसिद्ध धार्मिक स्थल हरणी महादेव के समीप 465 बीघा भूमि में फैले स्मृतिवन में हजारों की संख्या में लगे सैकड़ों प्रजातियों के पेड़ भीलवाड़ा वासियों के लिए प्राणवायु का केन्द्र बन चुके हैं। स्मृति वन में सघन पौधारोपण, भ्रमण हेतु कच्चा व पक्का ट्रेक, स्मृति वन के बीच तालाब के साथ ही योगा व एक्सरसाईज के लिए एक उद्यान का निर्माण कराते हुए फुटपाथ, झरना, ग्रीन हाउस व अन्य सुविधाएं भी विकसित की।

ऐसे हुई शुरुआत

तत्कालीन जिला कलेक्टर सुधांशु पंत को वर्ष 2005 में जाजू ने स्मृति वन की रूपरेखा बनाकर उनको समूची योजना से अवगत कराते हुए उनको विश्वास दिलाया कि स्मृति वन की योजना आने वाली पीढ़ी के लिए प्रदूषण की बढ़ती समस्या से निजात दिलाते हुए भीलवाड़ा की प्राणवायु का केन्द्र ''लंग्स'' बनेगी, जिस पर कलेक्टर पंत द्वारा 165 बीघा जमीन स्मृति वन के नाम रिकॉर्ड में दर्ज करते हुए आवश्यक निर्माण कार्य के अलावा केवल पौधारोपण ही करने की स्वीकृति प्रदान की थी। तत्कालीन कलेक्टर राजीव सिंह ठाकुर ने वर्ष 2006 में जाजू के निवेदन पर स्मृति वन की सुरक्षा हेतु बाउण्ड्री वाल का कार्य शुरू किया था। बाबूलाल जाजू के सखा नगर विकास न्यास के चेयरमेन बने लक्ष्मीनारायण डाड को जाजू द्वारा स्मृति वन के विकास की योजना को साकार रूप प्रदान करने का आग्रह किया तो डाड ने स्मृति वन को विकसित करने में बढ़-चढ़कर रूचि लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित करते हुए जाजू की मंशा के अनुरूप स्मृति वन को विकसित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

ऐसे चला हरियाली का कारवां

जाजू के अथक प्रयासों से स्मृति वन जो 165 बीघा भूमि पर फैला था, उसके आसपास की 150 बीघा भूमि अवाप्त करवाकर स्मृतिवन का भू-भाग 315 बीघा हो गया व स्मृति वन के करीब ही 150 बीघा वन क्षेत्र पहाड़ी जिसको ग्राम्य वन सुरक्षा एवं प्रबंध समिति हरणी का गठन किया, जिसके अध्यक्ष बाबूलाल जाजू ने आस-पास के ग्रामीणों को जोड़कर अपनो की स्मृति व जन्मदिन व अन्य कोई खुशी के मौके पर पौधारोपण की अनूठी योजना शुरू कर 12500 नये पौधे लगवाकर उनका संरक्षण कर विशालकाय पेड़ बनाये है वहीं पुराने तने के उपर से काटे गये लगभग 13000 पेड़ों को संरक्षण किया जो आज पुनः विशालकाय पेड़ बन चुके है वहीं पहाड़ी पर 5 एनिकट व 15 चेकडेम बनाने के साथ ही जल व मृदा संरक्षण के ऐतिहासिक कार्यों के साथ ही पहाड़ी की चोटी पर ''व्यू पॉइंट'' बनाया, जिससे समूचा स्मृति वन व पहाड़ी दिखाई देती है। इस स्मृति वन में अन्ना हजारे, राजीव दीक्षित, पूर्व राज्यपाल व मुख्यमंत्री शिवचरण माथुर सहित देश की प्रख्यात शख्सियतों ने पौधारोपण किया है, जिनका उल्लेख वहां पढ़ने को मिलता है, वहीं दूसरी ओर स्मृति वन छात्र-छात्राओं के लिए पर्यावरण शिक्षा का केन्द्र बन चुका है, जहां सैकड़ों प्रजातियों के औषधीय व अन्य पौधे लगाकर पेड़ विकसित होकर लाखों परिन्दों का बसेरा बन चुके हैं व पहाड़ी पर राष्ट्रीय पक्षी मोर, उल्लू, गिद्ध, शा-घोष सहित अनेक प्रजातियों के वन्यजीव व तितलियां, चिड़िया चहचहाट करती हुई दिखलाई देती है। आज स्मृति वन में हजारों की संख्या में प्रतिदिन शहर के खास और आम लोग भ्रमण हेतु प्रातः 5 बजे पूर्व ही स्मृति वन के गेट खुलने का इंतजार करते नजर आते हैं।

सम्पूर्ण जीवन किया समर्पित

जाजू को पर्यावरण संरक्षण के महत्वपूर्ण कार्यों के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा अमृता देवी विश्नोई पुरूस्कार, तत्कालीन मुख्यमंत्री भैरोसिंह शेखावत द्वारा वृक्ष वर्धक पुरूस्कार, शिवचरण माथुर द्वारा वन विस्तारक पुरूस्कार के साथ ही अनेक राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय पुरूस्कार प्राप्त कर चुके हैं।

वर्ष 2004 से अब तक जाजू द्वारा राष्ट्रीय राजमार्गों को चोड़ा करने के नाम पर काटे गये करोड़ों पेड़ों के बदले में 3 गुने पेड़ लगाने, नदियां व तालाबों की जमीनो के विक्रय व आवंटन पर रोक लगाने व इनमें सिवरेज वाले गंदे पानी जाने से रोकने हेतु, जंगलों के संरक्षण व बेजुबानो के हक की चरागाह भूमि को आवंटित नहीं करने, राष्ट्रीय पक्षी मोरों के शिकार को रोकने हेतु नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल, उच्च व सर्वोच्च न्यायालय में जनहित याचिकाएं प्रस्तुत कर पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

गमलों के घर की निर्मात्री कुसुम जाजू

टूटा कप हो या फूटा मटका। मिट्टी का गमला हो या कांच की बोटल, जग हो अथवा खाली बाल्टी। फिर सीमेंट के पाईप ही क्यों न हों, आजाद चौक भीलवाड़ा निवासी कुसुम जाजू ने किसी को नहीं छोड़ा, हर उस पात्र को जिसका उनके लिए कोई उपयोग नहीं था, उसमें पौधे रोंप दिये और उसे आकार दे दिया एक आकर्षक गमले का। जिसमें मुस्कुराता हरा-भरा पौधा लहलहा रहा है, जैसे किसी प्रशिक्षित बागवान द्वारा पौधों को सींचा जाता है। वस्त्र व्यवसायी सुरेश जाजू की पत्नी कुसुम जाजू ने अपने घर की सीढ़ियों में प्रवेश करने के साथ ही सैकड़ों गमलों में मनी प्लांट, अनेक किस्मों के बॉटल पाम, ऐरूका पाम, मीठा नीम, बिच्छू बेल, क्रोटन्स, कैक्टस सहित लगभग 60 प्रजातियों के छोटे-बड़े 250 गमलों से आवास को गमलों का घर बना दिया, जो शहर के सर्वाधिक व्यस्ततम आजाद मार्केट में प्रथम मंजिल पर है यहां से अनेक पौधों की लहलहाती हुई बेलें नीचे लटकती हुई दिखलाई देती है, आने-जाने वाले बेलों को देखकर चर्चा किये बिना नहीं रह पाते। गमलों में लगे पौधों में सर्वाधिक महंगे एरूकेरिया व साइकस के पौधे हैं।

कोई कोना हरियाली से अछूता नहीं।

कुसुम जाजू के मकान में एक भी कौना ऐसा नहीं दिखता, जहां हरियाली न हो, यहां तक कि बेडरूम और बाथरूम तक में पौधे लगे हैं। यहां चीनी के मग व अन्य छोटे पात्र में भी पौधे लगाये गये हैं, इन पौधों को प्रतिदिन पानी देने, सफाई, काटाई, छंटाई आदि का कार्य खुद कुसुम जाजू करती है वहीं कुसुम जाजू की अनुपस्थिति में पुत्रवधू सोनल व पुत्र आदित्य जाजू भी पौधों में रूचि रखकर कुसुम जाजू की हरियाली बढ़ाने की मुहिम को पूरा करने में हाथ बंटाते हैं।

लोग वेस्ट मटेरियल का उपयोग ''बेस्ट'' के रूप में सजावट के रूप में करते हैं। लेकिन भीलवाड़ा निवासी कुसुम जाजू इन्हें ''बेस्ट'' का भी ''बेस्ट'' बनाने में जुटी हैं, हरियाली और खुशहाली के साथ।

▸▸ शंकर सोनी, भीलवाड़ा

जीवन प्रबंधन समूह व महात्योहार आयोजन समिति का अद्‌भुत राष्ट्रीय आयोजन

एक शाम रिश्तों के नाम

(किष्किंधा कांड के हनुमानजी पर आधारित व्याख्यान)

इस वर्ष की विशेषता श्रवण कम–क्रिया अधिक

श्री हनुमान चालीसा से मेडिटेशन के कोर्स के साथ।

इस बार किष्किंधा कांड अपने आप में एक वर्कशॉप होगा।

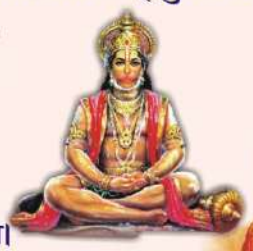

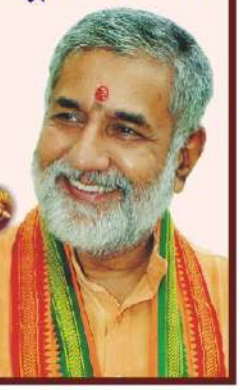

रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर

रविवार 6 अगस्त 2017 सायं 5 से रात्रि 8

कार्यक्रम स्थल – रवीन्द्र नाट्य गृह, आर.एन.टी. मार्ग, इन्दौर

संस्कार चैनल पर सीधा प्रसारण सायं 6.30 से 8 बजे

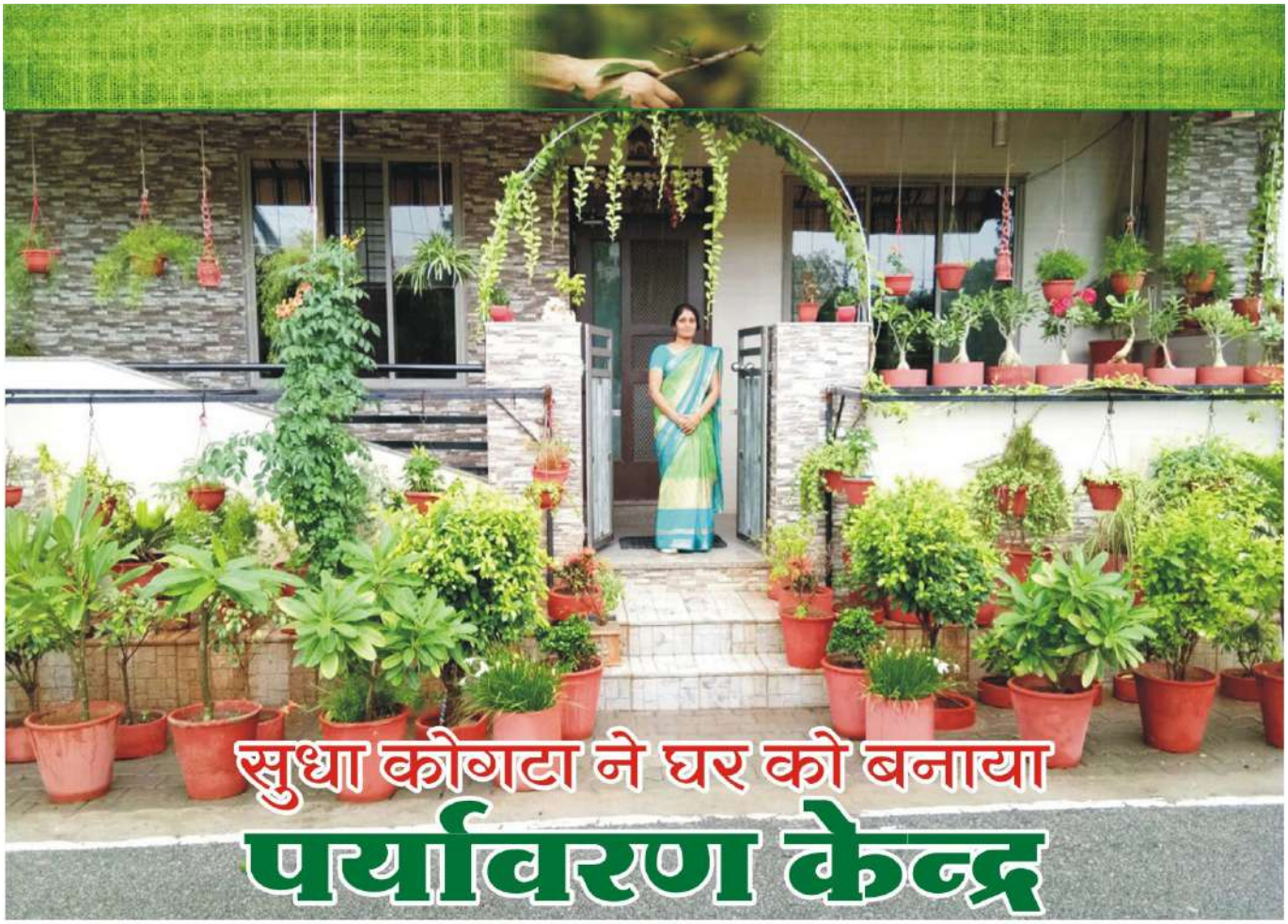

सुधा कोगटा ने घर को बनाया पर्यावरण केन्द्र

भीलवाड़ा कुमुद विहार निवासी 43 वर्षीय सुधा कोगटा ने अपने मकान में कच्ची जगह नहीं होने के बावजूद 100 से अधिक गमलों में लगभग 30 प्रजातियों के फूलदार, फलदार व बेल वाले पौधे लगाकर अपने घर को हरा-भरा कर पर्यावरण केंद्र बनाते हुए अन्य महिलाओं को गमलों में पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया है। श्रीमती कोगटा अपने घर-गृहस्थी के कार्यों को करने के बाद समय बचाकर स्वयं गमलों में लगे पौधों की निराई, गुड़ाई, पिलाई के साथ ही पौधों की रखरखाव की व्यवस्था करती हैं। श्रीमती कोगटा संदीप कोगटा से 20 वर्ष पूर्व विवाह बंधन में बंधी, उससे पूर्व भी पौधों को लगाकर उन्हें पल्लवित करने में रूचि रखती थी।

एक नहीं बल्कि 100 गमलों में पौधे लगाकर उनकी नित्य देखरेख करना कोई आसान कार्य नहीं है। लेकिन भीलवाड़ा की सुधा कोगटा इस जिम्मेदारी को बखुबी निभा रही हैं, सिर्फ पर्यावरण के लिये।

▸▸ शंकर सोनी, भीलवाड़ा

इस तरह चला उनका करवाँ

पूर्व के मकान में स्थान की कमी होने से अपना हरियाली बढ़ाने का शौक पूरा नहीं कर पाई, जिसे श्रीमती कोगटा ने भीलवाड़ा की हरी-भरी कॉलोनी कुमुद विहार में 6 वर्ष पूर्व आकर लगभग 100 गमलों में पौधे लगाकर प्रतिदिन उन्हें अपनी दो बेटियां स्नेहिल व खुशी की तरह ही उनका पूरा ख्याल रखकर पूरा किया। श्रीमती कोगटा पूरे घर को हरियाली से सरोबार करते हुए अन्य महिलाओं को पौधे लगाकर घर को हरा-भरा बनाने के लिए प्रेरित करती है। अब कोगटा द्वारा लगाये गये पौधों की चर्चा पूरे शहर होने लगी है।

पर्यावरण सृष्टि बचाऐं

अद्भुत शक्ति के स्त्रोत हैं बिल्व पत्र

बिल्व पत्र भगवान शिव की पूजा में अनिवार्य हैं। मान्यता है कि इनसे ही शिव-पार्वती का आशीर्वाद मिलता है। इसका कारण देखा जाए तो इसके पीछे इसमें अद्भुत शक्तियों का समाहित होना है। आईये देखें बिल्व पत्रों से कैसे उठाएँ लाभ?

▸▸ कैलाशचंद्र लड्ढा, भीलवाड़ा

क्या हैं बेल पत्र अथवा बिल्व-पत्र?

बिल्व-पत्र एक पेड़ की पत्तियां हैं, जिस के सभी पत्ते लगभग तीन-तीन के समूह में मिलते हैं। कुछ पत्तियां चार या पांच के समूह की भी होती हैं। किन्तु चार या पांच के समूह वाली पत्तियां बड़ी दुर्लभ होती हैं। बेल के पेड को बिल्व भी कहते हैं। बिल्व के पेड़ का विशेष धार्मिक महत्व हैं। शास्त्रोक्त मान्यता है कि बेल के पेड़ को पानी या गंगाजल से सींचने से समस्त तीर्थों का फल प्राप्त होता है एवं भक्त को शिवलोक की प्राप्ति होती है। बेल की पत्तियों में औषधि गुण भी होते हैं। जिसके उचित औषधीय प्रयोग से कई रोग दूर हो जाते हैं। भारतीय संस्कृति में बेल के वृक्ष का धार्मिक महत्व है, क्योकि बिल्व का वृक्ष भगवान शिव का ही रूप है। ऐसी धार्मिक मान्यता है कि बिल्व-वृक्ष के मूल अर्थात उसकी जड़ में शिव लिंग स्वरूपी भगवान शिव का वास होता है। इसी कारण से बिल्व के मूल में भगवान शिव का पूजन किया जाता है। पूजन में इसकी मूल यानी जड़ को सींचा जाता है।

धर्मशास्त्रों में बिल्व पत्र

बेल वृक्ष की उत्पत्ति के संबंध में 'स्कंदपुराण' में कहा गया है कि एक बार देवी पार्वती ने अपनी ललाट से पसीना पोछकर फेंका, जिसकी कुछ बूंदें मंदार पर्वत पर गिरीं, जिससे बेल वृक्ष उत्पन्न हुआ। इस वृक्ष की जड़ों में गिरिजा, तना में महेश्वरी, शाखाओं में दक्षयायनी, पत्तियों में पार्वती, फूलों में गौरी और फलों में कात्यायनी वास करती हैं। बेल वृक्ष के कांटों में भी कई शक्तियाँ समाहित हैं। यह माना जाता है कि देवी महालक्ष्मी का भी बेल वृक्ष में वास है। जो व्यक्ति शिव-पार्वती की पूजा बेलपत्र अर्पित कर करते हैं, उन्हें महादेव और देवी पार्वती दोनों का आशीर्वाद मिलता है। 'शिवपुराण' में इसकी महिमा विस्तृत रूप में बतायी गयी है। धर्मग्रंथों में भी इसका उल्लेख मिलता है।

बिल्वमूले महादेवं लिंगरूपिणमव्ययम्यः पूजयति पुण्यात्मा स शिवं प्राप्नुयाद्।। बिल्वमूले जलैर्यस्तु मूर्धानमभिषिञ्चति।स सर्वतीर्थस्नातः स्यात्स एव भुवि पावनः।। (शिवपुराण)

भावार्थः बिल्व के मूल में लिंगरूपी अविनाशी महादेव का पूजन जो पुण्यात्मा व्यक्ति करता है, उसका कल्याण होता है। जो व्यक्ति शिवजी के ऊपर बिल्वमूल में जल चढ़ाता है, उसे सब तीर्थों में स्नान का फल मिल जाता है।

कब न तोड़ें बिल्व पत्र

बेल की पत्तियां सोमवार के दिन नहीं तोड़ना चाहिए। बेल की पत्तियां चतुर्थी, अष्टमी, नवमी, चतुर्दशी और अमावस्या की तिथियों को नहीं तोड़ना चाहिए। बेल की पत्तियसां संक्रांति के दिन नहीं तोड़ना चाहिए।

अमारिक्तासु संक्रान्त्यामष्टम्यामिन्दुवासरे।बिल्वपत्रं न च छिन्द्याच्छिन्द्याच्चेन्नरकं व्रजेत।। (लिंग पुराण)

भावार्थः अमावस्या, संक्रान्ति के समय, चतुर्थी, अष्टमी, नवमी और चतुर्दशी तिथियों तथा सोमवार के दिन बिल्व-पत्र तोड़ना वर्जित है। चढ़ाया गया पत्र भी पूनः चढ़ा सकते है?शास्त्रों में विशेष दिनों पर बिल्व-पत्र तोडकर चढ़ाने से मना किया गया हैं, तो यह भी कहा गया है कि इन दिनों में चढ़ाया गया बिल्व-पत्र धोकर पुनः चढ़ा सकते हैं।

त्रिपत्र ही नहीं सभी बिल्व पत्र उपयोगी

बिल्व पत्र चार प्रकार के होते है – अखंड बिल्व पत्र, तीन पत्तियों के बिल्व पत्र, छः से 21 पत्तियों तक के बिल्व पत्र और श्वेत बिल्व पत्र। इन सभी बिल्व पत्रों का अपना-अपना आध्यात्मिक महत्व है। अखंड बिल्व पत्र का विवरण बिल्वाष्टक में इस प्रकार है–''अखंड बिल्व पत्रं नंदकेश्वरे सिद्धर्थ लक्ष्मी''। यह अपने आप में लक्ष्मी सिद्ध है। एकमुखी रुद्राक्ष के समान ही इसका अपना विशेष महत्व है। यह वास्तुदोष का निवारण भी करता है। इसे गलें में रखकर नित्य पूजन करने से व्यापार में चौमुखी विकास होता है। तीन पत्तियों वाले पत्र बिल्व पत्र के महत्व का वर्णन भी बिल्वाष्टक में आया है जो इस प्रकार है- ''त्रिदलं त्रिगुणाकारं त्रिनेत्रं च त्रिधायुतम् त्रिजन्म पाप सहारं एक बिल्वपत्रं शिवार्पणम''। यह तीन गणों से युक्त होने के कारण भगवान शिव को प्रिय है। इसके साथ यदि एक फूल धतूरे का चढ़ा दिया जाए, तो फलों में बहुत वृद्धि होती है। इसमें भक्त को धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति होती है। रीतिकालीन कवि ने इसका वर्णन इस प्रकार किया है- ''देखि त्रिपुरारी की उदारता अपार कहां पायो तो फल चार एक फूल दीनो धतूरा को'' भगवान आशुतोष त्रिपुरारी भंडारी सबका भंडार भर देते हैं। कभी-कभी एक ही वृक्ष पर चार, पांच, छह पत्तियों वाले बिल्व पत्र भी पाए जाते हैं। परंतु ये बहुत दुर्लभ हैं। छह से लेकर 21 पत्तियों वाले बिल्व पत्र मुख्यतः नेपाल में पाए जाते हैं। पर भारत में भी ये कहीं-कहीं मिलते हैं। जिस तरह रुद्राक्ष कई मुखों वाले होते है उसी तरह बिल्व पत्र भी कई रूप रंग वाले होते हैं। श्वेत बिल्व पत्रजिस तरह सफेद सांप, सफेद टांक, सफेद आंख, सफेद दूर्वा आदि होते हैं। उसी तरह सफेद बिल्वपत्र भी होता है। यह प्रकृति की अनमोल देन है। इस बिल्व पत्र के पूरे पेड़ पर श्वेत पत्ते पाए जाते हैं। इसमें हरी पत्तियां नहीं होतीं। इन्हें भगवान शंकर को अर्पित करने का विशेष महत्व है।

आयुर्वेद में बिल्व पत्र

यह एक रामबाण दवा भी है। वनस्पति में बेल का अत्यधिक महत्व है। यह मूलतः शक्ति का प्रतीक माना गया है। किसी-किसी पेड़ पर पांच से साढ़े सात किलो वजन वाले बेलफल लगते है। चिकित्सा विज्ञान में बेल का विशेष महत्व है। आजकल कई व्यक्ति इसकी खेती करने लगे हैं। इसके फल से शरबत, अचार और मुरब्बा आदि बनाए जाते हैं। यह हृदय रोगियों और उदर विकार से ग्रस्त लोगों के लिए रामबाण औषधि है। धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के कारण इसे मंदिरों के पास लगाया जाता है। बिल्व वृक्ष की तासीर बहुत शीतल होती है। गर्मी की तपिश से बचने के लिए इसके फल का शर्बत बड़ा ही लाभकारी होता है। यह शर्बत कुपाचन, आंखों की रोशनी में कमी, पेट में कीड़े और लू लगने जैसी समस्याओं से निजात पाने के लिए उत्तम है। औषधीय गुणों से परिपूर्ण बिल्व की पत्तियों मे टैनिन, लोह, कैल्शियम, पोटेशियम और मैग्नेशियम जैसे रसायन पाए जाते हैं।

पर्यावरण संरक्षण का सबसे श्रेष्ठ तरीका जैविक खेती

विज्ञान ने यदि हमें कई सौगातें दी हैं, तो कई परेशानियाँ भी। इन्हीं में शामिल है, हमारी अर्थव्यवस्था व जीवन का आधार कृषि भी। यह भी कुछ समय के लिए विपुल उत्पादन देने के बाद अब लगातार बंजर होती जा रही है। कई गम्भीर बीमारियाँ सिर उठा रही हैं। इन सभी का एक ही उपाय हो सकता है और वह है, जैविक खेती।

सूर्यप्रकाश लड्ढा
सोजतरोड, पाली

वर्तमान दौर की समस्याओं के समाधान के लिए हमें बीते समय में जाकर अध्ययन करना पड़ेगा। पहले समय में खेती प्राकृतिक तौर-तरीकों पर निर्भर होती थी। गाय, भैंस बहुतायात से होते थे, जिससे गोबर खाद प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हुआ करता था। कोई भी रासायनिक खाद नहीं था। फसल में कोई बीमारी नहीं थी, अगर थी भी तो वह पारम्परिक प्रयोग से दूर हो जाया करती थी। लेकिन समय बीतते-बीतते गाय, भैंसों के कम हो जाने की वजह से गोबर खाद की कमी हो गई। फिर रासायनिक खाद का आगमन हुआ, जिसने कृषि क्षेत्र में क्रान्ति ला दी और फसल काफी होने लगी, क्योंकि वे (रासायनिक खाद) जमीन में से तत्त्वों को खींचकर फसल को दे देते थे। रासायनिक खादों ने घुलनशील पदार्थों को धीरे-धीरे अघुलनशील तत्त्वों में परिवर्तित करना शुरु कर दिया, जिससे जमीन में अघुलनशील तत्त्वों का जमाव हुआ तथा फिर रासायनिक खाद जो फसल को पैदा तो कर देता था, लेकिन कब तक आखिरकार उत्पादन कम होने लगा।

उपजाऊता को भी किया प्रभावित

इसके साथ ही जो भी फसल रासायनिक खादों के जोर से पैदा हो रही थी वह कमजोर थी, जिसकी वजह से फसल में बीमारियाँ जोर पकड़ती गई, जिस कारण से हमें जहरीले कीटनाशक डालना पड़ा। इसका नतीजा यह हुआ कि मनुष्य के शरीर पर उसका असर होने लगा, बीमारियाँ बढ़ीं तथा पौधों की मूल संरचना पर इसका असर पड़ा, जिससे उसके स्वाद में भी परिवर्तन हुआ। इन सब बातों का असर पर्यावरण पर भी हुआ तथा प्रदूषण भी बढ़ा। इनसे खेती में फसल का उत्पादन कम होता जा रहा है। जमीन दिन-पर-दिन कीटनाशकों के उपयोग से बंजर होती जा रही है। फसल में बीमारियाँ बढ़रही हैं। कीटपतंगे दिन-पर-दिन ताकतवर होते जा रहे हैं, जिसके कारण अधिक मात्रा में कीटनाशकों का उपयोग करना पड़ रहा है और भी कई प्रकार के प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष नुकसान एवं आपदाओं का सामना करना पड़ रहा है।

फैलता जा रहा है जहर

भूमि की भौतिक, रासायनिक एवं जैविक संरचना इन रसायनों के उपयोग से प्रभावित हो रही है। इसी का परिणाम है कि हानिकारक तत्त्वों की मात्रा जमीन एवं पौधों में बढ़ रही है। वैज्ञानिक परीक्षणों में 70 प्रतिशत सब्जियों में हानिकारक तत्त्वों की मात्रा अधिक पाई गई है। इसके साथ ही रासायनिक खेती से भोजन, पानी एवं पर्यावरण प्रदूषित हो रहे हैं। कैंसर, हृदयरोग, डायबिटीज एवं अन्य खतरनाक बीमारियाँ, खेती में उपयोग होने वाले रसायनों की वजह से होती हैं। इतना ही नहीं रासायनिक खाद्यान्न की वजह से आज माँ के दूध में भी डीडीटी के अवशेष पाये जा रहे हैं।

जैविक खेती ही एकमात्र मार्ग

वैज्ञानिक अनुसन्धानों से यह सिद्ध हुआ कि अगर जैविक खाद एवं जैविक कीटनाशकों का उपयोग करें, तो हम हमारे कृषि उत्पादों को बढ़ा भी सकते हैं तथा जमीन को भी सुधार सकते हैं, क्योंकि वे हमारे प्राचीनतम प्राकृतिक उपायों का ही आधुनिक रूप है। जैविक खाद एवं जैविक कीटनाशकों के उपयोग से हम हमारी फसलों, सब्जियों आदि को मूल स्वरूप एवं स्वाद में प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही जल, वायु, खेती की मिट्टी, मित्र कीटों, पशुधन तथा वन्य प्राणियों की रक्षा करते हुए कृषि उत्पादन में वृद्धि और अन्ततः पृथ्वी पर मानव जीवन का कल्याण कर सकते हैं।

देश की अर्थक्रांति है GST

जीएसटी अर्थात् गुड्स एंड सर्विस टैक्स को लेकर व्यापारी व आम व्यक्तियों में एक विशेष आशा व भय का मिश्रित माहौल बना हुआ है। वास्तव में इससे डरने की जरूरत नहीं है, यह तो व्यापार को और भी आसान कर देगा तथा वस्तुओं के मूल्य को भी नियंत्रित करेगा। कारण यह है कि इसमें टैक्स पर टैक्स लगने का भय नहीं रहेगा।

▸▸ आर.एल. काबरा, मुम्बई

जीएसटी टैक्स पूरे भारत में 1 जुलाई से 2017 से शुरू हो चुका है एवं इसे अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है। पूर्व में पूरे भारत के अलग-अलग राज्यों में टैक्स के नियम अलग-अलग होने के कारण एक ही निर्माता की बनाई हुई वस्तु का मूल्य विभिन्न राज्यों में प्रायः अलग-अलग रहता था। एक ही वस्तु पर कई प्रक्रिया के दौरान कई बार टैक्स वसूल कर लिया जाता था। इससे उसकी कीमत महंगी पड़ती है। जीएसटी के लागू होने से किसी भी वस्तु पर केवल एक बार टैक्स लगेगा और वह सिर्फ रिटेल मूल्य पर जिसकी टैक्स दर 5 से 28 प्रतिशत होगी। माहेश्वरी समाज के लगभग सभी व्यापारी समुदाय इस जीएसटी से प्रभावित हो सकते हैं। अतः फायदा-नुकसान समझना होगा तथा इसको क्रियान्वित करने में पहल करनी होगी ताकि हम राष्ट्र की उन्नति में योगदान दे सकें। जीएसटी के लागू होने से पूरे देश में एक ही प्रकार का अप्रत्यक्ष कर लगेगा जिससे व्यवसायी को खरीदी गयी वस्तुओं पर चुकाए गये जीएसटी की पूरी क्रेडिट मिलेगी। इसका उपयोग बेची गई वस्तुओं व सेवाओं पर लगे जीएसटी के भुगतान में हो सकेगा। इससे टैक्स पर टैक्स लगाने की स्थिति से बचा जा सकेगा। ऐसी आशा है कि जीएसटी के लागू होने से लागत में भी कमी आएगी। अतः वस्तुओं के दाम कम होंगे। वर्तमान में यह दिखाई भी रहे रहा है।

जीएसटी में शामिल हैं तीन टैक्स

जीएसटी केवल अप्रत्यक्ष करों का एकीकरण है जबकि प्रत्यक्ष कर जैसे आयकर आदि वर्तमान व्यवस्था के अनुसार ही लगेंगे। जीएसटी दो स्तर पर लगेगा एक तो सीजीएसटी (केंद्रीय वस्तुएं एवं कर) और एसजीएसटी (राज्य वस्तुएँ एवं सेवा कर) जो कि क्रमशः केंद्र एवं राज्य को मिलेंगे। एक राज्य से दूसरे राज्य में वस्तुओं और सेवाओं कि बिक्री होने पर आईजीएसटी (एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर) लगेगा। इसे केंद्र एवं राज्य सरकार में बांटा जाएगा। सभी तरह टैक्स जैसे कि सीजीएसटी, आईजीएसटी एवं जीएसटी के इनपूट क्रेडिट का उपयोग आउटपुट टैक्स के भुगतान में किया जा सकेगा। ऐसा मानना है कि 81 प्रतिशत वस्तुओं पर जीएसटी की दर 18 प्रतिशत या उससे नीचे है। अतः उपभोग की अधिकांश वस्तुओं की कीमतों में कमी करने की सरकार की यह पहल है।

किनके लिए जीएसटी पंजीयन जरूरी

निर्माता, सेवा देने वाले तथा व्यापारी वर्ग जिनका वार्षिक संकलित कारोबार 20 लाख रुपए से कम है, उन्हें कोई जीएसटी देने की जरूरत नहीं है और उन्हें पंजीकरण की भी जरूरत नहीं है। छोटे व्यवसायी एवं निर्माता जिनका वार्षिक संकलित कारोबार 75 लाख रुपए तक है, वह कम्पोजिशन स्कीम का लाभ ले सकते हैं। इसमें व्यापारी को 1 प्रतिशत, निर्माता को 2 प्रतिशत एवं रेस्तरां को 5 प्रतिशत कम्पोजिट जीएसटी लगेगा तथा इस विकल्प को चुनने पर न तो इनपुट टैक्स क्रेडिट लिया जा सकता है और न ही आगे पास किया जा सकता है। ऑनलाइन पंजीकरण, रिटर्न, कर भुगतान, रिफंड एवं अन्य प्रक्रियाओं के द्वारा विलंब एवं हस्तक्षेप कम होगा, अनुपालन का बोझ कम होगा, रिटर्न में एचएसऐन कोड देना भी जरूरी नहीं होगा तथा इस विकल्प को चुनने के बाद केवल एक तिमाही रिटर्न कुल संकलित कारोबार के विवरण के साथ दाखिल करना होगा तथा विवरण वाला बीजक जरूरी नहीं है, केवल आपूर्ति का बिल पर्याप्त होगा।

कैसे करें जीएसटी रिटर्न फाइलिंग

जीएसटी कानून के एक महीने में की गई सभी प्रकार की बिक्री के कारोबार के लिए रिटर्न अगले महीने की 10 तारीख तक भरना है। जुलाई के लिए यह सीमा 5 सितंबर तक तथा अगस्त के लिए 20 सितंबर तक बढ़ाई गई है। वैसे 6 माह तक सख्त कार्यवाही नहीं होगी। एक्सेल शीट में कंपनियों को इनवॉइस नंबर, खरीदार का जीएसटीआईएन, बेचे गए सामान या वस्तुओं का मूल्य या बिक्री की गई सेवाएं, टैक्स वसूली और भुगतान किये गए टैक्स लेन-देन का ब्योरा देना होगा। छोटे व्यापारी हर दिन के लेनदेन का ब्योरा व रोजाना बिल को ऑफलाइन एक्सेल शीट पर डाल

सकेंगे ताकि रिटर्न फाइल करते समय एक साथ सभी को अपलोड करना नहीं होगा और रिटर्न भरने में आसानी होगी। एक सामान्य टैक्स पेयर को जीएसटी में हर महीने तीन रिटर्न फाइल करने होंगे। कम्पोजिट स्कीम के तहत छोटे व्यापरियों के लिए (वार्षिक टर्नओवर 75 लाख से कम) हर महीने में एक रिटर्न भरना होगा और वर्ष के अंत में एक कंबाइन रिटर्न भरना होगा, इस प्रकार कुल 5 रिटर्न भरने होंगे। सरकार ने कहा कि हर महीने तीन रिटर्न फाइल करने होंगे। सरकार ने यह भी कहा कि खुदरा व्यापारियों को हर महीने रसीद वार विवरण देने की जरूरत नहीं है एवं करीब 80 प्रतिशत कारोबारियों को रिटर्न में कुल कारोबार का ब्योरा देना होगा क्योंकि वे खुदरा कारोबारी हैं। रिटर्न फाइलिंग बड़ा आसान एवं पारदर्शी है और मशीन के द्वारा ऑनलाइन करना होगा। सरकार के आश्वासन दिया है कि फाइलिंग प्रक्रिया को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं है।

टीम को ट्रेनिंग देनी होगी

आपको अपने सभी कर्मचारियों को ग्राहकों, वेंडर्स को एवं डिस्ट्रीब्यूटर तथा एजेंटों को कानून में संशोधनों के बारे में ट्रेनिंग देना जरूरी है। आप उनसे एक फॉर्म भरवाकर डेटा अपने पास एम्पेनलमेंट के रूप में भी रख सकें तो ज्यादा बढ़िया होगा।

कस्टमर्स के साथ कॉन्ट्रेक्ट का पुन: आकलन

मौजूदा सिस्टम में इनपुट सर्विसेज कि लोकेशन और इस तरह की सर्विसेज के लिए इनवायश हासिल करने से जुड़ी लोकेशन के बीच संबंध स्थापित करने की जरूरत नहीं है। जीएसटी रिजीम में चूँकि हर राज्य का क्रेडिट पुल अलग से रखा जाएगा। लिहाजा यह पक्का करना जरूरी होगा कि इनपुट सर्विसेज के लिए इनवायश उसी ठिकाने पर हासिल किया जाए, जहाँ ऐसी सर्विसेज की क्रेडिट उपलब्ध है, ऐसे में सर्विसेज प्रोक्यरमेंट और सर्विसेस प्रोवाइडर्स के साथ कॉन्ट्रेक्ट के संशोधन की जांच हो सकती है।

प्रोडेक्ट का प्राइस सावधानी से तय करें

टैक्स रेट में बदलाव और इनपुट टैक्स की क्रेडिट की उपलब्धता के कारण व्यापारी एवं मिल मालिकों को इसी के हिसाब से उनके मार्जिन का फिर से आकलन करने की जरूरत होगी। मुनाफाखोरी के नियम बड़े सख्त बने हैं और सावधानी बरतना जरूरी होगी, नहीं तो आपका पंजीकरण भी रद्द हो सकता है।

टैक्स क्रेडिट क्लेम सही करें

जीएसटी कानून में आपके बचे हुए स्टॉक पर भुगतान किये गये विभिन्न टैक्स क्लेम करने के प्रावधान हैं एवं आपको तय शर्तों का पालन करना होगा तथा वैट क्रेडिट बैलेंस को आगे बढ़ाने के लिए आपको डॉक्यूमेंट एवं सर्टिफिकेट दाखिल करना होगा। सभी करदाताओं को उनके जीएसटी स्कोर कार्ड पर सरकार द्वारा रेटिंग करने की भी योजना है। विक्रेता को कर के इनपुट टैक्स क्रेडिट के रूप में दावे से पहले इसका भुगतान करना होगा जबकि प्राप्तकर्ता को क्रेडिट का दावा करने से पहले टैक्स बिल और आपूर्ति करना जरूरी होगा।

आपके व्यवसाय में ज्यादा नकदी की जरूर नहीं होगी

अगर आप अपने माल को एक राज्य से दूसरे राज्य में स्टॉक ट्रांसफर करके भेजते हैं या आप निर्यात करते हैं तो आपको पहले टैक्स देना होगा। इससे कारोबार के लिए कैश फ्लो की जरूरत पड़ेगी तथा आपको रिबेट या क्रेडिट के दावे से पहले ही कर का बोझ झेलना पड़ेगा।

जीएसटी की कुछ महत्वपूर्ण बातें

- जीएसटी के आने से व्यवसाय करना आसान हो जाएगा लेकिन शुरुआत के कुछ महीनों में व्यवसायों को मुश्किल का सामना करना पड़ सकता है जैसे कि रिटर्न फाइलिंग, डॉक्यूमेंट रखना, इनपुट क्रेडिट सही लेना इत्यादि।
- छोटे उत्पादक जो कि वर्तमानमें 1.5 करोड़ तक की छूट की सीमा का अप्रत्यक्ष करों में फायदा उठा रहे हैं वे भी अब जीएसटी के दायरे में आ जाएंगे।
- यदि आप सेवा कर (12 लाख रुपए की सीमा) के तहत पंजीकृत हैं और जीएसटी 20 लाख से कम सेवा या व्यवसाय की सीमा तक पंजीकरण के लिए दायी नहीं है तो आप 31 जुलाई 2017 को या उससे पहले अस्थायी आईडी को रद्द करने के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- जीएसटी कानून के तहत पंजीकृत डीलरों को अपंजीकृत डीलरों को सामान बेचते समय उनका आधार/पैन विवरण लेने की कोई आवश्यकता नहीं है।
- रिवर्स चार्ज देयताओं के लिए जीएसटी दायित्व निवर्हन के लिए सेल्फ इनवॉइस जारी करना होगा।
- यदि आप जीएसटी कम्पोजिट स्कीम में रजिस्टर्ड और अपंजीकृत व्यक्ति के सामान खरीदते हैं तो अपंजीकृत व्यक्ति से सप्लाई पर आप रिवर्स चार्ज आधार पर कर का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी होंगे।
- निर्यातकों के लिए वर्किंग कैपिटल ज्यादा नहीं अटके इसलिए रिफंड आवेदन के 7 दिनों के भीतर अंतरिम आधार पर 90 प्रतिशत रिफंड प्रदान करने के लिए कानून में उचित प्रावधान किए गए हैं।
- एक वकील जो रिवर्स चार्ज के तहत अंतरराज्यिक सप्लाई करता है उसे पंजीकरण से छूट दी गई है एवं प्राप्तकर्ता रिवर्स चार्ज के तहत जीएसटी निवर्हन के लिए उत्तरदायी है।
- शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं जीएसटी से पूरी तरह बाहर हैं। इसी तरह यदि कोई केवल जीरो प्रतिशत जीएसटी आइटम (जैसे अनाज, दाल इत्यादि) में ट्रेड करता है तो 100 प्रतिशत छूट वाली सप्लाइज करने वाला व्यक्ति पंजीकरण के लिए उत्तरदायित्व नहीं है।
- अगर 1 जुलाई तक रिटेलरों का माल नहीं बिका तो जीएसटी के पहले के माल पर (जहां पर ड्यूटी पेड इनवाइस उपलब्ध नहीं है) उन्हें केवल 60 प्रतिशत इनपुट टैक्स क्रेडिट मिलेगा। यही कारण है कि उन्हें माल खपाने की जुगाड़ करनी पड़ रही है। यह इनपुट क्रेडिट अंतरराज्यिक आपूर्ति के मामले में और भी कम होकर 30 व 20 प्रतिशत होगी।
- जीएसटी से राज्यों के बीच सामान की आवाजाही सुगम हो सकती है। जिससे वितरण केंद्रों की जगह बड़े क्षेत्रीय गोदाम बनेंगे एवं कारोबारियों को कम दस्तावेजों की जरूरत पड़ेगी क्योंकि अधिकांश फाइलिंग ऑनलाइन हो जाएगी।
- जीएसटी प्रावधान आपको अनुमति देता है कि आप अपने इनपुट टैक्स क्रेडिट को आगे उपयोग कर सकते हैं और सुनिश्चित करता है कि नई व्यवस्था में आपके इनपुट टैक्स क्रेडिट का कोई नुकसान न हो।

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान
हमारी वेबसाइट है
इसका सही समाधान

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

माहेश्वरी समाज के लिए
60 हजार से अधिक

जैन समाज के लिए
70 हजार से अधिक

अग्रवाल समाज के लिए
1 लाख से अधिक

Registration Free

Website
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agrawal2agrawal.org

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

यदि समाजसेवी पद्मश्री बंशीलाल राठी को शून्य से शिखर का महायात्री कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। आखिर अल्प शिक्षा की स्थिति में भी शून्य से व्यवसाय की शुरुआत कर वटवृक्ष की तरह वृहद व्यवसाय की स्थापना कर लेना आसान कार्य नहीं है। इसमें भी उनकी विशेषता यह है कि उनकी यह शिखर की यात्रा सिर्फ अपने लिये नहीं है बल्कि वे तो सभी को ले जाना चाहते हैं, उसकी सफलता के शिखर की ओर। उनकी यह महायात्रा उम्र के 84वें पड़ाव पर भी अनवरत जारी है, जिसके कारण वे बने हुए हैं, सम्पूर्ण समाज के श्रद्धा के केंद्र।

सेवा के "श्री" पद्मश्री बंशीलाल राठी

14 अगस्त 1933 को नागौर (राजस्थान) के खींवसर ग्राम में सेठ श्री गंगाधर राठी के यहाँ जन्मे बंशीलाल राठी वास्तव में एक अद्भुत व्यक्तित्व हैं। मात्र प्राइमरी स्तर तक शिक्षा ग्रहण करने के बावजूद उन्होंने शून्य से शिखर की ऊँचाई पर हैं। वर्तमान में स्टील फाइनेंस, एक्सपोर्ट आदि कई व्यवसाय व उद्योगों का संचालन कर रहे हैं। समाजसेवा के अंतर्गत अभा माहेश्वरी महासभा के सभापति जैसे शीर्ष पद की जिम्मेदारी भी निभाई। समाज की कई संस्थाओं व ट्रस्टों के विकास के मूल में आपका अभूतपूर्व योगदान है। उन्होंने समाज को राह दिखाई कि सिर्फ संस्था बनाकर छोड़ देना, नहीं बल्कि उसकी देखरेख कर उसे बड़ा करना भी हमारा कर्तव्य होता है। ऐसी अनगिनत संस्थाएँ हैं, जिनमें प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से बाबूजी सहयोगी बने हुए हैं।

जज्बा ऐसा कि हर कोई नतमस्तक

पद्मश्री बंशीलाल राठी समाजेसवा के क्षितिज पर चमकता हुआ एक ऐसा नाम है, जिनसे न सिर्फ देश बल्कि लगभग संपूर्ण विश्व के माहेश्वरी अच्छी तरह परिचित हैं। समाज का शायद ही ऐसा कोई समाजसेवी हो, जो उनके समाजसेवा के जज्बे के प्रति नतमस्तक न हो। उम्र के 83 पड़ाव पार कर चुके होने पर भी उनका जज्बा किसी युवा से भी 100 कदम आगे है। उनके पास यदि किसी भी संगठन के पदाधिकारी किसी मदद के लिये पहुँचते हैं, तो उनकी वह मदद करने में उन्हें चंद घंटे लगते हैं। जबकि वे लोग सभी मिलकर भी प्रयास करें तो उसे करने में महीनों लग जाएँ। यह दृढ़संकल्प और जज्बे का अंतर होता है।

समाज के विकास का सपना

वर्तमान में श्री आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केंद्र समाज के आर्थिक विकास की धुरी बन चुका है। इसकी स्थापना भी श्री राठी के अभा माहेश्वरी महासभा के सभापतित्वकाल में वर्ष 1997 में हुई थी। इसके पश्चात यह बिड़ला उद्योग समूह की चेयरपर्सन राजश्री बिड़ला की अध्यक्षता में सतत रूप से कार्य कर रहा है। प्रारंभ से ही श्रीमती बिड़ला ने श्री राठी को इस संस्था का नेतृत्व कार्याध्यक्ष के रूप में सौंप दिया था। तब से ही इसे शून्य से शिखर की ऊँचाई देने में श्री राठी के नेतृत्व का बहुत बड़ा योगदान है। इसे उनका जज्बा ही कहा जाए कि संस्था द्वारा कोष संग्रहण का जो भी लक्ष्य तय किया गया श्री राठी ने सदैव ही उससे अधिक की लक्ष्य पूर्ति की। बढ़ती उम्र की परेशानी व अस्वस्था के बावजूद हर किसी को विश्वास रहता है कि बाबूजी श्री राठी अपने इस लक्ष्य को अवश्य ही पूरा कर लेंगे, क्योंकि कभी असफलता देखी ही नहीं।

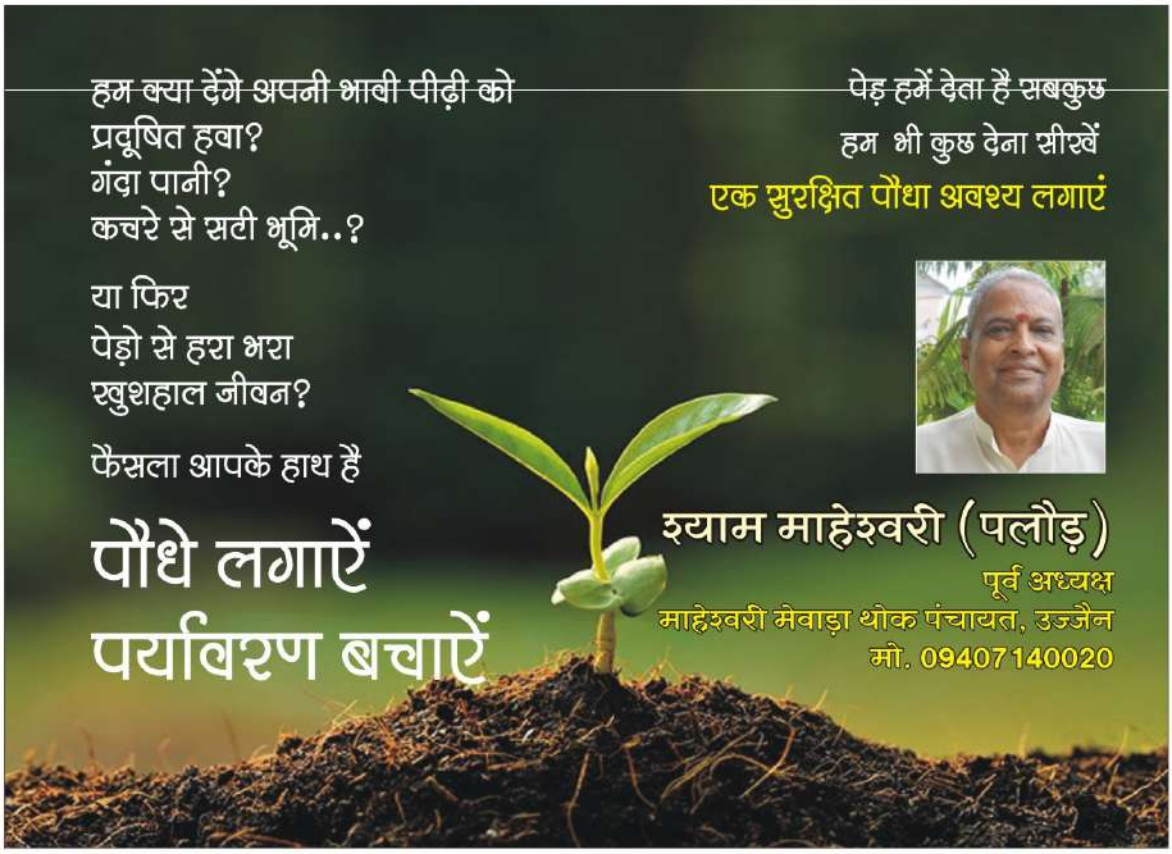
हम क्या देंगे अपनी भावी पीढ़ी को
प्रदूषित हवा?
गंदा पानी?
कचरे से सटी भूमि..?
या फिर
पेड़ो से हरा भरा
खुशहाल जीवन?
फैसला आपके हाथ है
पौधे लगाऐं
पर्यावरण बचाऐं
पेड़ हमें देता है सबकुछ
हम भी कुछ देना सीखें
एक सुरक्षित पौधा अवश्य लगाएं
श्याम माहेश्वरी (पलौड़)
पूर्व अध्यक्ष
माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत, उज्जैन
मो. 09407140020

पर्यावरण विशेषांक के प्रकाशन पर
समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाएं
ANKIT BANGER
GROUP
अनिल कुमार माहेश्वरी
प्रदेश व. उपा. राज. व्यापिक, कर्मचारी संघ
+91 94 610 56 410
अंकित बांगड़
जिलाध्यक्ष, हिन्दु जागरण मंच, भीलवाड़ा
+91 78 910 30 000
SBJ
NAMKEEN
रॉयल दर्जी
ROYAL Darjee
A COMPLETE STITCHING SOLUTION
Royal Dream Builders
• MINING • REAL ESTATE • FOOD PRODUCT • TEXTILE • RETAILS
महिला आश्रम स्कूल रोड, कृषि उपज मण्डी चौराहे, निवार फैक्ट्री के सामने वाली गली, भीलवाड़ा
111/ए, बिल्डिंग नं. 2, पित्तल इण्डस्ट्रीयल स्टेट, अंधेरी ईस्ट, मुंबई (महाराष्ट्र) - 400059

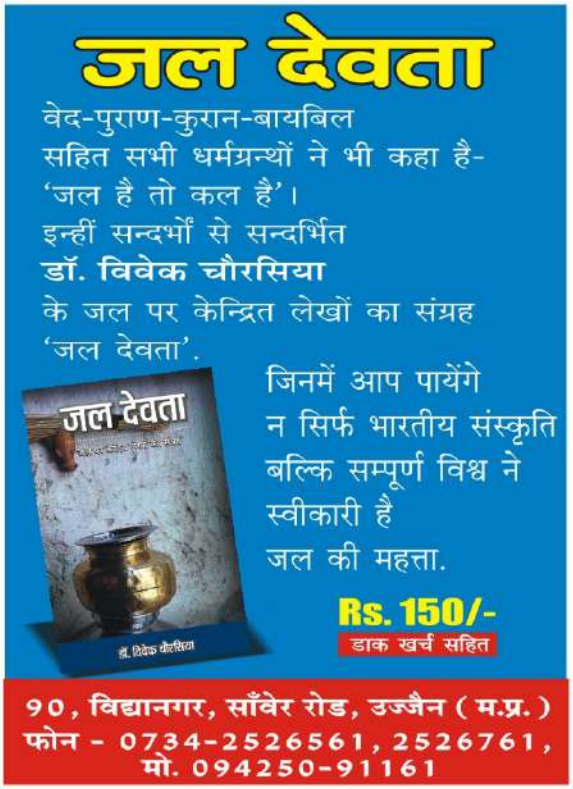
जल देवता
वेद-पुराण-कुरान-बायबिल
सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है-
'जल है तो कल है'।
इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित
डॉ. विवेक चौरसिया
के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह
'जल देवता'.
जिनमें आप पायेंगे
न सिर्फ भारतीय संस्कृति
बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने
स्वीकारी है
जल की महत्ता.
जल देवता
डॉ. विवेक चौरसिया
Rs. 150/-
डाक खर्च सहित
90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
फोन - 0734-2526561, 2526761,
मो. 094250-91161

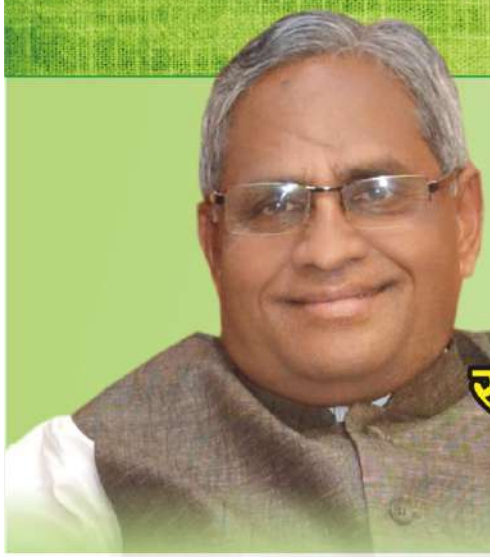

वास्तव में यदि ईमानदारी से अपने कर्त्तव्यों को निभाया जाऐ तो समाज सेवा और राष्ट्र सेवा दोनों ही एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। इस आदर्श को अपनी सेवा से चरितार्थ कर रहे हैं, भाजपा राजस्थान प्रदेश के कोषाध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा। श्री भूतड़ा समाज को भी अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन अध्यक्ष तथा महासभा महामंत्री के रूप में सेवा दे चुके हैं। श्री भूतड़ा आगामी जन्माष्टमी पर्व के दिन अपना 68 वां जन्म दिवस मनाने जा रहे हैं।

समाज के साथ राष्ट्र की सेवा में रत रामकुमार भूतड़ा

नागौर ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण राष्ट्र में नागौर राजस्थान निवासी रामकुमार भूतड़ा की पहचान एक प्रतिष्ठित ग्रेनाईट स्टोन व्यवसायी के रूप में है यह मुकाम भी जीवन के कठोर संघर्षों से श्री भूतड़ा ने प्राप्त किया, लेकिन श्री भूतड़ा की पहचान यहीं पर सीमित होकर नहीं रही। अपनी तमाम व्यस्तता के बावजूद समाजसेवा और राजनीति के पक्ष भी उनकी विशिष्ट सेवाओं से अछूते नहीं रहे। यही कारण है कि समाज सेवा हो या राजनीति इन दोनों क्षेत्रों में भी श्री भूतड़ा वैसे ही प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं, जैसे व्यवसाय जगत में शून्य से शिखर के यात्री के रूप में। आप वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी के राजस्थान प्रदेश कोषाध्यक्ष के रूप में अपनी सेवा दे हैं। पार्टी ने उनकी समर्पित सेवाओं को देखते हुए उन्हें समस्त प्रकोष्ठों का प्रभारी भी नियुक्त किया है। इसके साथ श्री भूतड़ा पार्टी के नागौर जिला शहर व जिला ग्रामीण दोनों के संगठन प्रभारी के रूप में भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं। समाज संगठन में अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन को दो सत्रों में अध्यक्ष तथा महासभा को महामंत्री के रूप में सेवाएं दे चुके हैं।

बचपन से रहे आदर्शों पर दृढ़

भगवान श्रीकृष्ण के जन्म दिवस जन्माष्टमी पर सन् 1949 में राजस्थान के एक छोटे से गाँव डोडीयाना, तहसील डेगाना, जिला नागौर में स्व. श्री शिवदयाल भूतड़ा के यहाँ एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे रामकुमारजी का बाल जीवन भी भगवान श्री कृष्ण की तरह ही रहा। उन्हें भी अपने गाँव से बेहद लगाव रहा। अपने गाँव की सुविधाविहीनता व पिछडापन उन्हें बहुत कष्ट देता था। स्वयं की पढ़ाई भी उन्हें पारिक संस्कृत विद्यालय मेडता सिटी तथा कक्षा 9 से 10 तक की सांईनाथ विद्या मंदिर बडायली में पूर्ण करनी पड़ी। इसके बाद कक्षा 12वीं की परीक्षा उन्होंने पत्राचार से पढ़ाई कर उत्तीर्ण की। उनका सपना था कि उनका गाँव सुविधाओं में सबसे आगे रहे। बस इस सपने ने ही उन्हें राजनीति में भी सक्रिय कर दिया। शुरूआत से रही जनसंघ की विचारधारा ने उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर प्रेरित कर दिया। 18 वर्ष की आयु में शासकीय अध्यापक पद पर नौकरी लग गई। उनके सिद्धांतों से नौकरी टकरा गई। विभाग के हाईकमान ने उन पर आरएसएस को छोड़ने के लिये दबाव बनाया। उन्हें आरएसएस से दूर हटना किसी भी कीमत पर मंजूर नहीं था। बस सिद्धांतों के इस टकराव में उन्होंने सन् 1967 में नौकरी को ही तिलांजलि दे दी।

सतत चली सेवा यात्रा

श्री भूतड़ा अपनी व्यवसायिक व्यस्तता के बावजूद समाज संगठन से कभी दूर नहीं रहे। समाज संगठन के अन्तर्गत श्री भूतड़ा ने वर्ष 1990-96 तक नागौर जिला माहेश्वरी सभाध्यक्ष, वर्ष 1990-98 तक राजस्थान प्रादेशिक सभा के कार्यसमिति सदस्य व वर्ष 1998-2001 तक इसी प्रादेशिक संगठन में संयुक्त मंत्री जैसे पदों पर भी सेवा दी। अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन से वर्ष 1980 से कार्यसमिति सदस्य के रूप में सम्बद्ध हुऐ और वर्ष 1984 में इसमें संयुक्त मंत्री एवं वर्ष 1999 से 2003 तक उपाध्यक्ष रहे। वर्ष 2003 से 2012 तक सतत् दो सत्रों तक संस्था अध्यक्ष पद की जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। समग्र वैश्य समाज के सर्वोच्च संगठन अ.भा. वैश्य महासम्मेलन में आप राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य एवं नागौर जिला वैश्य सम्मेलन अध्यक्ष पद के उत्तरदायित्वों आदि का निर्वहन भी करते रहे हैं। आप महेश सेवानिधि राजस्थान के कार्यकारिणी एवं आदित्य विक्रय बिड़ला मेमोरियल ट्रस्ट चैन्नई के संस्थापक सदस्य भी हैं। माहेश्वरी छात्रावास कोटा, बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी ब्यावर एवं गोल बालाजी मंदिर के आप ट्रस्टी भी हैं।

सेवा सदन से महासभा तक की सेवा

श्री भूतड़ा ने जब बागडोर सम्हाली उस समय संस्था की सिर्फ चार शाखाऐं ही थीं। इसके भवन भी धर्मशाला की तरह आधुनिक सुविधाओं से रहित थे। भवनों के आधुनिकीकरण के साथ प्रारंभ संस्था की सेवाओं के विकास का सफर ऐसा चला कि जिसने नये इतिहास की रचना कर दी। किसी भी समाज सेवी संस्था के लिये 7-8 वर्षों में तीन गुने से भी अधिक विकास करना आसान नहीं है लेकिन वर्ष 2003 से 2012 तक के इस समय में सेवा सदन ने यह कीर्तिमान स्थापित कर दिखाया। अपने इस सफलतम सेवा काल के बाद श्री भूतड़ा अ.भा. माहेश्वरी महासभा के गत सत्र में राष्ट्रीय महामंत्री चुने गये। इस पद की जिम्मेदारी भी श्री भूतड़ा ने अत्यंत सफलतापूर्वक निभाते हुए सभापति की अस्वस्थता की स्थिति में समस्त गतिविधियां संचालित कर महासभा के सुप्त होने से बचाया। वर्तमान में राजनीतिक रूप से श्री भूतड़ा को भाजपा ने राजस्थान प्रदेश के कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंप रखी है, साथ ही विभिन्न प्रकोष्ठ प्रभारी व नागौर जिला संगठन प्रभारी पद की जिम्मेदारी भी उनके पास है। श्री भूतड़ा अपनी अन्य समाजसेवी गतिविधियों के साथ इस जिम्मेदारी का भी निष्ठापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं।

खुश रहें... खुश रखें...

खुदा से प्रेम तो उसकी बनाई दुनिया से नफरत कैसे ?

संसार में कुछ शब्द बहुत गलत तरीके से समझे गए और उन्हीं में से एक है, प्रेम। इस शब्द के साथ न सिर्फ नादानी हुई बल्कि खूब अत्याचार भी हुआ। कभी इस पर वासना का आवरण लपेटा गया, तो कभी मोह की चादर बांध दी गई। इमाम शाफी नाम के मुस्लिम संत इस कदर प्रेम में डूबे हुए थे कि उनसे छोटे, उनके हम उम्र तो उनके मुरीद थे ही लेकिन उनसे बड़ी उम्र के लोग भी उनके पीछे भागते फिरते थे।

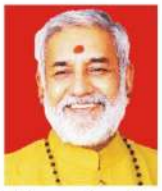

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

आध्यात्म में परमात्मा के प्रति प्रेम और भय दोनों एक साथ चलते हैं। यह अजीब सा मेलजोल है। वैसे जहां प्रेम है वहां भय नहीं होता और जहां भय है, वहां प्रेम नहीं होगा, लेकिन ऊपर वाले के रिश्ते में ये दोनों एक साथ चलते हैं।

एक बार एक खलीफा ने खयाल किया कि इमाम शाफी से एक फैसला करवाया जाए। उनकी परीक्षा भी हो जाएगी और मेरा भ्रम भी दूर होगा। खलीफा ने सवाल किया कि इमाम यह बताएं कि मैं जन्नती हूं या दोजखी? यानी मैं स्वर्गवासी हूं या नर्कवासी।

फकीर इमाम ने खलीफा से एक सवाल पूछा, " क्या जिंदगी में ऐसा हुआ है कि कोई गुनाह करने के पहले अल्लाह के खौफ के कारण आपने वह गुनाह नहीं किया?" खलीफा ने कहा कि हाँ ऐसा मौका आया है। इमाम शाफी बोले तो आप जन्नती हैं, स्वर्ग के हकदार हैं, आप स्वर्ग में ही जाएंगे।

लोगों ने सवाल किया- आपके फैसले का आधार क्या है? तो फकीर ने कहा कि कुरआन में आयत आई है जिसका मतलब है कि जिस शख्स ने गुनाह का कस्द (विचार) किया और फिर खौफे-इलाही (प्रभु-भय) की वजह से गुनाह करने से दूर रहा तो उसका घर जन्नत है।

इसलिए उस परमपिता के प्रति हमारे भीतर ऐसा प्रेम होना चाहिए जो विस्तारित होकर सारी दुनिया के लिए फैल जाए। जो खुदा से प्रेम करे वह उसकी बनाई हुई दुनिया से नफरत कैसे कर सकता है?

राजगीरा पनीर पराठा

सामग्री :- मिलाकर भरवा मिश्रण बनाने के लिये:-1 कप मोटा कसा हुआ पनीर, 2 टी-स्पून बारीक कटी हरी मिर्च, 1/2 टी-स्पून नींबू का रस, 1/2 टी-स्पून शक्कर, 2 टी-स्पून कटा हुआ धनिया, सेंधा नमक-स्वादानुसार

अन्य सामग्री :- 1 कप राजगीरे का आटा, 1/4 कप उबले, छिले और मसले हुए आलू, 1/2 टी-स्पून कालीमिर्च पाउडर, सेंधा नमक-स्वादानुसार, बेलने के लिये राजगीरे का आटा, पकाने के लिये तेल।

परोसने के लिये :- हरी चटनी, ताजा दही।

विधि :- भरवा मिश्रण को 6 बराबर हिस्सों में बांटकर एक तरफ रख दें। राजगीरे का आटा, आलू, कालीमिर्च पाउडर और सेंधा नमक एक बाउल में डालकर मिलायें और पानी का प्रयोग कर हल्का नरम आटा गूँध लें। आटे को 6 बराबर हिस्सों में बांटे और प्रत्येक हिस्से को सूखे राजगीरे आटा का प्रयोग कर गोल आकार में बेल लें। भरवा मिश्रण के एक हिस्से को गोले के बीच में रखकर सभी किनारों को बीच में लाकर अच्छी तरह से बंद कर लें। राजगीरे के आटे का प्रयोग कर गोल आकार में दोबारा बेल लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और पराठे को थोड़े से तेल का प्रयोग कर, दोनो तरफ से सुनहरा होने तक पका लें। बचे हुए आटे और भरवा मिश्रण का प्रयोग कर 5 और पराठे बनाए। हरी चटनी और ताज़े दही के साथ गरमा गरम परोसें।

▸▸ पूनम राठी, नागपुर

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

चोटी काटे रात में

खम्मा घणी सा हुक्म ...इण दिनों आप यू-ट्यूब पर एक गाणों सुणियो हुवैला ..

ओ कांई हुग्यो सुणले सावँरा , आजा तू संसार में,
छोरा- छोरी घर मे सुता, चोटी काटे रात में..

हां सा राजस्थान में कई गॉवों रात में चोटी काटण री खबर हाथ में त्रिशूल, कुंकुम रा छांटा कोई रात में छता पर सुता लोग ओर लुगायां ने लगा ने भाग जावे । इण तरह री अफवाह हवा री तरह फेलगी जिणसूं गावँ री जनता री नींद उड़गी । हुक्म या भी सुणियों की कोई अदृश्य शक्ति आने ये सब हरकता करे और किन्हें दिखे भी नही।

हुक्म या बात म्हारी समझ मे नही आयी कि कोई भी शक्ति जो कोई भी रूप धारण करने आवे वे गावँ में एक या दो मिनख या लुगायां रा ही बाल क्यों काटे पूरे गावँ में एक साथे सबरा बाल क्यो नही काटे ?

आश्चर्य री बात या भी है हुक्म जिकी घटना हुवे वे सब अनपढ़ लोगा रे साथे ही क्यों हुवे गावँ में पढिया लिखिया लोगा रे साथे क्यों नही हुवे या घटना विने साथे ही हुवे जो भोपा, थान माथे घणा जावें कोई भी पढ़े लिखे रे साथे नही हुवे।

हुक्म अगर आप नवरात्रि या गरबा में जण देवी माँ रा भजन गावें भीड़ में 5-10 लुगायां एक साथे जोर -जोर री आवाज निकाले हुक्म या एक बीमारी है जिने हिस्टीरिया बोले । इण बीमारी में दिमाग रो संतुलन इतो बिगड़ जावे की वे खुद इण तरह री हरकतों ने इंजाम दे देवे और गावँ री जनता में अंधविश्वास फ़ैला देवे ।

अशिक्षा, अंधविश्वास रे चलते गाँव रा लोग भोपा, थान माथे जाने आपरी जिंदगी टोटका करने बितावे की जिंदगी में शांति आवे जबकि ये सिर्फ झूठी अफवाह है ।

हुक्म ये सब मन रा वहम है विने तवज्जो मत दो 'जाको राखे साइयाँ मार सके न कोय।

इण तरह री अफवाहों में आखिर में भण्डा भोड़ हुवे और पाखण्डियों रा कारनामा उजागर हुवे ज्यों की इण चोटी-कांड रे केस में हुयो ... सब पाखंडी पकड़ में आ गया ..

मुलाहिज़ा फरमाइये

कितना भी समेट लो हाथों से
फिसलता जरूर है!
ये वक्त है साहब...
बदलता जरूर है!!

'इंसान' की 'जिन्दगी' कभी
किसी के लिये नहीं रुकती है...
बस-केवल 'जीने' की 'वज़ह'
बदल जाती है...!

कभी मिल सको तो बेवज़ह मिलना...
वज़ह से मिलने वाले तो ना जाने हर रोज़ कितने मिलते...!

जिन्दगी जख्मों से भरी है,
वक्त को मरहम बनाना सीख लो,
हारना तो है एक दिन मौत से,
फिलहाल जिन्दगी जीना सीख लो..!!

दुकानदार तो मैले में लूट गए यारों।
तमाशबीन दुकान लगा के बैठ गए।

रखा करो नजदीकियां, जिन्दगी का कुछ भरोसा नहीं...
फिर मत कहना चले भी गए और बताया भी नहीं।

यहाँ सब खामोश है कोई आवाज नही करता,
सच बोलकर कोई किसी को नाराज नही करता।

▸▸ ज्योत्सना कोठारी, मेरठ

कार्टून कौतुक

क्या आप वास्तव में हैं स्वस्थ

कहा गया है, स्वास्थ्य सबसे श्रेष्ठ धन है। आखिर श्रेष्ठ क्यों न हो क्योंकि जीवन की सारी खुशियाँ ही इसी पर निर्भर हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि स्वस्थ होने के पैमाने क्या हैं? आईये देखें किसे कहते हैं, वास्तव में स्वस्थ।

▸▸ डॉ. रामगोपाल तापड़िया अमरावती

अच्छा स्वास्थ्य यानी मानसिक, शारीरिक और सामाजिक दृष्टि से पूर्णतया रोगरहित होना। शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ रहना और प्रसन्नता महसूस करना कई बातों पर निर्भर है। प्रत्येक व्यक्ति जानता है कि जीवन में अच्छे स्वास्थ्य से बेहतर कुछ हो नहीं सकता। अच्छे स्वास्थ्य के अभाव में व्यक्ति खुश और शांत नहीं रह सकता। बुरे स्वास्थ्य वाला व्यक्ति जीवन में सफल नहीं हो सकता। चाहे कितना भी धनवान हो, अच्छे स्वास्थ्य के अभाव में जीवन के आनंद का सुख नहीं उठा सकते। किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य का निर्णय उसके पहनने, खाने या दिखने पर नहीं ले सकते, जब तक कि उसके स्वास्थ्य का परीक्षण नहीं किया जाता। स्वास्थ्य संगठन के संविधान में स्वस्थ व्यक्ति यानी शारीरिक, मानसिक, सामाजिक दृष्टि से ही स्वस्थ होना है। केवल कोई बीमारी नहीं, उसे हम स्वस्थ नहीं कह सकते। महत्वपूर्ण प्रश्न है कि ऐसा कैसे हो सकता है? यदि आपके पास धन है तो उसका उपयोग सामाजिक कार्यों में भी हो और दिमाग भी स्वस्थ हो। पैसा तो सभी कमाते हैं, किंतु उसमें का कुछ भाग दूसरों को भी देते हैं, तब आपके पास के धन व आपको समाज में मान्यता मिलती है।

महिलाएँ करवाऐं कुछ परीक्षण

महिलाओं की अच्छी सेहत के लिए कुछ परीक्षण करवाने से 30 से 40 की उम्र में होने वाली बीमारियों से बचा जा सकता है। इसमें पंप स्मियर टेस्ट गर्भाशय कैंसर का पता लगाने के लिये, बीएमआय का शरीर का वजन उसके लंबाई के अनुपात में कैसा हो इसकी जाँच के लिए, लिपिड प्रोफाइल का तनाव भरी जिंदगी में कोल्स्ट्रॉल की जांच तथा अल्ट्रासाउंड का गर्भाशय जांच व ब्लड काउंट टेस्ट को उच्च रक्तचाप से होने से होने वाली बीमारियों का पता लगाने के लिये करवाया जाता है।

सामाजिक पारिवारिक जिम्मेदारी

जीवन में आध्यात्मिकता रखें। नियमित रूप से समाज-परिवार के सुख-दुःख से जुड़े रहें। परिवार में पत्नी व बहू-बच्चों को समय दें। सुंदर पत्नी और फिक्र करने वाला पति मूल आवश्यकता है। परिजनों के प्रति जवाबदारी व समझदारी का व्यवहार करें। स्वास्थ्य के प्रति ध्यान दें। वर्तमान में मोटापा एक बड़ी समस्या के रूप में उभर रहा है। अधिक खाना-पीना और कम शारीरिक मेहनत के साथ जंक फूड का चलन मुख्यतः रोग के कारण हैं। ज्यादा खाने-पीना रहेगा तो डॉक्टर के पास अधिक जाना पड़ेगा। ज्यादा खाना-पीने से उम्र भी घटती है।

मानसिक स्वास्थ्य का भी रखें ध्यान

केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक व्यायाम भी जरूरी है। मानसिक व्यायाम में पढ़ना-लिखना, किसी विषय पर स्वस्थ चर्चा करना, दूसरों की बात शांति से सुनना समझना आदि शामिल हैं। पढ़ना-लिखना कम होते जाने से अलझामर रोग हमारे निकट आते जा रहा है। स्वस्थ रहने के लिये हमारी दिनचर्या व जीवन शैली में उचित परिवर्तन की आवश्यकता है। अतः आप स्वयं से पूछें कि उपरोक्त मापदंडों के संदर्भ में आप स्वस्थ हैं, क्या? उत्तर यदि हाँ में ही हो तो हमारी बधाई है। अन्यथा अपने पारिवारिक डॉक्टर से विचार विमर्श करें।

लेखक एमडी (होम्यो) होकर पीएचडी निर्देशक हैं।

राशिफल

श्री ॐ गं गणपतये नमः

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष - इस माह आपको विशेष शुभ अवसर प्राप्त होगा यात्रा होगी और लाभदायक रहेगी बड़े एवं वरिष्ठों लोगों की प्रशंसा के पात्र रहेंगे घर परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा संतान से संबंधित परेशानियां दूर होगी। मन की सारी अभिलाषाएं पूरी होगी विपरित योनि की ओर झुकाव रहेगा। परिवार में सुख समृद्धि में वृद्धि होगी, कैरियर में अपनी योग्यता से आगे बढ़ेगे, स्वास्थ्य नरम गरम बना रहेगा कोई से भी रूके काम आप चतुराई से निकलवा लेगे।

वृषभ - यह माह आपको लाभदायक सिद्ध होगा, कामकाज में वृद्धि होगी व्यापार से लाभ होगा, नौकरी में प्रमोशन एवं धन की प्राप्ति के योग आदर्शवाद की ओर विशेष झुकाव रहेगा। बौद्धिक कार्यों में पूरी सफलता एवं अपनी बुद्धि से बिगड़े कार्य बना लेंगे, संतान की ओर से कुछ परेशानी ओर भागदोड़ बनी रहेगी, जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिन्ता बनी रहेगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा, यात्रा आपके लिये भाग्यवृद्धि दायक रहेगी।

मिथुन - यह मास शुभ और अनुकूल रहेगा रूके और बिगड़े काम पूरे होंगे। अचानक धन की प्राप्ति होगी। व्यापार, नौकरी में लाभ होगा, धर्म एवं शुभ कार्य के प्रति आस्था बढ़ेगी अपनी सूझबुझ से विरोधी को भी प्रभावित कर लेंगे। जीवन साथी एवं बच्चों का स्नेह पायेंगे, दाम्पत्य संबंधों में मधुरता आयेगी। भाग्योदय के भी अवसर मिलेंगे। भूमि-भवन संबंधी समस्या एवं परेशानी आयेगी। शुभ समाचार मिलेगा, किसी से वाद-विवाद से लाभ होगा किसी चिन्ता में न पड़े दूर रहे।

कर्क - यह माह आपको यश, सम्मान प्राप्ति सामाजिक मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी, संतान की ओर से शुभ समाचार मिलेगा, राजनीति में भी रूझान बढ़ेगा, मन-प्रसन्न रहेगा। सितारे गर्दिश में रहेगे, उच्च अधिकारियों का अनुग्रह प्राप्त होगा, कार्य क्षेत्र में वर्चस्व बढ़ेगा, वस्त्राभूषण गहने खरीदेगे, ससूराल पक्ष में शुभ कार्य होंगे। न्यायालयीन प्रकरणों से सावधानी रखे, घर में मांगलिक कार्यक्रम उत्सव सम्पन्न होंगे, वाहन से सावधान रखे मित्रों से सावधानी रखे।

सिंह-यह माह आपको आवश्यक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। आय के नये-नये स्त्रोत रहेंगे, संगीत, ललित कलाओं में रुचि रहेगी। उच्चस्तरीय पुरस्कार प्राप्त होगा। प्रेम प्रसंग से दूर रहें, नहीं तो परेशानी उठना पड़ेगी। नौकरी में उन्नति, धन प्राप्ति होगी। आदर्शवाद की ओर विशेष रुझान बना रहेगा। राजकीय पक्ष से कुछ परेशानी बनी रहेगी। किसी स्त्री वर्ग के सहयोग से व्यापारिक कार्य में लाभ मिलेगा। साझेदारी से दूर रहें, परिवार का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

कन्या-यह माह आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। सफलता, धन वृद्धि, उन्नति व भोग, ऐश्वर्य के सुअवसर प्राप्त होंगे। शत्रु पराजीत होंगे। राजकीय, शासन-सत्ता में मान-सम्मान, प्रतिष्ठा मिलेगी। नौकरी में अधिकारी वर्ग भाग्योदय साहयक होंगे। जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। खर्च की अधिकता बनी रहेगी। कुछ अप्रत्याक्षित परेशानी हो सकती है। परिवारजनों से विवाद टाले, हानि होगी। किसी कार्य में नवीन प्रेरणा मिलेगी।

तुला-यह माह आपके लिये मिला-जुला रहेगा। रुके कार्य पूरे होंगे। घर-परिवार में मांगलिक शुभ कार्य होंगे, समाज या किसी संस्था में उच्च पद के लिये चुने जावेंगे। पैतृक सम्पत्ति प्राप्त होगी। आय के स्त्रोत बढ़ेंगे। घर में साज-सज्जा का सामान खरीदेंगे। जीवन साथी और संतान की ओर से प्रसन्नता प्राप्त होगी। सोच-समझकर कोई कार्य करें। दौड़-धूप अधिक करना पड़ेगी। सावधानी बरतें, खर्च अधिक होगा।

वृश्चिक-यह माह आपके लिये सामान्य रहेगा। न्यायालिन कार्यों में सफलता मिलेगी। संतान के कार्यों के लिये भाग-दौड़ बनी रहेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। विवाह योग में विलम्ब होगा। व्यापार में धन की कमी बनी रहेगी। आय से अधिक व्यय होगा। परिश्रम के अनुरूप कार्य में लाभ नहीं होगा। मन प्रसन्न होगा, यात्रा स्थगित करें। खान पान पर विशेष ध्यान रखे। आर्थिक स्थिति सुदृढ़होगी।

धनु-यह माह आपके लिये भाग्योदायक रहेगा। रुके काम पूरे होंगे। कार्य क्षेत्र में वृद्धि, अध्ययन पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि, विद्यार्थी वर्ग के लिये समय अनुकूल है। मित्र से सहयोग मिलेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। नौकरी में अधिकारी पद की प्राप्ति। व्यापार में यथेष्ठ लाभ होगा।

मकर-यह माह सृजनात्मक कार्यों में व्यतीत करेंगे। परिश्रम के उपरांत यथेष्ट लाभ एवं हर्ष होगा। शुभमांगलिक कार्य पूजा-पाठ में धन खर्च होगा। घर में नये मेहमान का आगमन शीघ्र होगा। भौतिक सुख-सुविधा के साधनों की खरीददारी करेंगे। आमोद-प्रमोद में वातावरण में समय व्यतीत होगा। प्रेम प्रसंग की ओर रुझान बढ़ेगा। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। आलस्य को छोड़े।

कुंभ-यह माह आपको महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे। जीवन साथी से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। किसी अच्छ कार्य की प्रेरणा मिलेगी। मनोरंजन सैर-सपाटे के योग, विरोधी परास्त होंगे। भूमि भवन से संबंधित समस्या बनी रहेगी। व्यापार से मनचाहा लाभ होगा। यात्राओं की अधिकता और भाग-दौड़ बनी रहेगी। मानसिक तनाव अधिक बना रहेगा। भाग्योदय के भी सुअवसर प्राप्त होंगे। लपरवाह एवं आलस्य को त्यागे। खर्च की अधिकता रहेगी।

मीन-यह माह आर्थिक एवं व्यावसायिक लाभ के योग बनेंगे। श्रेष्ठ समय का लाभ आगे बढ़ने का सफल प्रयास करेंगे। नौकरी में प्रमोशन एवं धन की वृद्धि होगी। नये व्यापार का शुभारंभ करेंगे। आदर्शवाद की ओर विशेष झुकाव रहेगा। विरोधी परास्त होंगे। सामाजिक लाभ के अवसर आएंगे। शुभयात्रा होगी। जीवन साथी के स्वासयि की चिंता बनी रहेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

श्रद्धांजलि

श्री राधेश्याम राठी

अजमेर। श्री मारवाड़ी महासभा अध्यक्ष महेश राठी (केकडीवाल) एवं सुरेश राठी (प्राचार्य) के पूज्य पिता श्री राधेश्याम राठी का गोलोकवास 26 जुलाई को अजमेर में हो गया। आप अजमेर के ख्यात किराना व्यवसायी थे। आप अपने पीछे चार पुत्र एवं भरापूरा परिवार छोड़ गये हैं। श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार की विनम्र श्रद्धांजलि।

श्री नंदकिशोर भूतड़ा

जोधपुर. समाजसेवी श्री नंदकिशोर भूतड़ा का हृदयगति रुकने से देहवसान हो गया। श्री भूतड़ा भारत विकास परिषद के सदस्य, जॉइंट्स ग्रुप के उपाध्यक्ष, लॉयन क्लब के कोषाध्यक्ष आदि जिम्मेदारियों के साथ कई संस्थाओं से जुड़े रहे। आप अखिल भारतीय महिला संगठन समिति सदस्य श्रीमती रामेश्वरी भूतड़ा के पति थे।

श्रीमती प्रेमकांता भूतड़ा

इंदौर। इंदौर एवं कन्नौद के ख्यात समाजसेवी श्री बालकृष्ण भूतड़ा की धर्मपत्नी एवं संजय भूतड़ा की मातुश्री प्रेमकांता भूतड़ा का देवलोकवास 78 वर्ष की उम्र में 9 जुलाई को हो गया। आप अत्यंत धार्मिक एवं मिलनसार थी। आपकी 3 पुत्रियों सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई। श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि

सेठ श्री कन्हैयालाल आगीवाल

लालघाट. प्रतिष्ठित व्यापारी सेठ श्री कन्हैयालाल आगीवाल का विगत दिनों निधन हो गया। आप क्षेत्र के ख्यात व्यवसायी दिनेश आगीवाल के पिता थे। उनका अंतिम संस्कार नर्मदा तट के खलघाट पर किया गया।

श्रीमती सुशीला साबू

नांदेड़. जिला माहेशवरी सभा अध्यक्ष द्वारकादास साबू की धर्मपत्नी एवं गोविंद, सचिन एवं आनंद की माता सुशीला साबू का 29 जून को 62 वर्ष की आयु में किडनी की बीमारी से निधन हो गया। उनकी अंतिम इच्छानुसार आंखें डोनेट की गईं।

श्रीमती पूनम सोमानी

मंगरोप. समाज के वरिष्ठ सीताराम सोमानी की पुत्रवधू व राघव सोमानी की पत्नी पूनम सोमानी का सड़क दुर्घटना में आकस्मिक निधन गत 2 जुलाई रविवार को मोडासा गुजरात में हो गया। वे अपने पीछे दो पुत्र रुद्राक्ष और पार्थ को छोड़कर गई हैं।

फिर लिखेगी सफलता का नया इतिहास
1500 से अधिक रिश्ते जोड़ने के पश्चात् अब

श्री माहेश्वरी मेलापक

विवाह योग्य युवक-युवतियों की विश्वस्तरीय डायरेक्ट्री

श्री माहेश्वरी मेलापक

आपकी बेटी-हमारी बेटी
बेटियों के लिए
पंजीयन शुल्क में
250 रुपये की
विशेष छूट

2017 का द्वितीय संस्करण प्रकाशन की ओर.
जिसमें आपको मिलेंगे आपके अनुरूप रिश्ते
प्रोफेशनल व हाईटेक युवक-युवतियों की पहली पसन्द.

शीघ्रता करें...
- पंजीयन शुल्क मात्र 750 रुपये
- मौका हाथ से जाने न दें
- अपनी प्रति आज ही बुक करें।

श्री माहेश्वरी मेलापक
90, विद्या नगर (टेढ़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761, Mob. : 094250-91161
E-Mail : srimaheshwarimelapak@gmail.com

आवश्यकता है
ऊर्जावान प्रतिनिधियों की

माहेश्वरी समाज में सर्वाधिक पढ़ी जाने वाली लोकप्रिय मासिक पत्रिका
श्री माहेश्वरी टाईम्स
को सम्पूर्ण राजस्थान, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, आन्ध्रप्रदेश, कर्नाटक एवं गुजरात में जिला तथा तहसील स्तर पर उर्जावान व कर्मठ प्रतिनिधियों की आवश्यकता है। आत्म विश्वास से भरपूर व पर्याप्त शैक्षणिक योग्यता वाले उम्मीदवारों को आकर्षक कमीशन / वेतन एवं प्रेस कार्ड देय होगा।
इच्छुक उम्मीदवार पूर्ण जानकारी के साथ शीघ्र सम्पर्क करें।

श्री माहेश्वरी टाईम्स
90, विद्या नगर (टेढ़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761,
Mob. : 094250-91161, 9993270298
E-mail : smt4news@gmail.com

बधाई एवं अभिनंदन

परिवर्तन संसारे मृतः को वा न जायते
स जाते येन जातेन देशः याति समुन्नतिम।

सतत् परिवर्तनशील संसार में कौन नहीं जन्म लेता जन्म लेना तो उसी का सार्थक है, जिसके जन्म लेने से देश व समाज उन्नति को प्राप्त होता है

श्रद्धेय पद्मश्री
बंशीलाल जी राठी

के 84वें जन्मदिवस (14 अगस्त) पर
हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई

सत्यनारायण राठी
सदस्य- आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केन्द्र

131, कैलाश पार्क, इन्दौर (म.प्र.) मो. 098260-75402

श्री माहेश्वरी टाईम्स के पर्यावरण विशेषांक पर हार्दिक शुभकामनाएं

पर्यावरण एवं संस्कृति की रक्षा के लिए संकल्पित

राजेन्द्र ईनाणी	अनिल मंत्री	राम तोतला	प्रकाश बाहेती	महेश तोतला	पुष्प माहेश्वरी
अध्यक्ष	संगठन मंत्री	कोषाध्यक्ष	महासभा कार्यसमिति सदस्य		महामंत्री

पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के सभी पदाधिकारीगण

समाज की महाराष्ट्र व्यापी आद्य शिक्षा संस्था

माहेश्वरी विद्या प्रचारक मंडल

स्थापना : १९२९

MVPM!s Maheshwari Scholar-2017

A Tribute to Academic Excellence

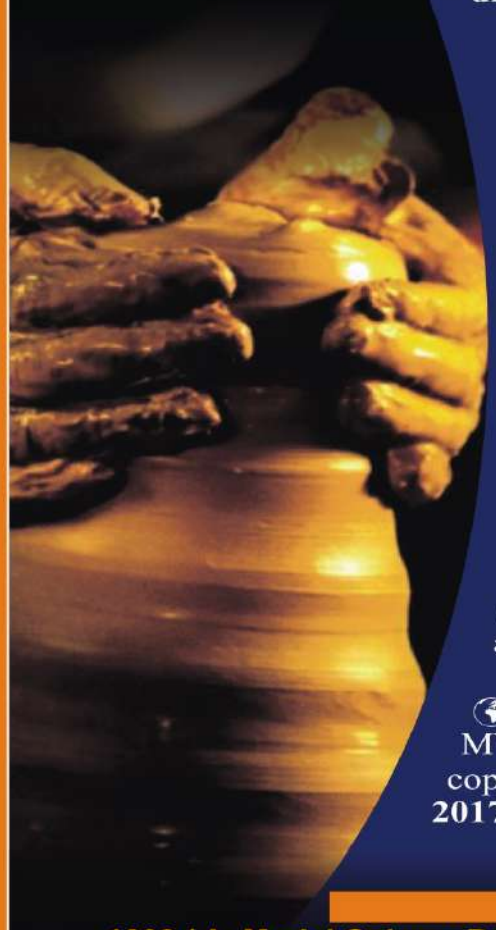

Applications are invited from Maheshwari students who are likely to complete their course between 1st October 2016 & 30th September 2017 from following disciplines:

- **BE/B. Tech/ B. Arch**
- **ME/M.Tech / M.Arch / MCA**
- **BDS/MBBS**
- **MDS/MD/MS/ M.Ch / DM**
- **PGDM/ MBA**
- **CA/ICWA/CS/ CFA**
- **Ph.D (any discipline)**

Exceptional students with outstanding academic records from other disciplines may also be considered by the management.

Maheshwari Candidates, who have qualified Civil Services (UPSC) examinations & have been selected for appointment, are also encouraged to apply.

Download an application form from MVPM website & send a hard as well as soft copy to MVPM office **latest by 31st October 2017.**

1099 / A, Model Colony, Pune - 411 016. Ph.: +91-20-25671090 / 91

• E-mail: scholar@mvpm.org • URL: www.mvpm.org

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Dispatch Date - 02 AUGUST, 2017

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah),
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. 0734-2526561, 2526761, Mo. : 94250 91161
E-mail : smt4news@gmail.com

FREE REGISTRATION AT www.srimaheshwarimelapak.com